नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार 10 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 85 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव का राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया आगाज

विश्व आदिवासी दिवस : आदिवासी संस्कृति, प्रकृति और जीवन-दर्शन की झलकियों से सजा आदिवासी महोत्सव, राज्यपाल और सीएम ने किया आगाज

युवाओं को किसी राजनीतिक छत्रछाया की जरूरत नहीं : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, प्रकृति और जीवन-दर्शन को देश-दुनिया के सामने रखने के उद्देश्य से आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का रविवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य आगाज हुआ। राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव के उद्घाटन समारोह में आदिवासी कला-संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासी महोत्सव के दौरान आंदोलन कर रहे युवाओं को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार युवाओं के अधिकार और उनके भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर आंदोलन कर रहे युवाओं को न्याय दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। जिन लोगों ने गड़बड़ी की है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। गड़बड़ी करने वाले भी चिन्हित किए जा चुके हैं। सीएम ने कहा कि आंदोलन में शामिल छात्रों ने हमारी गतिविधियों की वजह से ही हिम्मत जुटाई है कि अधिकार मांगें और आंदोलन करें क्योंकि हमने चोरी पकड़ ली है। नौजवानों को न्याय मिलेगा और जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हें कठोर से कठोर दंड भी मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा। परीक्षा संबंधी विवादों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हम लोगों ने चोरी पकड़ ली है। आंदोलनरत छात्रों से

अपील करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। छात्रों को न्याय मिलेगा और दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाएगी। सरकार उनके साथ खड़ी है और युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह संजीदा है। भावनात्मक अंदाज में सीएम ने कहा कि वे इसी मिट्टी में जन्मे हैं और इसी मिट्टी में दफन होंगे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि उन्हें अपने अधिकार के लिए किसी राजनीतिक दल की छत्रछाया की आवश्यकता नहीं है। युवा स्वयं अपनी ताकत हैं और अपने अधिकार के लिए आवाज उठाना उनका अधिकार है। उन्होंने राजनीतिक दलों पर युवाओं को भ्रमित करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में अलग-अलग तरीके से राजनीतिक दल युवाओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं। बड़े-बड़े विद्वान और पढ़े-लिखे लोग भी युवाओं को भ्रमित करने वाली गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में युवाओं पर राजनीतिक दलों की नजर टिकी हुई है। नौजवानों को झूठ-सच मिलाकर दिग्भ्रमित करने और सरकार के खिलाफ खड़ा करने की कोशिशें चल रही हैं। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से कहा कि उन्हें किसी के संरक्षण की आवश्यकता नहीं। वे खुद अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकते हैं। सरकार उनकी बात सुन रही है और न्याय के सवाल पर गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने देखा कि किस तरह नौजवानों को डराने-धमकाने की कोशिश की गई। मीडिया की तरफ से भी छात्रों को डराने और बदनाम करने की कोशिश हुई। उससे काम नहीं चला तो लाठी-डंडा, गोलियां, पैलेट गन से मारने और घायल करने की कोशिश की गई। उससे भी बात नहीं बनी तो देशद्रोही बना दिया गया। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान का हवाला देते हुए कहा कि यह हर व्यक्ति को समान अधिकार देता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि देश आजाद हुए इतने साल बीत चुके हैं और हम आजादी के 100वें साल की ओर बढ़ रहे हैं, फिर भी समाज में काफी असमानता है। गरीब और गरीब होता चला गया, अमीर और अमीर। असमानता जितनी बढ़ेगी, देश में तनाव भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि छात्रों को न्याय मिलेगा और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। आंदोलन के दौरान लगातार यह मांग उठती रही है कि परीक्षाओं में किसी तरह की अनियमितता हुई हो तो निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। सीएम ने सरकार की संजीदगी दोहराई। सीएम ने कहा कि आज लोकतंत्र को खत्म करने के लिए एक ताकत पूरी तरह लगी हुई है। लेकिन झारखंड सिर्फ झारखंड नहीं, वीरों की भूमि है। यह वह राज्य है जहां देश आजादी का सपना भी नहीं देख रहा था, तब संघर्ष हो रहा था। राज्य बने 26 साल हो गए, फिर भी अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश कर रहा है। पहले इसे चारागाह की तरह इस्तेमाल किया गया। आज राज्य आगे बढ़ रहा है तो कुछ लोगों को पच नहीं रहा। चेहरा छिपाकर गलत संदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि हर समस्या का समाधान बातचीत से होगा, लाठी-गोली से नहीं। लाठी-गोली का इस्तेमाल सीमाओं पर दुश्मनों के साथ होता है, अपने देशवासियों के साथ नहीं। लाठी-डंडों के इस्तेमाल से समस्या का समाधान नहीं होता बल्कि समस्या और बढ़ती है। मंच से नौजवानों को संदेश देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं भी बूढ़ा नहीं हूं। आपकी समस्या हमारी समस्या है। आपको पूरा आश्वासन देता हूं कि आपके साथ न्याय होगा। पारदर्शी तरीके से न्याय होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ आंदोलन के जरिए नहीं बल्कि घर में जो बात होती है, उसे भी सुना जाएगा और उसके अनुरूप चीजें तैयार होंगी। युवाओं का आंदोलन सरकार की नीतियों और लोकतांत्रिक माहौल की वजह से ही आगे बढ़ सका है। सरकार इस मामले में पीछे नहीं हटेगी और युवाओं को न्याय दिलाने का प्रयास जारी रहेगा।

सीएम की बातों पर करें भरोसा : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में जारी छात्र आंदोलन के बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आंदोलनरत छात्र-छात्राओं से संयम बरतने और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दिए गए आश्वासन पर भरोसा रखने की अपील की है। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रों की समस्याओं को लेकर संवेदनशील हैं और उनके आंदोलन को लेकर चिंतित भी हैं। सरकार की ओर से समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है। राज्यपाल ने छात्रों से कहा कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने का अधिकार है लेकिन समस्या के समाधान के लिए संवाद का रास्ता अपनाना अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को लेकर वह भी गंभीर हैं और जरूरत पड़ने पर छात्र सीधे उनसे मुलाकात कर अपनी बात रख सकते हैं। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आंदोलनरत छात्रों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बातों पर भरोसा रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने छात्रों को न्याय दिलाने और उनकी

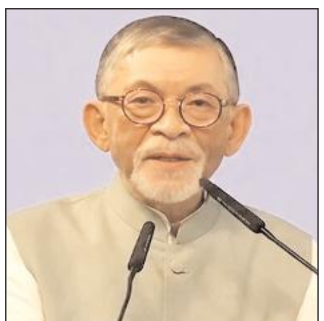

समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया है। ऐसे में छात्रों को सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन पर विश्वास रखना चाहिए। राज्यपाल के मुताबिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्रों के मामले को लेकर काफी संवेदनशील हैं। वह पूरे विषय को गंभीरता से देख रहे हैं और समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे सरकार की कार्रवाई का इंतजार करते हुए संयम बनाए रखें। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन छात्र आंदोलन को लेकर चिंतित हैं। सरकार इस विषय को हल्के में नहीं ले रही है। छात्रों की ओर से उठाई जा रही मांगों और उनके अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान बातचीत और आपसी संवाद से निकाला जा सकता है। इसलिए छात्रों को अपनी बात मजबूती से रखने के साथ-साथ बातचीत के रास्ते को भी खुला रखना चाहिए। राज्यपाल ने आंदोलनरत छात्रों से उग्र नहीं होने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार है लेकिन किसी भी स्थिति में ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे समस्या और जटिल हो। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। सरकार और प्रशासन उनके मुद्दों को सुन रहे हैं। ऐसे में संयम के साथ आगे बढ़ना ही उचित रास्ता होगा। राज्यपाल के संदेश में संवाद पर विशेष जोर रहा। उन्होंने छात्रों से कहा कि यदि उन्हें लगता है कि उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तो वे सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर अपनी बात रख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाइवा की ठोकर से ग्रामीण चिकित्सक की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। मनोहरपुर थाना क्षेत्र के मनीपुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्रामीण चिकित्सक प्रह्लाद महतो (45) की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार लौह-अयस्क लदे तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित हो गई। बाइक में पीछे बैठे प्रह्लाद महतो सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान हाईवा का पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया जिससे वे बुरी तरह कुचल गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचे और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ हंगामा किया।

फर्नेस ब्लास्ट होने से नौ मजदूर झुलसे

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। श्रीराम पावर प्लांट लिमिटेड में रविवार को फर्नेस ब्लास्ट होने से नौ मजदूर झुलस गए। हादसे के बाद सभी घायलों को प्रबंधन ने रामगढ़ के होप हॉस्पिटल पहुंचाया। घायलों में झारखंड के अलावा बिहार के मजदूर भी शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार दो मजदूरों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रांची रिम्स रेफर किया गया है जबकि अन्य का इलाज रामगढ़ में चल रहा है।

सेना के वाहन से भिड़ी कार, तीन गंभीर

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के प्लाजा चौक के पास रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार और सेना के वाहन में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो युवतियां और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को कार से निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सेना का वाहन प्लाजा चौक के पास से जेल मोड़ की ओर मुड़ रहा था तभी पुरुलिया रोड की तरफ से तेज गति से आ रही सफ़ेद रंग की कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया। कार सीधे सेना के वाहन से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जबकि सेना के वाहन के बाएं हिस्से को भी काफी नुकसान पहुंचा।

जेपीएससी के तीन सदस्यों ने दिया इस्तीफा

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड लोक सेवा आयोग के तीनों सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वालों में डॉ अजिता भट्टाचार्य, डॉ अनिमा हांसदा और डॉ जमाल अहमद शामिल हैं। बताया जा रहा है कि तीनों सदस्यों का कार्यकाल अब महज एक महीने का ही शेष बचा था। जेपीएससी में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच तीनों सदस्यों के इस्तीफ़े से आयोग को लेकर चर्चा तेज हो गयी है। जानकारी के अनुसार सीआइडी की ओर से पूर्व में ही तीनों जेपीएससी सदस्यों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया था। हालांकि इस्तीफ़े के बाद अब इस मामले में जांच की दिशा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सीआइडी किन बिंदुओं पर तीनों सदस्यों से पूछताछ करना चाहती थी, इसे लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। तीनों सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने में करीब एक महीने का समय ही बचा था। ऐसे समय में एक साथ तीन सदस्यों के इस्तीफ़े को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। आयोग में सदस्यों की भूमिका नियुक्ति और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होती है।

अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश, 11 गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले में दो बड़े सोना लूट मामले का खुलासा गुमला पुलिस ने किया है। पुलिस ने मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का संबंध कोरई गैंग से है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। इसकी पुष्टि गुमला एसपी हारिस बिन जमां ने की है। एसपी ने बताया कि यह गिरोह कई राज्यों में चोरी, छिनतई और लूट की घटनाओं को अंजाम देता था। गुमला के पालकोट और घाघरा में सोना व्यापारियों से करोड़ों रुपये की लूट हुई थी। उक्त दोनों घटनाओं को इसी गिरोह के अपराधियों ने अंजाम दिया था। एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पालकोट के बिल्डिंगबीरा में छापेमारी कर पुलिस ने सबसे पहले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर बाद में चार अन्य अभियुक्तों को भी पकड़ा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से लगभग 70 ग्राम सोना, करीब डेढ़ किलोग्राम चांदी, एक लाख 70 हजार रुपये

नकद, एक देसी पिस्तौल, दो देसी कट्टा, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि गिरोह के कुछ सदस्य अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में ओडिशा राज्य के जाजपुर जिला अंतर्गत कोरई थाना क्षेत्र के पुरवाकोट निवासी आर अर्जुन उर्फ अबला अर्जुन, अक्षय कबाड़ी, येशु दास, किशुन दास,अवला शेखर, आडिशा राज्य के जाजपुर जिला निवासी अर्जुन दास, नाईकेल सावन, मनोज दास, और भोला दात्त शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुंद जिला निवासी करण नेताम और आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापट्टनम जिला के गरतीपट्टनम गांव निवासी मेकला येशु शामिल हैं। वहीं पुलिस की छापेमारी टीम में चैनपुर एसडीपीओ श्रुति, गुमला एसडीपीओ सुरेश प्रसाद, बसिया एसडीपीओ शिवशंकर, सिसई के पुलिस अंचल निरीक्षक विनय कुमार, शिया के पुलिस अंचल निरीक्षक गुलशन भेंगरा, पालकीट थाना प्रभारी अंकित राज, धाचरा के थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह, एसआइटी टीम और तकनीकी शाखा के पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे।

पंचायत की बेहतर सेवा के लिए बारा मुखिया को राष्ट्रपति भवन से निमंत्रण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के सबसे पिछड़ा कहे जाने वाला करौ प्रखंड के बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मिंटू शेख झारखंड के उन दो मुखियाओं में शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना है। वारा पंचायत के मुखिया को इस सम्मान के लिए चुने जाने पर पंचायत समेत क्षेत्र में खुशी की लहर है। जिला प्रशासन की ओर से बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख के बेहतर कार्य और प्रयासों को देखते हुए उनका नाम उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया था। दरअसल मिंटू शेख की ओर से अपने पंचायत के प्रत्येक व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने और जनता की स्थिति में सुधार लाने के लिए किए गए कार्यों की सराहना की गई है। जिला प्रशासन की ओर से भी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की गई और अन्य पंचायतों के मुखियाओं से भी बेहतर कार्य करने की अपील की गई। अपनी इस उपलब्धि को लेकर बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख बताते हैं कि वह अपनी जनता को सर्वोपरि समझते हैं और 24 घंटे जनता की सेवा में लगे रहते हैं। उनकी कोशिश रहती है कि पंचायत से जुड़े मामलों का समाधान पंचायती व्यवस्था के तहत ही हो जाए। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई पारिवारिक कलह को सुलह में बदलने का काम किया है। कई ऐसे परिवार थे, जो बिखरने के कगार पर थे लेकिन उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पंचायत के परिवारों को जोड़ने का काम किया। इसके अलावा पंचायत की कृषि योग्य जमीनों में सिंचाई के लिए जर्जर और खराब पड़े एक डैम को उन्होंने अपने निजी खर्चे पर दुरुस्त करवाया। आज इससे सैकड़ों एकड़ जमीन में किसानों को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। मिंटू शेख ने अन्य जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि आज उन्हें भी कई ऐसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जो विकास कार्यों में बाधा डालती हैं। लेकिन वह क्षेत्र की जनता के सहयोग और संविधान की जानकारी के आधार पर अधिकारियों से लड़कर अपने क्षेत्र के लोगों के हक और अधिकार को दिलाने का काम करते हैं।

देशभक्ति के जोश में निकाली तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजी राजधानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रविवार को राजधानी रांची देशभक्ति के रंग में डूबी नजर आई। शहर में निकाली गई तिरंगा यात्रा में रक्षा राज्य मंत्री के साथ बड़ी संख्या में आम लोग, युवा और बच्चे शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में शामिल रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान है। हाथ में तिरंगा आते ही मन में देश के प्रति गौरव और सम्मान का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जब देशवासी एक साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते हैं तो राष्ट्रभक्ति की भावना और मजबूत होती है। देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों का जिक्र करते हुए कहा कि हजारों किलोमीटर लंबी सीमा पर हमारे जवान बेहद कठिन

परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। माइनस 40 डिग्री तापमान में भी सैनिक अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते। उनके लिए सबसे ऊपर देश और भारत माता है। ऐसे में देशवासियों का भी कर्तव्य है कि वे राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को समझें। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इन यात्राओं का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय भावना और देश के प्रति जागरूकता को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। आजादी के अमृत काल में देश में गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में औपनिवेशिक मानसिकता से जुड़े कई प्रतीकों और सोच में बदलाव लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता 7 रेस कोर्स रोड से बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया। इसी तरह कई राजभवनों को लोक भवन के नाम से जाना जाने लगा है। संजय सेठ ने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए लोगों में कर्तव्य भाव का होना जरूरी है। केवल अधिकारों की बात करने के बजाय नागरिकों को अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा। जब प्रत्येक नागरिक देश के प्रति अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देंगे तभी राष्ट्र मजबूत होगा। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा ने राजधानी के माहौल को पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

C M Y K

आदिवासी महोत्सव में हजारीबाग के सोहराई चित्रकारों को सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। जिला प्रशासन, हजारीबाग की ओर से पैराडाइज रिसॉर्ट में ह्लआदिवासी महोत्सव-2026ह्व का आयोजन किया गया। महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर जिले और राज्य का नाम रोशन करने वाले आदिवासी खिलाड़ियों, कलाकारों, शिक्षकों एवं अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोहराई कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सोहराई कला महिला विकास समिति की चित्रकार पुतली गंझू तथा जन जागरण केंद्र, हजारीबाग की सोहराई पेंटिंग चित्रकार तारा ज्योत्सना मुर्मू एवं दिव्या मुर्मू को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया। सम्मानित चित्रकारों ने सोहराई कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के माध्यम से इन कलाकारों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मेलों में भाग लेकर हजारीबाग की पारंपरिक सोहराई कला को व्यापक मंच प्रदान किया है। साथ ही हजारों युवा आर्टिजन को सोहराई पेंटिंग का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य भी किया गया है। महोत्सव में करियातपुर ब्रास मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, रोज जूटक्राफ्ट ट्रेडर, जन जागरण केंद्र, मारसल बुनकर सहयोग समिति एवं सोहराई कला महिला समिति की ओर से भी विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के सहयोग से लगाए गए इन स्टॉलों में सोहराई पेंटिंग, जूटक्राफ्ट, ब्रास के बर्तन एवं हैंडलूम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। आदिवासी महोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला, संस्कृति और पारंपरिक हस्तशिल्प को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ हजारीबाग के कलाकारों एवं कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर भी मिला।

कॉलेज में भ्रष्टाचार के आरोप, विद्यार्थी परिषद ने खोला मोर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप गिरिडीह ने गिरिडीह कॉलेज में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिषद की ओर से जारी पत्र में प्रभारी प्राचार्य डॉ. एम.एन. सिंह समेत कॉलेज के कुछ शिक्षकों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है अभाविप के अनुसार दिसंबर 2025 में हजारीबाग में आयोजित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में गिरिडीह कॉलेज की टीम के साथ गए पदाधिकारियों को लेकर भी अनियमितता का आरोप है परिषद का दावा है कि इस दौरान ड्यूटी, यात्रा एवं अन्य मदों से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई।साथ ही इग्नू की परीक्षा से संबंधित उपस्थिति पत्रक में कथित फर्जी हस्ताक्षर किए जाने और इसके आधार पर भुगतान किए जाने का भी आरोप लगाया गया है परीक्षा ड्यूटी में भी गड़बड़ी का आरोप पत्र में कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक प्रो. बालेंदु शेखर त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए हैं। अभाविप का कहना है कि कुछ शिक्षकों द्वारा परीक्षा ड्यूटी के नाम पर कथित रूप से गलत तरीके से भुगतान लिया गया एक प्रोफेसर के इलाज के दौरान अनुपस्थित रहने के बावजूद उनके नाम पर परीक्षा ड्यूटी की एंट्री किए जाने का भी आरोप लगाया गया है बैंक खाते से सवा लाख रुपये निकालने का दावा अभाविप ने कॉलेज के बैंक खाते से सवा लाख रुपये की कथित निकासी का भी मुद्दा उठाया है पत्र में दावा किया गया है कि डॉ. एम.एन. सिंह सहित कुछ लोगों ने बैंक खाते से राशि निकाली परिषद ने इस संबंध में बैंक दस्तावेजों को साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत करने की बात कही है और पूरे मामले की जांच की मांग की है सुरक्षा प्रभारी की नियुक्ति पर भी सवाल पत्र में कॉलेज के सुरक्षा प्रभारी के रूप में प्रभारी प्राचार्य के रिश्तेदार सुभाष सिंह की कथित नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं अभाविप का आरोप है कि उक्त व्यक्ति नियमित रूप से कॉलेज नहीं आते लेकिन उनकी उपस्थिति दर्ज की जाती है और वेतन भुगतान किया जाता है परिषद ने इस मामले की भी जांच की मांग की है अभाविप ने कहा कि कॉलेज में कथित अनियमितताओं की जानकारी जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी ।

संक्षिप्त समाचार

वज्रपात पीड़ित परिवारों से मिले कांग्रेस नेता धनंजय सिंह, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। देवरी प्रखंड के विभिन्न गांवों में हाल के दिनों में हुई वज्रपात की घटनाओं में मृतकों एवं घायलों के परिजनों से मिलने कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल रविवार को प्रभावित गांवों में पहुंचा पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश सचिव धनंजय सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने देवपहाड़ी बिलोटांड तिलयडीह और चनचाचो गांवों का दौरा किया इस दौरान नेताओं ने वज्रपात से मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा घायल बच्चे के परिवार का हालचाल जाना धनंजय सिंह ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में कांग्रेस उनके साथ खड़ी है उन्होंने प्रभावित परिवारों को सरकारी प्रावधानों के तहत हरसंभव सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया प्रतिनिधिमंडल में प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार जिला उपाध्यक्ष बिमल सिंह जिला महासचिव अनिल चौधरी जिला सचिव किशोर राय मंडल अध्यक्ष बच्चू राय युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गोपाल राय एवं धोकला दास समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे धनंजय सिंह ने प्रशासन से दूरभाष पर बात कर वज्रपात पीड़ित परिवारों को शीघ्र राहत एवं मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता लेकिन संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहना समाज और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है।

सहायक अध्यापकों ने आंदोलन की बनाई रणनीति, 11 को विधानसभा घेराव का ऐलान

बरकट्ठा/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ की बैठक शनिवार को प्रखंड संसाधन केंद्र बरकट्ठा के बाहरी प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में सहायक अध्यापकों की विभिन्न मांगों को लेकर आगामी 11 अगस्त को रांची में विधानसभा सत्र के दौरान धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के सचिव अरुण मंडल ने की, जबकि संचालन राघवेंद्र लाल ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी सहायक अध्यापक अपनी मांगों के समर्थन में आकस्मिक अवकाश लेकर रांची पहुंचेंगे और आंदोलन को सफल बनाएंगे। इस दौरान शिक्षक मनोज कुमार ने कहा कि यदि हेमंत सोरेन सरकार सहायक अध्यापकों की मांगों को पूरा नहीं करती है, तो आने वाले समय में इससे भी अधिक उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने सभी सहायक अध्यापकों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की। बैठक में सचिव अरुण मंडल, राघवेंद्र लाल, नारायण महतो, मनोज कुमार, राजेंद्र गुप्ता, अनिल बरनवाल, चंद्रिका सिंह, हरिहर दास, मनमोहन दास, पंकज कुमार अग्रवाल, श्याम किशोर पांडेय, पोखराज प्रसाद सहित कई सहायक अध्यापक मौजूद थे।

'देहाती दुनिया' ने हिन्दी साहित्य में पहली बार आंचलिक बोध का स्वाद दिया

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आचार्य शिवपूजन सहाय की महान कृति 'देहाती दुनिया' के प्रकाशन का सौ वर्ष पूरा हो गया है। पूरे देश में इसे उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आधुनिक हिन्दी की यह वह पुस्तक है, जिसमें प्रथम बार 'आंचलिक-बोध' की सुगंध और स्वाद से हिन्दी जगत अवगत हुआ था। आचार्य जी का साहित्यिक व्यक्तित्व हिमालय की भाँति ऊँचा था। एक तपस्वी की भाँति उन्होंने हिन्दी की सेवा की। दधीचि की तरह हिन्दी के लिए अपनी सारी हड्डियाँ गला दीं। यह बातें रविवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह और कथा-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि आचार्य शिवजी के हाथ में संपादन की एक ऐसी क्षेणी-हथौड़ी थी, जिससे उन्होंने साहित्य के अनेक अनगढ़ पत्थरों को, सुंदर मूर्तियों में परिवर्तित किया। वे राष्ट्रभाषा परिषद के संस्थापक मंत्री और फिर बाद में निदेशक के रूप में, 1950से 1959तक, कुल 9वर्षों तक, साहित्य सम्मेलन के परिसर में ही रहे। तब परिषद का कार्यालय सम्मेलन-भवन में ही संचालित होता था। यह साहित्य सम्मेलन का स्वर्णिम-काल था। आचार्य जी से दिखाने के लिए, देश भर के साहित्यकार अपनी पांडुलिपियाँ लेकर यहाँ आते थे, जिनमें कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद और 'कामायनी' जैसे महाकाव्य के रचयिता महाकवि जयशंकर प्रसाद सम्मिलित हैं। दूसरी ओर बाबू गंगा शरण सिंह हिन्दी के एक ऐसे ध्वज-वाहक थे, जिन्होंने लिखा तो कुछ भी नहीं, किंतु हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया। समारोह के मुख्य अतिथि और राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि दोनों हिन्दी-सेवियों के महान अवदान से हिन्दी को बहुत ऊर्जा प्राप्त हुई। आचार्य शिवजी की पौत्री पुनीता सिन्हा ने अपने पिता प्रो मंगलमूर्ति के आलेख को पढ़कर सुनाया। डा रत्नेश्वर सिंह ने आचार्य शिवजी को मनोवैज्ञानिक लेखक बताया। अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद ने कहा कि आचार्य जी ने अपना संपूर्ण जीवन हिन्दी के लिए अर्पित कर दिया। उनकी विद्वता का अनुमान इसी से किया जा सकता है कि देश के सभी बड़े साहित्यकारों की पांडुलिपियाँ परिशोधन हेतु आचार्य जी के पास आया करती थी। इस अवसर पर लेख्य-मंजूषा, पटना द्वारा प्रकाशित और लेखिका विभारानी श्रीवास्तव द्वारा सम्पादित त्रैमासिकी 'साहित्यिक स्पंदन' का लोकार्पण भी संपन्न हुआ। कथा-गोष्ठी में, वरिष्ठ लेखक मधुरेश नारायण की कहानी 'कृतज्ञता' पर लेखिका रंजना सिंह तथा डा प्रमोद कुमार ने अपनी त्वरित समीक्षाएँ प्रस्तुत की।

विश्व आदिवासी दिवस पर छात्राओं ने प्रस्तुत किया संताली नृत्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आरके महिला कॉलेज, गिरिडीह के सभागार में रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज कुमार एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. रेणुका साहू ने संयुक्त रूप से भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर किया इस अवसर पर डॉ. अनुज कुमार ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस जनजातीय समुदायों के अधिकार संस्कृति भाषा और परंपराओं के संरक्षण एवं सम्मान का संदेश देता है उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जनजातीय समुदायों के अधिकारों और उनकी विशिष्ट पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया प्रो. रेणुका साहू ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान जल जंगल और जमीन से जुड़ी हुई है उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों के प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकार और संस्कृति का संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पारंपरिक जनजातीय परिधान में आकर्षक संताली नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया कार्यक्रम में छात्राओं के साथ एनसीसी कैडेट्स ने भी भाग लिया मौके पर प्रदीप कुमार प्रतिमा देवी कॉलेज की छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य उपस्थित रहे।

गुरु हरकिशन साहिब जी का प्रकाश दिवस श्रद्धा और धूमधाम से मना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सिख धर्म के आठवें गुरु श्री गुरु हरकिशन साहिब जी के प्रकाश दिवस के अवसर पर रविवार को गिरिडीह मुख्य गुरुद्वारा में श्रद्धा और धूमधाम के साथ गुरुपर्व मनाया गया इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालुओं ने शामिल होकर गुरु दरबार में मत्था टेका कार्यक्रम के दौरान शबद कीर्तन गुरबाणी और अरदास का आयोजन हुआ श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया वहीं गुरु हरकिशन साहिब जी के जीवन त्याग सेवा और मानवता के प्रति उनके संदेश पर प्रकाश डाला गया श्री गुरु सिंह सभा गिरिडीह के प्रधान सेवक डॉ. गुणवंत सिंह मोंगिया ने कहा कि गुरु हरकिशन साहिब जी ने छोटी उम्र में ही मानव सेवा और परोपकार की ऐसी मिसाल पेश की जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि गुरु जी का जीवन मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित रहा गुरुपर्व के अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में लंगर का भी आयोजन किया गया इसमें सिख समाज के लोगों के साथ साथ अन्य समुदायों के लोगों ने भी हिस्सा लिया।

17 माह से मानदेय नहीं मिलने पर आउटसोर्सिंग कर्मियों का फूटा आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण हजारीबाग । प्रखंड कार्यालय में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को पिछले 17 माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण उनमें आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शनिवार को कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर सहायक, चालक, झाड़ूकश समेत अन्य आउटसोर्सिंग कर्मियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर को ज्ञापन सौंपकर लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। कर्मियों ने बताया कि वे ग्रामीण विकास विभाग की अधिकृत आउटसोर्सिंग एजेंसी मेसर्स राइडर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, रांची के माध्यम से चौपारण प्रखंड कार्यालय में कार्यरत हैं। नियमित रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के बावजूद लंबे समय से उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। ज्ञापन के अनुसार नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पांच माह तथा अगस्त 2025 से जुलाई 2026 तक 12 माह का मानदेय लंबित है। इस तरह कुल 17 माह का भुगतान बकाया है। कर्मियों का कहना है कि आवंटन के अभाव में भुगतान लंबित है, जिसके कारण वे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कर्मियों ने कहा कि लगातार मानदेय नहीं मिलने से परिवार का खर्च चलाना, बच्चों की पढ़ाई, मकान का किराया, इलाज और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कई कर्मियों को परिवार का खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। कर्मियों ने कहा कि आर्थिक परेशानियों के बावजूद वे नियमित रूप से कार्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण आर्थिक संकट के साथ मानसिक तनाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा भी बनी हुई है। ज्ञापन सौंपने वालों में कंप्यूटर सहायक विजय कुमार सोनी, संतोष कुमार, सकलदेव साव, गौरव पांडेय, जीप चालक संतोष कुमार एवं झाड़ूकश रवि कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। कर्मियों ने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए लंबित मानदेय का जल्द भुगतान कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

एप्रोच पथ के अभाव में बेकार साबित हो रहा करोड़ों का पुल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । बेंगाबाद झारखंड और बिहार के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से पतरो नदी पर करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया पुल एप्रोच पथ के अभाव में अपनी उपयोगिता साबित नहीं कर पा रहा है। पुल निर्माण के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी बेंगाबाद की ओर से बदवारा चौक से पुल तक सड़क का निर्माण नहीं हो सका है ऐसे में क्षेत्र के ग्रामीणों को पुल का अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है यह पुल गिरिडीह जिले के बेंगाबाद प्रखंड के उत्तरी छोर को बिहार के चकाई थाना क्षेत्र से जोड़ता है गांडेय के पूर्व विधायक सह राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद के प्रयास से पुल का निर्माण कराया गया था बदवारा पंचायत के बदवारा चौक से पतरो नदी तक करीब एक किलोमीटर से अधिक एप्रोच पथ नहीं बनने के कारण पुल तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है बदवारा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रघुनंदन कुमार कुशवाहा ने बताया कि पारडीह बदवारा सड़क निर्माण के दौरान एप्रोच पथ को योजना में शामिल नहीं किया गया इसके कारण यह महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग अब तक अधूरा है उन्होंने बताया कि बिहार की ओर चकाई थाना क्षेत्र से पतरो नदी तक सड़क का पक्कीकरण हो चुका है लेकिन झारखंड की ओर संपर्क पथ नहीं बनने से पुल का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है उन्होंने कहा कि बदवारा से पतरो नदी तक एप्रोच पथ के अलावा चौंराटांड़ चौक से लक्षुआडीह सहियारी पथ का निर्माण भी अब तक आरईओ विभाग की योजना में शामिल नहीं हो सका है सड़क के अभाव में ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों का कहना है कि यदि बदवारा चौक से पतरो नदी तक एप्रोच पथ का निर्माण हो जाए तो बेंगाबाद सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को बिहार के चकाई क्षेत्र तक आवागमन में काफी सुविधा होगी इससे दोनों राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में व्यापार शिक्षा स्वास्थ्य और अन्य जरूरी कार्यों के लिए लोगों का आवागमन भी सुगम हो सकेगा।

बस स्टैंड में कचरे का अंबार, दुर्गंध से राहगीर परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बगोदर प्रखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड इन दिनों गंदगी की समस्या से जूझ रहा है। बस स्टैंड के बाहरी छोर पर जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है लंबे समय से जमा कचरे के कारण आसपास का इलाका गंदगी से पटा पड़ा है। वहीं कचरे से उठ रही तेज दुर्गंध के कारण यात्रियों राहगीरों दुकानदारों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बस स्टैंड बगोदर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बसों से आवागमन करते हैं ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग विभिन्न कार्यों के लिए यहां पहुंचते हैं ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है दुर्गंध के बीच आने-जाने को मजबूर लोग बस स्टैंड परिसर में जमा कचरे से निकलने वाली दुर्गंध इतनी तेज है कि राहगीरों को वहां से गुजरते समय नाक बंद करनी पड़ रही है आसपास के दुकानदारों का कहना है कि कचरा कई दिनों तक पड़े रहने से स्थिति लगातार खराब होती जा रही है नियमित उठाव नहीं होने के कारण कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है बारिश होने पर कचरे के साथ गंदगी और सड़ांध आसपास फैलने की आशंका भी बनी हुई है।

तेलोडीह पंचायत सचिवालय में एसआइआर को लेकर प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । तेलोडीह पंचायत सचिवालय में रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया प्रशिक्षण में तेलोडीह खावा जीतपुर और करहरबारी पंचायतों के बीएलओ फ्रंटलाइन वर्कर एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश रजक ने एसआईआर अभियान के दौरान सामने आ रही अनोमालिज और नोटिस से संबंधित मामलों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किया जाएगा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर नोटिस का जवाब देना अनिवार्य होगा साथ ही दस्तावेजों के सत्यापन रिकॉर्ड अपडेट करने और मतदाता सूची में त्रुटियों के सुधार की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई मौके पर तेलोडीह पंचायत के मुखिया शब्बीर आलम ने बीएलओ फ्रंटलाइन वर्करों एवं जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए एसआईआर अभियान को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ पूरा करने की अपील की उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है इसलिए सभी कर्मी घर घर जाकर सही जानकारी एकत्र करें और लोगों को नोटिस का समय पर जवाब देने के लिए जागरूक करें बैठक में नोटिस प्रक्रिया आवश्यक दस्तावेजों तथा पंचायत स्तर पर बेहतर समन्वय को लेकर भी आवश्यक जानकारी दी गई 24 अगस्त को प्रमाणपत्र बनाने का विशेष शिविर बैठक में बताया गया कि 24 अगस्त को तेलोडीह पंचायत सचिवालय में जाति आवासीय एवं जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए विशेष शिविर लगाया जाएगा पंचायतवासियों से अपील की गई।

फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रविवार को संगम गार्डन होटल में ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन गिरिडीह जिला की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के लिए सशक्त जिला कमेटी का गठन किया गया साथ ही झारखंड प्रदेश कमेटी में गिरिडीह जिले से 10 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई प्रदेश कमेटी में राजेश कुमार बंसल को वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष केदार प्रसाद बरनवाल को सचिव राजकुमार चरण पहाड़ी को संयुक्त सचिव हरिमोहन कांडवे को प्रदेश मीडिया प्रभारी लालमणि साहू को संगठन सचिव मोहम्मद निजाम किशोर सिंह को संयुक्त सचिव तथा दिगंबर प्रसाद सिंह और गोपाल साहू को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया बैठक के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को मंच पर बुलाकर माला पहनाकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया जिला कमेटी में संजय सिंह को मुख्य संरक्षक शाहनवाज अंसारी को चीफ एडवाइजर नारायण पांडे मनोज सिंह व अशोक सिंह को जिला संरक्षक मुकेश चौधरी व रामनरेश भारती को संयोजक अजय पांडे व रामरतन राम को जिला कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया वहीं किशोर सिंह को प्रधान महासचिव हरिमोहन कांडवे शक्ति पांडे व सच्चिदानंद सिंह को महासचिव केदार प्रसाद व लालमणि साहू को वरीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई इसके अलावा रामचरित्र यादव धीरज सिंह श्याम नंदन राम अखिलेश राणा दिगंबर सिंह राजेश राज रामचंद्र यादव अनूप तरवे व बैजनाथ वर्मा समेत अन्य सदस्यों को भी संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां दी गई सुमन सिंह को कोषाध्यक्ष गंगेश्वर दास को मीडिया प्रभारी और दीपेश साहू को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान बैठक में जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं की विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति पर भी चर्चा हुई प्रदेश कमेटी के निदेर्शानुसार झारखंड के जन वितरण विक्रेता चरणबद्ध आंदोलन करेंगे इसी क्रम में 1 सितंबर 2026 को जिला स्तर पर व्यापक धरना आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के सभी जन वितरण विक्रेताओं के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी शामिल होंगी इसके बाद रांची मुख्यालय में प्रदेश के कुछ प्रतिनिधियों द्वारा मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन आंदोलन किए जाने की बात कही गई स्वयं सहायता समूह की जिला कमेटी भी गठित बैठक में स्वयं सहायता समूह की जिला कमेटी की भी घोषणा की गई।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिला प्रशासन ने निकाली प्रभात फेरी

बिरसा मुंडा,शिबू सोरेन समेत विभिन्न महापुरुषों की वेशभूषा में विद्यार्थियों ने किया आकर्षित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पलामू जिला प्रशासन की ओर से रविवार को प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि प्रभात फेरी के माध्यम से आमजनों तक विश्व आदिवासी दिवस के महत्व, आदिवासी समाज की समृद्ध कला-संस्कृति, परंपराओं एवं उनके गौरवशाली इतिहास का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस झारखंड के विभिन्न हिस्सों में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और पलामू भी इसमें सक्रिय सहभागिता निभा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के बाद से आदिवासी समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण तथा उसके संवर्धन में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उपायुक्त ने प्रभात फेरी में शामिल विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न झांकियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह एवं रचनात्मक प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधितों को शुभकामनाएं दी।

झांकियों ने किया लोगों को आकर्षित

प्रभात फेरी के दौरान संत मरियम स्कूल एवं ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने झारखंड के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर सपूतों की वेशभूषा धारण कर उनके योगदान को प्रदर्शित किया। वहीं, संत मरियम स्कूल के विद्यार्थियों ने राजा मेदिनी राय, बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर एवं शिबू सोरेन की भूमिका में अपनी प्रस्तुति दी। विशेष रूप से बिरसा मुंडा एवं शिबू सोरेन की वेशभूषा एवं प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से झारखंड के इतिहास एवं आदिवासी समाज के संघर्ष और योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रभात फेरी के प्रारंभ होने से पूर्व नृत्य निर्देशक सुजीत कुमार के निर्देशन में संत मरियम स्कूल की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संत मरियम स्कूल के कला निर्देशक कामरूप सिन्हा, राज प्रतीक पाल एवं ग्रीन वैली स्कूल के कला शिक्षक संजीत प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, डीसीएलआर प्यारे लाल, एपीआरओ अजित कुमार, शिक्षाविद अविनाश देव, पंडित प्रदीप नारायण, ट्रैफिक प्रभारी रुद्रानंद सरस, कार्यक्रम संयोजक सैकत चट्टोपाध्याय सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अनशन पर बैठे दो छात्रों की बिगड़ी तबीयत, डॉक्टर पहुंचे धरनास्थल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। छात्र आंदोलन में अनशन पर बैठे दो छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद धरनास्थल पर डॉक्टर बुलाए गए। दोनों छात्र जयपाल मुंडा स्टेडियम में देवेन्द्र नाथ महतो के साथ अनशन पर बैठे हैं। जानकारी के मुताबिक, महेंद्र मंडल और प्रेम नायक को सांस लेने में दिक्कत और वॉमिटिंग की शिकायत हुई। जिसके बाद तुरंत डॉक्टर को बुलाया गया। इस बीच, सदर अस्पताल से डॉक्टरों की टीम के साथ आए मेडिकल अफसर ने बताया कि अनशन की वजह से छात्र गंभीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें गैस्ट्राइटिस हो गया है। उन्होंने सांस लेने में किसी भी तरह की दिक्कत होने की बात को खारिज कर दिया। हालांकि आंदोलनकारी कुश की खराब तबीयत को देखते हुए उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, अन्य दो अनशनकारी महेंद्र मंडल और प्रेम नायक की भी तबीयत खराब है, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने से फिलहाल इंकार कर दिया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने कहा कि मुख्य रूप से गैस्ट्रोइंटेस्टाइटिस की वजह से तबीयत खराब हुई है। इससे पहले जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन में शुक्रवार को लगातार आमरण अनशन पर बैठे छात्र नेता राहुल क्रांति और बी. पांडे की हालत भी अचानक काफी खराब हो गई थी। अनशन पर डटे रहने के कारण शुक्रवार दोपहर को राहुल क्रांति को तेज बुखार हुआ के बाद चक्कर आने लगे और वे बेहोश हो गए। जिसकेल बाद राहुल क्रांति को रांची सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

विश्व आदिवासी दिवस: टाउन हॉल में सजी सांस्कृतिक रंगत, नौ उत्कृष्ट बच्चे सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को टाउन हॉल में पलामू जिला प्रशासन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पूर्व अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय जीवन और कला-संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य और सामुदायिक सहयोग आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने नई पीढ़ी को इस समृद्ध विरासत से जोड़ने पर बल दिया। इस दौरान खेल, शिक्षा और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 9 आदिवासी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनातू स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के बच्चों ने आधुनिक युग में आदिवासी जीवन पर प्रस्तुति दी। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं के गीत "धरती के मूल निवासी, देश की शान आदिवासी" ने समां बांधा। नीलांबर-पीतांबर के संघर्ष पर आधारित नाटक तथा नागपुरी व पारंपरिक लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बोकारो में पुलिस की वर्दी में संदिग्ध परिस्थिति में मिला शव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत आईईएल थाना क्षेत्र के बैंक मोड़ स्थित डोली पैलेस के कमरा नंबर 106 में पुलिस की वर्दी में एक शख्स का सड़ा गला शव मिलने से सनसनी फैल गई। कमरे से तेज दुर्गंध आने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो पुलिस वर्दी पहने एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। जानकारी के मुताबिक, शव कई दिनों पुराना लग रहा है, जिससे शरीर पूरी तरह से काला पड़ चुका है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। वही कमरे की जांच पड़ताल के दौरान कई कागजात मिले हैं। आधार कार्ड से मृतक की पहचान सुभाष अशोक धूमल के रूप में हुई है, जिसका पता महाराष्ट्र के सतारा जिले का है।

लुप्त होती आदिवासी परंपराओं को बचाने की पहल, लातेहार के पहलु उरांव 'लुरकुड़िया' में बच्चों को दे रहे ज्ञान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। देशभर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी भाषा, परंपरा और संस्कारों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। आदिवासियों की शिक्षा, संस्कार, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए लातेहार सरना समिति के अध्यक्ष पहलू उरांव ने एक बेहतरीन पहल की है। इसके तहत लूरकुड़िया के माध्यम से आदिवासी बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक और संस्कृति की शिक्षा भी दी जा रही है।

धनकारा गांव में आदिवासी परंपरा को बचाने की पहल

दरअसल, सहयोग, समर्पण, सच्चाई और सादगी आदिवासी समाज की पहचान है। इनकी भाषा में मिट्टी की खुशबू होती है और परंपराओं में पुरखों की कहानी है। लेकिन आधुनिकता की दौड़ में धीरे-धीरे आदिवासी समाज की नई पीढ़ी भी कहीं न कहीं अपने परंपरा से दूर होती जा रही है। आदिवासी समाज की इसी गौरवशाली परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए लातेहार सरना समिति के अध्यक्ष पहलू उरांव ने एक पहल करते हुए बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ परंपरा और संस्कृति का ज्ञान भी देने का कार्य शुरू किया है। उन्होंने इसकी शुरुआत लातेहार सदर प्रखंड के धनकारा गांव से किया है। यहां महान आदिवासी विभूति बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर बाबा कार्तिक उरांव लूरकुड़िया की शुरुआत की है। सरना समिति के अध्यक्ष पहलू उरांव ने बताया कि हमारी सभ्यता संस्कृति पूरी तरह प्रकृति से जुड़ी हुई है। हमारा मानना है कि जब प्रकृति को नुकसान होगा तो समस्त जीव जंतु का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान के परिवेश में आदिवासी समाज के बच्चे भी अपनी सभ्यता और संस्कृति से कहीं न कहीं दूर हो रहे हैं। इसे संरक्षित करने के लिए धनकारा गांव से एक शुरुआत की गई है। यहां बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी प्राचीन भाषा, संस्कृति, संस्कारों और रीति-रिवाज की भी ज्ञान दी जा रही है।

रत्न से स्वर्ण, फिर प्रस्तर के पूजे जाने लगे शिव

परिवर्तित होते रहा है शिव लिंग निर्माण की सामग्री

मिट्टी के शिवलिंग निर्माण में कई सावधानियां तय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। सावन के महीने में हर तरफ शिव की पूजा हो रही है। शिव की सबसे प्राचीन प्रतिमा रत्न से बनती थी। जिसे सत्ययुग कालीन माना जाता है। इसके बाद स्वर्ण यानी सोने से शिवलिंग निर्माण की चर्चा है। हालांकि इस क्षेत्र में अभी तक सोने का शिवलिंग कहीं नहीं मिला है। इसके बाद पत्थर के शिवलिंग बनने लगे और ऐसे ही शिवलिंगों की उपलब्धता आज प्रायः सभी जगह है। जिसकी पूजा हम सब करते हैं। लेकिन शिवलिंग मिट्टी के भी बनते हैं। हालांकि मिट्टी का शिवलिंग बनाना रत्न, स्वर्ण और पत्थर से अधिक कठिन है। क्योंकि इसके लिए कई तरह की सावधानियां बरती जाती हैं। कई तरह की वर्जनाएं जुड़ी हुई है। हम जिस शिव की पूजा करते हैं वह पार्थिव शिव हैं। सावन के द्वितीय सोमवार के अवसर पर इस संबंध में आचार्य पंडित लालमोहन शास्त्री बताते हैं कि सर्व प्रथम हिमालय पुत्री पार्वती ने शिव को पतिरूप में प्राप्त करने के लिये पार्थिव शिव का निर्माण की थी। इसे हरितारिलका व्रत कहते हैं, जिसे आज भी स्त्रियां करती हैं। भगवान श्रीराम तो निरन्तर पार्थिव शिव लिंग बना कर पूजा किया करते थे। बताते हैं कि सत्ययुग में रत्न का, द्वापर में स्वर्ण का, त्रेता में प्रस्तर का और कलियुग में मिट्टी या बालू का शिव लिंग बनाने और पूजा करने का निर्देश है। सावन में विशेष रूप से पार्थिव शिव लिंग बनाकर पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं सिद्ध होती हैं। पार्थिव शिव लिंग बनाने के लिए पवित्र मिट्टी या बालू होनी चाहिये। इसकी पूजा सरल और काफी लाभदायी माना जाता है। श्री शास्त्री बताते हैं कि अगर मिट्टी में केश (बाल) मिल जाये तो उस मिट्टी को त्याग दें। अगर उस से पार्थिव लिंग बना कर पूजा करेंगे तो नरकगामी होंगे। अतः ध्यान पूर्वक मिट्टी का निरीक्षण कर लें। बताते हैं कि मिथिला में तो बिना पार्थिव की पूजा किये कोई कार्य होते ही नहीं हैं। लाखोरी पूजा का विशेष महत्व है। एक या सवा लाख पार्थिव लिंग बनाकर पूजा करना लाखोरी होती है। केला के पता पर रखकर पार्थिव की पूजा होती है।

सात अक्टूबर को न्यायिक कर्मचारी मनाएंगे काली पट्टी दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के बेड़ो इलाके में जंगल से भटक कर दो विशालकाय हाथी कैरो गांव में प्रवेश कर गए। शनिवार की देर रात तक दोनों ही हाथी गांव के आसपास ही जमे रहे। इस वजह से ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है। ग्रामीण अपने धान की फसल को लेकर खासे चिंतित हैं। रांची के बेड़ो प्रखंड के कैरो गांव में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब जंगल से निकलकर दो जंगली हाथी गांव के करीब पहुंच गए। दोनों हाथी दिनभर पारस डैम के समीप जंगल किनारे और गांव के आसपास विचरण करते रहे। हाथियों के गांव में पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मशाल के सहारे हाथियों को खेत की तरफ से भगाने की कोशिश में जुटे रहे, लेकिन हाथी नहीं हटे।

हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं खेतों में लगी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता भी बढ़ गई। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि हाथियों का झुंड खेत की तरफ आया तो खेतों में लगी धान की फसल को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया रमेश उरांव ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही वन विभाग के कर्मी हाथी भगाओ दस्ते के साथ कैरो गांव पहुंचे। टीम ने मौके पर पहुंचकर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी। वन विभाग की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार ग्रामीणों से हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है। पुलिसकर्मियों ने भी ग्रामीणों को हाथियों के करीब जाने मना किया है।

वन विभाग के कर्मियों और हाथी भगाओ दस्ते की टीम शनिवार को दिनभर दोनों हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखा। शाम होते ही टीम ने रणनीति के तहत पटाखे और मशाल जलाकर हाथियों को कैरो गांव से दूर खदेड़ना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों हाथियों को सिंगर सरई गांव की ओर जंगल की ओर भेजा गया। हाथियों के जंगल की ओर चले जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। हालांकि, हाथियों के दोबारा गांव की ओर लौटने की आशंका को देखते हुए ग्रामीण रातभर सतर्क रहे और गांव के आसपास पहरा देते रहे। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों की मौजूदगी की स्थिति में भीड़ न लगाएं और किसी भी परिस्थिति में हाथियों के करीब जाकर उन्हें भगाने या परेशान करने की कोशिश न करें। ग्रामीणों से हाथियों की गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को देने को कहा गया है। हाथियों की निगरानी में वनपाल रवि, वनरक्षी सुभाष प्रमाणिक, इंद्रजीत, राहुल, दीपक, मुकेश और आनंद भगत समेत वन विभाग के अन्य कर्मी जुटे रहे।

छात्र आंदोलन और रांची बंद के मद्देनजर कई स्कूल में 'छुट्टी', कुछ समय से पहले होंगे क्लोज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स को लेकर 10 अगस्त को प्रस्तावित विधानसभा घेराव और कुछ छात्र संगठनों की ओर से रांची बंद के आह्वान के मद्देनजर राजधानी के कई स्कूलों ने एहतियातन अपने स्तर से स्कूल संचालन में बदलाव किया है। शहर में बड़ी संख्या में छात्रों के पहुंचने और विभिन्न इलाकों में यातायात प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा और आवागमन को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है। जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली ने 10 अगस्त को एलकेजी से कक्षा पांच तक की कक्षाएं स्थगित कर दी हैं। कक्षा छह से 10 और कक्षा 11 के बैच-1 तथा कक्षा 12 के दोनों बैच के विद्यार्थियों की कक्षाएं सुबह सात बजे से होगी और 10 बजे छुट्टी कर दी जाएगी। बसों से विद्यार्थियों की वापसी 10:10 बजे तक पूरी करने की जानकारी दी गई है। कक्षा 11 के बैच-2 की कक्षाएं भी स्थगित रहेंगी। वही 10 अगस्त को होने वाली कक्षा 11 की यूनिट टेस्ट परीक्षा अब 17 अगस्त को होगी। डीपीएस रांची में नर्सरी से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों की छुट्टी 11:30 बजे कर दी जाएगी। शारदा ग्लोबल समेत शहर के कुछ अन्य स्कूलों ने भी 10 अगस्त को स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया है। वहीं, देर रात तक शहर के कई अन्य स्कूलों की ओर से भी 10 अगस्त को स्कूल बंद रखने या समय में बदलाव से संबंधित अपडेट जारी किए जाने की संभावना है। फिलहाल कई स्कूल प्रबंधन स्थिति को लेकर असमंजस में हैं और शहर के हालात तथा यातायात व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं।

मैकनिकल डिपार्टमेंट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के सदस्यों को मिलेगा 12 प्रतिशत लाभांश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमेशदपुर। टाटा स्टील परिसर स्थित स्टीलेनियम हॉल में शनिवार को दि टिस्को मैकनिकल डिपार्टमेंट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की 85वीं वार्षिक आमसभा हुई। चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता ने सदस्यों को इस वर्ष 12 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की। साथ ही 800 रुपये का गिफ्ट वाउचर भी दिया जाएगा। सभा की शुरुआत पिछले वर्ष दिवंगत चार सदस्यों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने से हुई। अध्यक्ष ने सोसाइटी की प्रगति और लगातार दूसरी बार राज्य सरकार से मिलने वाले उत्कृष्ट सोसाइटी पुरस्कार की जानकारी सदन को दी, जिसका सदस्यों ने तालियों से स्वागत किया। चेयरमैन ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सदन ने ध्वनि मत से पारित किया। सोसाइटी ने इस वर्ष 67,54,101 रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया। मिठाई के लिए कूपन 250 से बढ़ाकर 300 रुपये किया गया, जो 20 अगस्त तक सदस्यों के खाते में ट्रांसफर होगा। अधिकतम लोन सीमा 8,65,000 से बढ़ाकर 9,50,000 रुपये की गई, जो 1 अक्तूबर से लागू होगी। 31 मार्च 2026 तक सदस्य रहे सभी सदस्यों को 800 रुपये का गिफ्ट वाउचर मिलेगा। यह सोसाइटी कार्यालय से सुबह 9.30 से शाम 4.30 बजे तक दिया जाएगा। सोसाइटी के 25 विशिष्ट सदस्यों को 2,000 रुपये का डिनर सेट दिया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन मनीषा कुमारी ने किया। मंच पर उपाध्यक्ष नीरज पाराशर, कोषाध्यक्ष आलोक सिंहा, पुष्कर कुमार, जया कुमारी, घुमि हांसदा, सरस्वती हेंब्रम, प्रगति गिरी, शैलेश शर्मा और संदीप बेहेरा उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया 84वां अगस्त क्रांति दिवस

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को 84वां अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। अध्यक्षता कांग्रेस विभाग के मीडिया अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष निसार खान ने की। निसार खान ने कहा कि अगस्त क्रांति दिवस हर वर्ष नौ अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन भारत के इतिहास में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत का प्रतीक है, जिसे अगस्त क्रांति भी कहा जाता है। इसकी शुरुआत अगस्त 1942 में हुई थी। उन्होंने कहा कि आठ अगस्त 1942 को मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान कहा जाता है, में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भगाने के लिए देशवासियों को 'करो या मरो' का नारा दिया था। पूर्व प्रदेश सचिव शशि मोहन सिंह ने कहा कि नौ अगस्त 1942 की सुबह ब्रिटिश सरकार ने गांधीजी और सभी प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद देश की आम जनता ने आंदोलन की कमान संभाली और पूरे देश में क्रांति की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश सचिव शशि मोहन सिंह, बिनोद सिंह, अजीम खान, ज्ञानी प्रसाद मेहता, नरसिंह प्रजापति, नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, जुबैर खान, बहादुर सागर और विक्की धान सहित कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

2027 यूपी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करे जदयू : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। राजगीर परिसदन में उत्तर प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सचिव जयप्रकाश पटेल के नेतृत्व में पहुंचे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का स्वागत करते हुए बिहार सरकार के मंत्री तथा उत्तर प्रदेश जदयू के संगठन प्रभारी श्रवण कुमार ने कहा कि वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जदयू को मजबूती के साथ चुनाव लड़कर बेहतर परिणाम हासिल करना है। उन्होंने कहा कि जदयू राष्ट्रीय सोच वाली पार्टी है। बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास एवं सुशासन मॉडल की चर्चा हो रही है। उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करना जदयू के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की जरूरत है।

श्रवण कुमार ने कहा कि संगठन में युवा एवं महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। कार्यकर्ता गांव-गांव और जन-जन तक पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि एनडीए के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बेहतर कार्य किए गए हैं।

उन्होंने बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार ने सुशासन, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। महिलाओं, बेटियों और ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाएं दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनी हैं।

मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार की नीतियों एवं सिद्धांतों पर चलते हुए ही राज्य का समुचित विकास संभव है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के जदयू कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पार्टी की विकासवादी सोच एवं जनहितकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाएं और संगठन को मजबूत बनाने में जुट जाएं, ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को बेहतर परिणाम मिल सके।

ट्रैक्टर की बकाया राशि से बचने को रची तीन लाख की लूट की झूठी कहानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। ट्रैक्टर की बकाया राशि चुकाने से बचने के लिए तीन लाख रुपये की लूट की झूठी कहानी रचने का मामला सामने आया है। चांदपुर बांध के पास बाइक सवार बदमाशों द्वारा तीन लाख रुपये लूट लिए जाने की सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई। जांच में कहानी झूठी निकली और पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तीन लाख रुपये नकद बरामद किए। साइबर डीएसपी आशिफ आलम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सालमारी थाना क्षेत्र निवासी आयुष अग्रवाल ने आवेदन में कहा था कि उनके ट्रैक्टर शोरूम से एक ट्रैक्टर बेचा गया था, जिसकी तीन लाख रुपये की राशि बकाया थी। आठ अगस्त को आयुष अग्रवाल अपने स्टाफ गणेश राय और समद आलम के साथ बकाया राशि लेने मनिहारी गए थे। वहां से तीन लाख रुपये लेकर लौटने के दौरान चांदपुर बांध के पास दो अज्ञात बाइक सवारों द्वारा रुपये लूट लिए जाने की सूचना दी गई। सूचना पर आजमनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। साथ रहे लोगों से पूछताछ में पुलिस को कहानी पर संदेह हुआ। गहन पूछताछ में गणेश राय ने कथित लूट की सच्चाई स्वीकार की। उसने बताया कि संजीत कुमार पासवान के साथ मिलकर तीन लाख रुपये हड़पने के लिए कहानी रची गई थी। गणेश की निशानदेही पर संजीत के घर से तीन लाख रुपये बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में गणेश राय (45), पिता बाजारे राय, निवासी डोलमारा, थाना सालमारी और संजित कुमार पासवान (27), पिता स्व. रामचंद्र पासवान, निवासी डोलमारा, थाना सालमारी शामिल हैं।

डूबने से तीन मासूम भाइयों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्णिया जिले में रविवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। घर के पास खेल रहे तीन सगे मासूम भाई पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूब गए, जिससे तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है, जबकि पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शव गड्ढे से बाहर निकाले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया।

यह हादसा जिले के कसबा थाना क्षेत्र के कुल्लाखास पंचायत के वार्ड संख्या-07 स्थित आलमनगर में रविवार सुबह हुआ। मृतकों की पहचान मो. मोफिजूल (11), मो. तफीजूल (9) और सैराजुल (7) के रूप में हुई है। मृतक बच्चों के पिता आलमगीर ने बताया कि रविवार सुबह करीब आठ बजे तीनों बेटे घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते वे घर से करीब 100 मीटर दूर धर्म कांटा के पास बने एक गहरे गड्ढे के पास पहुंच गए। संतुलन बिगड़ने से तीनों पानी से भरे गड्ढे में गिर गए और डूब गए। वहां मौजूद अन्य बच्चों ने दौड़कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। जब तक परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। बताया जाता है कि आलमगीर के आठ बेटे हैं, जिनमें से तीन की इस हादसे में एक साथ मौत हो गई। घटना के बाद पिता आलमगीर, मां दुलहरी, दादा मो. अख्तर और दादी मेहनूर का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के कारण कई फीट गहरे गड्ढे खोद दिए गए हैं। हालिया बारिश के चलते इन गड्ढों में पानी भर गया है, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे गड्ढे लगातार हादसों को न्योता दे रहे हैं।

सूचना मिलने पर कसबा थाना पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच पूर्णिया भेज दिया। कसबा के अंचलाधिकारी निशांत कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए राजस्व कर्मचारी को घटनास्थल पर भेजा गया है। पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद मृतकों के परिजनों को नियमानुसार सरकारी मुआवजा दिया जाएगा।

पुलिस वाहन ने सो रहे कांवरिये को कुचला

मुजफ्फरपुर। जिले के तुर्की थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। डायल 112 की तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सो रहे कांवड़ियों पर चढ़ गई। हादसे में एक कांवड़िया गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना मुजफ्फरपुर-पटना एनएच पर तुर्की ओवरब्रिज के पास कांवड़िया पथ की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कांवड़ियों के लिए आरक्षित लेन में वाहन ले जाने से रोकने के बावजूद डायल 112 की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ी और चालक ने नियंत्रण खो दिया। गाड़ी का पहिया सड़क किनारे सो रहे कांवड़िया चंदेश्वर पासवान के पैर पर चढ़ गया, जिससे उनका पैर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल कांवड़िया और अन्य श्रद्धालुओं ने बताया कि सभी लोग देर रात विश्राम कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पुलिस वाहन वहां पहुंचा और हादसा हो गया। घटना के बाद वाहन चालक मौके से चला गया। साथी कांवड़ियों ने घायल को तुरंत इलाज के लिए पहुंचाया।

फिर सजने लगा जिस्मफरोशी का बाजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्णिया जिले में जिस्मफरोशी के काले कारोबार पर जब-जब पुलिसिया कार्रवाई का डंडा चला है, नतीजे स्थाई नहीं निकल सके हैं। पुलिस की सख्ती के बाद कुछ दिनों तक सन्नाटा रहता है, लेकिन माहौल शांत होते ही यह बाजार फिर सज जाता है। हाल ही में गुलाबबाग के जीरो माइल और हरदा बाजार स्थित रेडलाइट एरिया में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो दर्जन महिला-पुरुषों को गिरफ्तार किया था और एक दर्जन नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू कराया था। लेकिन इस कार्रवाई के महज एक पखवाड़े बाद ही इन इलाकों में फिर से देह व्यापार का धंधा तेजी से पैर पसार चुका है। शाम ढलते ही गुलाबबाग जीरो माइल, हरदा बाजार, अनगढ़ और बनमनखी के कई मकानों में देर रात तक यह सिलसिला जारी रहता है। पूर्णिया में देह व्यापार के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई का पुराना इतिहास रहा है। वर्ष 2013 में तत्कालीन एसपी किम ने कटिहार

बिहार और बंगाल के कई जिलों से जुड़ा है धंधे का तार

मोड़ और जीरो माइल में बड़ा अभियान चलाकर करीब 7 दर्जन महिलाओं को जेल भेजा था। इसके बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन एसपी निशांत कुमार तिवारी और 2018-19 में एसपी विशाल शर्मा के कार्यकाल में भी दर्जनों गिरफ्तारियां हुईं। हालाँकि, जैसे ही इन महिलाओं को अदालत से जमानत मिलती है, वे फिर से इसी धंधे में सक्रिय हो जाती हैं। स्थानीय लोगों के भारी विरोध के कारण कटिहार मोड़ और रौटा बाजार का रेडलाइट एरिया तो बंद हो गया, लेकिन अन्य जगहों पर धंधेबाज हावी हैं।

जानकारों के अनुसार, इस अवैध धंधे को संचालित करने वाली महिला संचालकों ने बीते दो दशकों में अपार संपत्ति अर्जित की है। इस नेटवर्क के तार बिहार के सीतामढ़ी, मोतिहारी, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, छपरा, फारबिसगंज और किशनगंज के अलावा पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर व पांजीपारा स्थित देह मंडियों से सीधे जुड़े हैं। नाचने-गाने वाली मंडली के नाम पर भी लड़कियों की खरीद-फरोख्त और आवाजाही होती है। जब भी पूर्णिया में पुलिस का दबाव बढ़ता है, ये धंधेबाज कुछ समय के लिए बंगाल या उत्तर प्रदेश का रुख कर लेते हैं। हाल ही में मरंगा और सदर थाना पुलिस ने एनजीओ के साथ मिलकर जब जीरो माइल क्षेत्र में दबिश दी, तो पुलिस के पहुंचने से पहले ही गुप्त सूचना लीक हो गई, जिससे मुख्य आरोपी मौके से भागने में सफल रहे। हालांकि हरदा बाजार से एक महिला संचालक को गिरफ्तार किया गया।

स्थानीय का कहना है कि जब तक पुलिस व प्रशासन ऐसे मकानों को सील करने या जमींदोज करने जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा, तब तक इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह से लगाम लगाना नामुमकिन होगा।

चौड़ीकरण कार्य के शिलान्यास से हर्ष

मौके पर मंत्री, सांसद, विधायक सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि रहे मौजूद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। समस्तीपुर जिले के रोसड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बल्लीपुर-डुमरा पथ के चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास रविवार को समारोहपूर्वक किया गया। सड़क चौड़ीकरण कार्य के शिलान्यास से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से स्थानीय लोगों द्वारा सड़क के चौड़ीकरण एवं बेहतर आवागमन की मांग की जा रही थी।

शिलान्यास कार्यक्रम में मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र, रोसड़ा विधायक वीरेंद्र कुमार, मंत्री अशोक कुमार चौधरी, सांसद शांभवी चौधरी, डॉ. तरुण चौधरी, वारिसनगर विधायक डॉ. मंजरीक, पूर्व विधायक डॉ. अशोक कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बल्लीपुर-डुमरा पथ के चौड़ीकरण से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। सड़क के चौड़ीकरण से आसपास के गांवों के लोगों को प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला मुख्यालय तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही, व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर रोसड़ा विधायक वीरेंद्र कुमार ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना प्राथमिकता है। बल्लीपुर-डुमरा पथ का चौड़ीकरण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को जाम एवं आवागमन की परेशानियों से काफी राहत मिलने की उम्मीद है कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अशोक कुमार सिंह, शिवाजीनगर उत्तरी मंडल भाजपा अध्यक्ष सरोज कुमार, संतोष कुमार बबली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपस्थित लोगों ने सड़क चौड़ीकरण कार्य के शिलान्यास का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के चौड़ीकरण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई गई है।

धंसी सड़क दे रहा हादसे को आमंत्रण

लखीसराय। चानन प्रखंड की गोहरी पंचायत अंतर्गत किऊल-धनबह मुख्य सड़क पर बन्नूबगीचा वीयर चौक के समीप सड़क के नीचे बनी सुरंग अब लगातार बढ़ती जा रही है। दुर्गा मंदिर के ठीक सामने एलकेवी नहर के वीयर फाटक के पास सड़क के नीचे मिट्टी धंसने से सुरंगनुमा स्थिति बन गई है।

प्रतिदिन इसके बढ़ते आकार के कारण सड़क की मजबूती पर सवाल खड़ा हो गया है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो भारी वाहनों के दबाव में सड़क का हिस्सा धंसने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क के ऊपरी हिस्से पर कालीकरण तो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसके नीचे की मिट्टी लगातार धंसकर नीचे जा रही है। सड़क के नीचे बने छोटे सुरंगनुमा हिस्से का आकार धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

इसके ऊपर से लगातार छोटे-बड़े वाहन और भारी वाहन गुजर रहे हैं। ऐसे में सड़क या पुलिया के अचानक धंसने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी पिछले वर्ष इसी स्थान पर सड़क के नीचे सुरंगनुमा गड्ढा बन गया था।

बिहार-झारखण्ड सीमा पर शराब के साथ तस्कर धराया

कार में बना रखा था गुप्त तहखाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच चौकी प्रभारी सह उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार के नेतृत्व में टीम ने शराब से भरी एक लग्जरी कार को जब्त कर चालक सह तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है।

उत्पाद अधीक्षक गणेश चंद्रा ने बताया कि मद्यनिषेध कानून के तहत चौकी पर 24 घंटे छोटी-बड़ी सभी गाड़ियों की सघन जांच की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को पश्चिम बंगाल नंबर की स्विफ्ट कार को जांच के लिए रोका गया।

जांच के दौरान उत्पाद बलों को कार के डिक्की और सीट के नीचे बने गुप्त तहखाने में भारी मात्रा में शराब छिपाकर रखी मिली। तहखाने से पश्चिम बंगाल में निर्मित टेट्रा पैक में बंद ऑफिसर चॉइस के साथ रॉयल स्टैग ब्रांड के बोतल में बंद विदेशी शराब बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 124.20 लीटर बताई गई है। इस मामले में कार चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नालंदा जिले के सोहसराय थाना क्षेत्र अंतागंत मोगलकुआं गांव निवासी लाललान पासवान के पुत्र राहुल पासवान के रूप में हुई है।

पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि यह शराब की खेप उसे चांद नामक व्यक्ति ने दी थी, जिसे बिहार के अंदर पहुंचाना था। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त शराब और लग्जरी कार को जांच चौकी पर रखा गया है। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ जारी है। उसके बयान के आधार पर चांद नामक व्यक्ति और शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। विभाग अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है।

इस कार्रवाई के दौरान उत्पाद एएसआई पंकज कुमार, एएसआई विश्वजीत कुमार के साथ गृहरक्षक के जवान भी मौजूद थे। उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी रोकने के लिए उत्पाद विभाग पूरी तरह मुस्तैद है और आगे भी इस तरह की छापेमारी लगातार जारी रहेगी।

मार्निंग वाक पर निकली महिलाओं को स्कॉर्पियो ने रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधुबनी। जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। स्टेट हाईवे-27 पर जगदंबा पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार एक अनियंत्रित काले रंग की स्कॉर्पियो ने मॉर्निंग वॉक से लौट रही छह महिलाओं के समूह को टक्कर मार दी। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक वाहन समेत फरार हो गया।

मृतकों की पहचान अरेर थाना क्षेत्र के धकजरी नवटोली गांव निवासी पच्चू साह की 42 वर्षीय पत्नी रीता देवी, राजू महतो की 40 वर्षीय पत्नी किरण देवी और अरुण झा की 70 वर्षीय पत्नी फूल दाई देवी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, गांव की छह महिलाएं प्रतिदिन सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए इसी मार्ग पर जाती थीं। रविवार को भी सभी महिलाएं वॉक कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान जगदंबा पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे से गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इसके चलते जगदंबा पेट्रोल पंप के पास सड़क के दोनों ओर करीब एक-एक किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया।

सूचना मिलते ही बेनीपट्टी और अरेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारी और जनप्रतिनिधि परिजनों तथा आक्रोशित लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, पुलिस फरार चालक और वाहन की तलाश के साथ पूरे मामले की जांच में जुटी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद धकजरी नवटोली गांव में मातम पसरा हुआ है और पूरे इलाके में शोक की लहर है।

कुएं में गिरकर युवक की मौत

मुंगेर। चार दिन पहले ही रोजी-रोटी कमाकर घर लौटे ओम प्रकाश साह की कुएं में गिरने से हुई दर्दनाक मौत ने हंसते-खेलते परिवार को कभी न भूलने वाला जख्म दे दिया है। घर के इकलौते कमाऊ सदस्य का साया उठते ही पत्नी पूजा देवी और तीन मासूम बच्चों के सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बिलखती पत्नी बार-बार यही कह रही है कि अब इन छोटे-छोटे बच्चों की परवरिश और भविष्य कौन संभालेगा। घटना के बाद से पूरे गांव में गहरा मातम पसरा हुआ है और परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मुंगेर जिले के लड़ैयाटाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बंगलवा काली स्थान के समीप रविवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां पानी भरने के दौरान कुएं में गिरने से 38 वर्षीय मजदूर ओम प्रकाश साह की डूबने से मौत हो गई। वह बाहर रहकर मजदूरी करते थे और महज चार दिन पहले ही अपने घर लौटे थे। घटना के बाद से मृतक की पत्नी और तीन छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

डूबने से पिता-पुत्र की मौत

कंधे पर उठाकर पिता कर रहा था आहर पार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर के नारायणपुर थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम दर्दनाक हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सेवथरा गांव के आहर को पार करने के दौरान उमेश राम अपने ढाई वर्षीय बेटे अभय के साथ गहरे पानी में डूब गए।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों ने दोनों के शवों को आहर से बाहर निकाला।

मृतकों की पहचान सहयोगी टोला अनुसूचित जाति मोहल्ला निवासी उमेश राम और उनके बेटे अभय राम के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया।

जानकारी के अनुसार उमेश राम की पत्नी सीता देवी शनिवार को सेवथा गांव के बधार में धान की रोपनी करने गई थीं। इसी दौरान उनका ढाई वर्षीय बेटा अभय रोने लगा। बच्चे को रोता देख उमेश राम उसे गोद में लेकर पत्नी के पास जाने के लिए घर से निकले। उन्हें रास्ते में सेवथरा गांव का आहर पार करना था। आहर पार करने के दौरान अचानक उमेश गहरे पानी में चले गए। गोद में मौजूद मासूम अभय भी पिता के साथ पानी में डूब गया।

हादसे के बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर भीड़ जुट गई।ग्रामीणों ने तत्काल दोनों की तलाश शुरू कर दी।

काफी प्रयास के बाद पिता-पुत्र के शवों को पानी से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई।

इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंपने की प्रक्रिया की गई।

पीड़ित परिवार से मिले तेजस्वी

रोहतास। स्थानीय थाना क्षेत्र के जोगिया गांव में दो दिन पूर्व मजदूरी मांगने के विवाद में तीन दिन पूर्व मनियारी मिल्की निवासी चंद्रेश्वर चौधरी की अजीत तिवारी द्वारा गोली मारकर की गई हत्या के मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को पीड़ित परिवार से मिल ढाढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि जबतक चंद्रेश्वर चौधरी के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिल जाती है, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

तेजस्वी यादव ने पीड़ित परिवार से कहा कि वे एसपी से बात किए हैं। पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है।

ब्लेड से काटकर पत्नी की हत्या, खुदकुशी का प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मानपुर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाराडीह गांव में देर रात एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान 45 वर्षीय फेकनी देवी के रूप में हुई है। हत्या का आरोप उसके पति मनोज बिंद पर लगाया गया है। घटना के बाद मनोज बिंद ने भी आत्महत्या का प्रयास किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने उसे इलाज के लिए मगध मेडिकल सह अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच पिछले कई दिनों से अनबन और विवाद चल रहा था। इसके अलावा भी कई तरह की चचाएं चल रही थी।

बताया गया कि मनोज बिंद राजमिस्त्री का काम करता था। करीब छह माह पहले काम के दौरान उसके पैर में चोट लग गई थी, जिसके बाद वह मजदूरी करने में असमर्थ था। इसी बात को लेकर दंपती के बीच अक्सर नोकझोंक होती थी।

मृतका फेकनी देवी खेती-किसानी का काम कर परिवार चलाने में सहयोग करती थी। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मनोज बिन्द प्रतिदिन नशे के हालात में रहता था और एक मकान बेचने को लेकर भी विवाद चलता रहता था।

ग्रामीणों ने बताया कि दंपती के दो मकान अगल-बगल हैं। पति-पत्नी एक मकान में सोते थे, जबकि उनके बच्चे दूसरे मकान में सोते थे।

आरोप है कि रात में मनोज बिंद ने महिला के गहरी नींद में सोने के दौरान ब्लेड से उसके गले पर वार कर दिया। घटना के बाद महिला की मौत हो गई। इसके बाद मनोज ने खुद को भी घायल कर लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर रविवार सुबह मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल सह अस्पताल भेज दिया।

भगाने पर उग्र हुआ गजराज

टीम के सदस्य ने सूझबूझ से बचायी अपनी जान

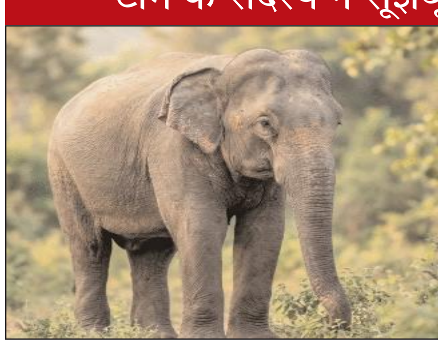

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भरनो। गुमला और रांची जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में इन दिनों दो हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इसी क्रम में बीते शाम पारस डैम के समीप कैरो क्षेत्र में किसानों के खेतों में पहुंचे हाथियों को भगाने के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

हाथी भगाने के लिए पहुंची टीम के एक सदस्य पर अचानक एक हाथी ने हमला कर दिया। हालांकि, सदस्य ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए जमीन पर बैठकर हाथी के हमले से खुद को बचाया और मौका मिलते ही वहां से भाग निकला।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथियों को खेतों से दूर भगाने के लिए टीम के सदस्य मशाल लेकर मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान एक हाथी अचानक उग्र हो गया और टीम के एक सदस्य की ओर हमला करने के लिए दौड़ा।

हाथी को अपनी ओर आते देख सदस्य ने घबराने के बजाय तुरंत जमीन पर बैठकर खुद को बचाने का प्रयास किया। इसके बाद जैसे ही हाथी आगे बढ़ा, सदस्य ने मौका देखकर वहां से सुरक्षित दूरी की ओर भागकर अपनी जान बचाई।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों में भी भय का माहौल उत्पन्न हो गया। कुछ समय के लिए लोगों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि हाथी भगाने वाले सदस्य ने समय रहते सूझबूझ नहीं दिखाई होती, तो गंभीर हादसा हो सकता था। बताया जा रहा है कि हाथियों को भगाने के लिए पहुंची टीम रांची जिला वन विभाग से संबंधित है। टीम द्वारा मशाल आदि के माध्यम से हाथियों को आबादी और खेतों से दूर भगाने का प्रयास किया जा रहा था। हालांकि, हाथी के अचानक उग्र होने से टीम के सदस्य को अपनी जान बचाने के लिए मौके से भागना पड़ा। इस घटना के बाद सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों में हाथियों को लेकर भय और अधिक बढ़ गया है।ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हाथियों को सुरक्षित तरीके से आबादी वाले क्षेत्रों से दूर करने की मांग की है। साथ ही, ग्रामीणों से भी हाथियों के नजदीक न जाने और उन्हें भगाने के दौरान सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

अस्पताल कर्मियों ने लिया पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। स्थानीय शहर के थावे रोड स्थित सर्वज्ञन्य मैटरनिटी एंड लेप्रोस्कोपी सेंटर के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया। सेंटर में ह्यएक पौधा मां के नामह्न कार्यक्रम का शुभारंभ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनम सिंह एवं पर्यावरण मित्र डॉ. सत्य प्रकाश ने स्वास्थ्य कर्मियों को पौधा भेंट कर किया।

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे सभी मरीजों को एक-एक पौधा भेंट किया गया। मरीजों को पौधा लगाने एवं उसके संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए अपने नौनिहालों के नाम पर पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया। मरीजों ने भी पौधा लगाने और उसे संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. सोनम सिंह ने कहा कि ह्लएक पौधा दस पुत्रों के समान होता है। पौधा लगाना और उसकी देखभाल करना समाज के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। बदलते मौसम और पर्यावरणीय असंतुलन को नियंत्रित करने में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण मित्र डॉ. सत्य प्रकाश ने कहा कि पौधा प्रकृति की ऑक्सीजन फैक्ट्री और जीवनदायिनी शक्ति है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, पुण्यतिथि सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधरोपण कर उसे यादगार बनाना चाहिए। सामूहिक प्रयास से ही धरती को हरा-भरा और पर्यावरण को सुरक्षित बनाया जा सकता है। इस अवसर पर पुत्र रत्न की प्राप्ति की खुशी में मधु श्रीवास्तव दंपति ने अस्पताल को 21 पौधे दान किए। कार्यक्रम के दौरान बृजकिशोर वर्मा, अभिषेक श्रीवास्तव, जय प्रकाश, जयंती श्रीवास्तव, आराध्या, अनिकेत कुमार, धुरेन्द्र साह, अभिषेक मिश्र, चंदन कुमार, अंकिता तिवारी, सरिता कुमारी, खुशबू देवी, अंजु कुमारी, अजय कुमार गुप्ता, विशाल कुमार, बबिता देवी, सुमन देवी, सरिता कुमारी सहित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को पर्यावरण मित्र डॉ. सत्य प्रकाश ने एक-एक पौधा भेंट किया।

'मॉडल हॉस्पिटल' में मोबाइल की रोशनी में हुआ इलाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। बिहार के रोहतास जिले के प्रमुख सासाराम सदर अस्पताल के हाइटेक दावों के बीच स्वास्थ्य व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है।

अस्पताल के 'मॉडल हॉस्पिटल' स्थित इमरजेंसी वार्ड में अचानक बिजली गुल हो जाने के कारण चिकित्सकों को मोबाइल फोन की रोशनी (टॉर्च) के सहारे मरीजों का इलाज और जांच करनी पड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में जब कई मरीजों का इलाज चल रहा था, तभी अचानक पूरे परिसर की बत्ती गुल हो गई और वार्ड में अंधेरा छा गया। बैकअप की तुरंत व्यवस्था न होने के कारण वहां तैनात डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को मजबूरन अपने मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर ही उपचार प्रक्रिया जारी रखनी पड़ी।

व्यवस्था पर उठे सवाल

घटना से जुड़े सामने आए दृश्यों में स्वास्थ्यकर्मी अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के सहारे मरीजों को संभालते नजर आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सासाराम सदर अस्पताल में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। साथ ही, आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जनरेटर और अन्य वैकल्पिक पावर बैकअप उपकरण भी मौजूद हैं। इसके बावजूद इमरजेंसी जैसे अति-संवेदनशील वार्ड में बिजली कटते ही अंधेरा छा जाना अस्पताल प्रशासन के दावों और पावर बैकअप प्रबंधन पर बड़े सवाल खड़े करता है।

मामले को लेकर अस्पताल प्रबंधन से जब प्रतिक्रिया मांगी गई तो अधिकारी सीधे तौर पर बचते नजर आए। हालांकि, रोहतास के सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने स्थिति पर सफाई देते हुए कहा कि मेन लाइन से पावर सप्लाई को इन्वर्टर कनेक्शन पर शिफ्ट किया जा रहा था। इसी प्रक्रिया के दौरान कुछ समय के लिए बिजली बाधित हुई थी। उन्होंने दावा किया कि इस अस्थायी बदलाव के बारे में डॉक्टरों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को पहले ही सूचित कर दिया गया था।

इस मामले को लेकर राजद ने भी सोशल मीडिया पर सवाल उठाए हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिहार के मॉडल हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने मोबाइल की रोशनी में किया इलाज!

सासाराम मॉडल के इमरजेंसी वार्ड में बिजली कटने पर मोबाइल की रोशनी में मरीजों का इलाज हुआ, लचर व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे!

CMYK

बिहार भूमि पोर्टल पर ऑनलाइन सेवाओं से राजस्व मामलों के निष्पादन में तेजी : जायसवाल

दाखिल-खारिज में 66.31% और इ-मापी में 75.56% मामलों का निष्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व सेवाओं के ऑनलाइन होने और विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी के कारण मामलों के निष्पादन की गति में तेजी आई है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि एकीकृत बिहारभूमि पोर्टल पर राजस्व सेवाओं के ऑनलाइन उपलब्ध होने से आम लोगों को आसानी से सुविधाएं मिल रही है और मामलों के निष्पादन में तेजी आई है। विभाग का लगातार प्रयास है कि राजस्व से जुड़ी सेवाएं पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से आमलोगों तक पहुंचे। विभाग द्वारा आम लोगों को त्वरित, पारदर्शी और सुगम राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार समीक्षा और कार्रवाई की जा रही है। राजस्व मंत्री ने कहा कि 7 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार ऑनलाइन दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस और ई-मापी जैसी महत्वपूर्ण राजस्व सेवाओं में बड़ी संख्या में मामलों का निष्पादन किया गया है। पिछले वर्ष अगस्त-सितंबर में शिविर लगाकर लिए गए राजस्व महा-अभियान के आवेदनों के निष्पादन में भी तेजी आई है। ऑनलाइन दाखिल-खारिज सेवा के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6 लाख 97 हजार 862 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पूर्व के लंबित मामलों को मिलाकर कुल लगभग 8.30 लाख मामलों में से 5 लाख 50 हजार 426 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। वहीं, विभिन्न कारणों से 45,903 आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन की दर 66.31 प्रतिशत रही है। डिजिटाइज्ड जमाबंदी से संबंधित परिमार्जन प्लस के तहत कुल 10 लाख 22 हजार 718 मामले दर्ज किए गए जिनमें से 6 लाख 86 हजार 261 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। इन मामलों के निष्पादन की दर 67.10 प्रतिशत है। इसी प्रकार छूटी हुई जमाबंदी के तहत 3 लाख 92 हजार 341 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 2 लाख 24 हजार 672 मामलों का निष्पादन हो चुका है। इस श्रेणी में निष्पादन की दर 57.26 प्रतिशत रही है। राजस्व महा-अभियान के तहत राज्यभर में मिले 46 लाख से अधिक आवेदनों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। आवेदनों के स्कैनिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। मात्र 13 हजार 663 मामले स्कैनिंग के लिए लंबित हैं। वहीं मात्र 6 लाख 37 हजार 108 मामले आवेदन स्तर पर लंबित हैं। इस महा-अभियान के 31.29 प्रतिशत मामलों का निष्पादन कर लिया गया है। विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल और सचिव जय सिंह के स्तर से राजस्व सेवाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। विभाग का जोर राजस्व सेवाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने पर है, ताकि आम नागरिकों को ऑनलाइन माध्यम से अधिकतम सुविधा मिल सके। उन्हें बेवजह कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना पड़े।

इ-विधान व्यवस्था के अनुरूप बिहार विधानसभा की नियमावली में होगा आवश्यक संशोधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में नियम समिति की बैठक हुई। बैठक में ई-विधान व्यवस्था के अनुरूप बिहार विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली में आवश्यक संशोधन करने पर विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बदलते समय और आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के अनुरूप विधानसभा की कार्यप्रणाली में बदलाव समय की मांग है। बिहार विधानसभा ने ई-विधान व्यवस्था अपनाकर डिजिटल विधानसभा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचना, कार्य स्थगन प्रस्ताव, निवेदन, याचिका तथा अन्य संसदीय सूचनाओं को ऑनलाइन माध्यम से सदन के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की स्पष्ट वैधानिक व्यवस्था नियमावली में सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संशोधनों का उद्देश्य केवल कागजी प्रक्रिया को डिजिटल स्वरूप देना नहीं, बल्कि सदस्यों को सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध कराना, सूचनाओं के निस्तारण में समय बचाना, अभिलेखों को सुरक्षित रखना तथा विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। नियमों में संशोधन के दौरान सदस्यों के संसदीय अधिकार और अध्यक्षीय विवेकाधिकार अक्षुण्ण रखे जाने चाहिए। बैठक में नियमावली के विभिन्न प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा के बाद तीन प्रमुख प्रस्तावों पर सहमति बनी। कारा सुधार समिति से संबंधित नियम एवं प्रावधानों को प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली में शामिल करने, शून्यकाल सहित ध्यानाकर्षण, कार्य स्थगन, निवेदन, याचिका एवं गैर सरकारी संकल्प को ऑनलाइन प्रस्तुत करने संबंधी नियमों में संशोधन तथा आवास समिति के कृत्यों के विस्तार का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। बैठक में उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री विजय कुमार सिन्हा एवं लेशी सिंह तथा सदस्य तारकिशोर प्रसाद और आलोक कुमार मेहता उपस्थित रहे। इसके बाद डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में सामान्य प्रयोजन समिति की बैठक हुई। इसमें लगभग दो-तीन दशक पूर्व गठित एक विशेष समिति के प्रतिवेदन एवं अनुशंसाओं के अनुपालन की समीक्षा की गई। समिति ने तय किया कि पहले लंबित मामलों की समीक्षा होगी और आवश्यक होने पर लंबित कार्रवाई को समाप्त मानते हुए मामलों का निस्तारण किया जाएगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री विजय कुमार सिन्हा, केदार प्रसाद गुप्ता तथा सदस्य आलोक मेहता, अरुण मांझी और माधव आनंद उपस्थित रहे।

'वंदे मातरम' को अर्थ सहित किया गया प्रकाशित, राष्ट्रगान और बिहार गीत भी शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग की ओर से अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला-सह-चिंतन शिविर का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने संयुक्त रूप से लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा संपादित 'वंदे मातरम' बुकलेट तथा शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी द्वारा लिखित 'वंदे मातरम' पुस्तक का लोकार्पण किया। मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा संपादित 'वंदे मातरम' बुकलेट को विशेष रूप से इस उद्देश्य से तैयार किया गया है कि लोग राष्ट्रगीत के भाव और अर्थ को आसानी से समझ सके और दूसरों को भी समझा सके। बुकलेट में 'वंदे मातरम' के मूल पाठ के साथ उसका विस्तृत अर्थ भी प्रकाशित किया गया है। बुकलेट की खासियत यह है कि इसमें 'वंदे मातरम' के अलावा राष्ट्रगान और बिहार गीत को भी शामिल किया गया है। इस तरह एक ही प्रकाशन में राष्ट्रीय गौरव के साथ बिहार की सांस्कृतिक पहचान को भी स्थान दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को देश की संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। 'वंदे मातरम' को अर्थ सहित प्रकाशित करने की पहल को नई पीढ़ी तक राष्ट्रभावना और राष्ट्रीय विरासत को सहज रूप से पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

विकसित भारत-जी राम जी योजना से संवरेगी पंचायतों की तस्वीर

15 अगस्त तक राज्य स्तर पर चलायी जाएगी मुहिम, ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं से रुबरू होंगे स्थानीय जनप्रतिनिधि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार का ग्रामीण विकास विभाग राज्य के गांवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्र सरकार की नई और महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) के कुशल कार्यान्वयन और धरातल पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में पंच सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में लखीसराय, मुजफ्फरपुर, कैमूर, कटिहार, सारण आदि जिलों में पंच सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया जिसमें त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों विशेषकर मुखिया, पंचों और प्रशासनिक अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया। यह राज्यव्यापी जागरुकता अभियान आगामी 15 अगस्त तक बिहार की सभी ग्राम पंचायतों में निरंतर आयोजित किया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार का कहना है कि इस पंच सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों को पुरानी मनरेगा और 1 जुलाई 2026 से लागू हुई नई विकसित भारत- जी राम जी योजना के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझाना है। सम्मेलन के सहारे पंचायतों को यह सिखाया जा रहा है कि वे कैसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप साक्ष्य-आधारित विकास योजनाएं तैयार करें ताकि योजनाओं का लाभ सीधे और सही रूप में ग्रामीणों को मिल सके। मंत्री श्री कुमार ने बताया कि विकसित भारत- जी राम जी कार्यक्रम केवल एक रोजगार योजना नहीं, बल्कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने का मुख्य आधार है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मनरेगा में जहां प्रतिवर्ष 100 दिनों का रोजगार मिलता था, वहीं इस योजना में इसे बढ़ाकर 125 दिनों की गारंटीकृत रोजगार कर दिया गया है। योजना के तहत समय पर पारदर्शी डिजिटल भुगतान और अनिवार्य बेरोजगारी भत्ते का कानूनी प्रावधान किया गया है। पुराने ढर्रे से इतर, नई योजना में विकास कार्यों को चार स्पष्ट और परिणामोन्मुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसमें जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, गांवों में टिकाऊ और मजबूत अवसंरचना निर्माण, आजीविका के क्षेत्र में उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला और हरित विकास करना शामिल है।

संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारी, परिवहन विभाग ने नावों से संबंधित जानकारी मांगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानसून अवधि के दौरान संभावित बाढ़ की तैयारी को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग ने जिलों से नावों की जानकारी मांगी है। राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को पत्र लिखकर इससे संबंधित विस्तृत सूचना मांगी है। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिले में चिह्नित और अचिह्नित घाटों की संख्या, निबंधित तथा अनिबंधित नावों की कुल संख्या, सर्वे की जा चुकी नावों की संख्या और शेष बची नावों की संख्या की रिपोर्ट विभाग को जल्द उपलब्ध कराएं। साथ ही सभी नावों का पूरा सर्वे कराकर शत-प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित करने का भी स्पष्ट आदेश दिया है, ताकि बाढ़ जैसी आपात स्थिति में उनका उपयोग सुचारु रूप से हो सके।

सरकार धरनारत पीएचडी अभ्यर्थियों की मांगों पर करे पहल : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्टैच्यूट्स फॉर अपॉइंटमेंट्स ऑफ असिस्टेंट प्रोफेसर्स 2026 से उच्च शिक्षा में अराजकता बढ़ेगी। साथ ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के स्वायत्ता को खत्म करने की ओर एनडीए सरकार की पहल बेहद तानाशाहीपूर्ण है। ये बातें बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने गर्दनीबाग धरनास्थल पर छः दिनों से आमरण अनशन कर रहे पीएचडी धारकों के समर्थन में पहुंचकर कही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने धरनारत पीएचडी अभ्यर्थियों के समर्थन में कहा कि उनकी छः मांगे पूरी तरीके से जायज है और सहायक प्राध्यापक नियुक्ति नियमावली 2026 उच्च शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरीके से राज्य में धराशायी कर देगी। इस नियमावली से सहायक प्राध्यापक नियुक्ति में अराजकता बढ़ेगी। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि छात्रों की मांगों के समर्थन में हम उनके मांग पत्र को देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग को प्रेषित कर धरनारत अभ्यर्थियों के समर्थन में इस नियमावली को अविलंब निरस्त करने की मांग करेंगे।

भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस ने शहीदों को किया नमन

राजेश राम के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने विधानसभा गेट के सामने स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिज्ञा भी ली। इसके पूर्व बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा सुबह 9:30 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम से शहीद स्मारक तक तिरंगा मार्च का आयोजन किया गया। तिरंगा मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, सेवादल के प्रभारी अफरोज आलम एवं सेवादल के अध्यक्ष डॉ संजय यादव ने किया। तिरंगा मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सेवादल के सदस्यों ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों के साथ कांग्रेसजन शहीद स्मारक पहुंचे और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐतिहासिक अध्याय है। वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ शुरू हुए इस आंदोलन ने देशवासियों के भीतर आजादी की निर्णायक लड़ाई का जोश पैदा किया। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार की भूमिका ऐतिहासिक और निर्णायक : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के 'करो या मरो' के आह्वान ने स्वतंत्रता संघर्ष को निर्णायक जनआंदोलन का स्वरूप दिया। बिहार ने चंपारण सत्याग्रह से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि 1942 में प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद बिहार के छात्र-युवाओं ने आंदोलन की कमान संभाली। पटना में विद्यार्थियों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध व्यापक प्रदर्शन किए। 11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराने के प्रयास के दौरान ब्रिटिश पुलिस की गोलीबारी में सात युवा शहीद हुए। इन सात शहीदों का बलिदान बिहार के स्वतंत्रता संग्राम का गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का प्रभाव केवल पटना तक सीमित नहीं रहा। बिहार के गांवों और कस्बों में किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और आम नागरिकों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध प्रतिरोध किया। जयप्रकाश नारायण सहित अनेक क्रांतिकारियों ने भूमिगत रहकर आंदोलन को आगे बढ़ाया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग आज भी लोकतंत्र, संविधान, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

बॉडी वॉर्न कैमरा पारदर्शिता और यात्री सेवा की ओर एक नई पहल

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पटना जंक्शन से शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक नई पहल के रूप में पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा, टिकट जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा यात्रियों एवं कर्मचारियों के बीच विवाद पर विराम लगाने के उद्देश्य से दानापुर मंडल के पटना जंक्शन पर कर्मचारियों को बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। शीघ्र ही इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे मंडल में लागू किया जाएगा। दानापुर मंडल अपने यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे नवाचारों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहता है। इस बॉडी कैमरा तकनीक का इस्तेमाल टिकट जांच और यात्री सेवा से जुड़े कर्मचारियों के कार्य को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह छोटा-सा उपकरण ड्यूटी के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं का वीडियो रिकॉर्ड उपलब्ध कराता है। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ ने बताया कि बॉडी वार्न कैमरा टिकट जांच कर्मचारियों को विवादित परिस्थितियों में निष्पक्ष तथ्य प्रस्तुत करने में मदद करता है। यात्रियों और कर्मचारियों के बीच किसी प्रकार के विवाद, दुर्व्यवहार या शिकायत की स्थिति में रिकॉर्डिंग वास्तविक घटनाक्रम को समझने में सहायक हो सकती है। इससे कर्मचारियों में भी सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना बढ़ती है तथा कार्यप्रणाली में जवाबदेही आती है। यात्रियों के लिए यह तकनीक एक अतिरिक्त सुरक्षा और विश्वास का माध्यम बन सकती है।

विलुप्त हो रही देशी मछलियों को राज्य सरकार दे रही संरक्षण, इनके पालन पर मिल रहा भारी अनुदान

योजना के तहत देशी मछलियों के साथ ही झींगा और मोती पालन पर भी मिल रहा 60 फीसदी तक अनुदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विलुप्त हो रही देशी प्रजाति की मछलियों को राज्य सरकार संरक्षण दे रही है। इसके लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना चला रहा है। इसके जरिए इनके पालन पर सरकार भारी अनुदान दे रही है। योजना के तहत विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में देशी मछलियों के पालन के इच्छुक लोगों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके लिए इच्छुक व्यक्ति 31 अगस्त तक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत मछली पालक देशी मूल की माइनर कार्प, कैट फिश, वायु-श्वासी मछली, झींगा पालन तथा मोती पालन कर सकेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य सरकार की इस पहल से देशी मछलियों का संरक्षण एवं संवर्धन होने के साथ-साथ मछली उत्पादकता और किसानों की वार्षिक आय में वृद्धि होगी। साथ ही इससे बिहार की सुदूर ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। योजना के तहत सभी वर्गों के लाभुकों को निर्धारित इकाई लागत का 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना राज्य के सभी जिलों में लागू है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पालन मत्स्यिकी अवयव को निजी या सरकारी तालाब (पट्टाधारी द्वारा) में क्रियानवित किया जा सकेगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य की जल संपदाओं में मौजूद देशी प्रजातियों की संभावनाओं वाले माइनर कार्प एवं कैट फिश के लिए विकसित हैचरी तकनीक से उत्पादित बीज के माध्यम से पालन को बढ़ावा देना है। मत्स्य प्रजाति विविधिकरण योजना के चार घटक हैं। इनमें माइनर कार्प पालन मत्स्यिकी योजना, कैट फिश एवं अन्य मछलियों की पालन मत्स्यिकी योजना, झींगा पालन तथा मोती पालन योजना शामिल हैं। मत्स्य प्रजाति विविधीकरण योजना के लिए लाभुकों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। एक व्यक्ति या परिवार को पालन मत्स्यिकी के किसी एक ही अवयव पर सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही पालन मत्स्यिकी में एक व्यक्ति या परिवार को किसी एक अवयव के लिए अधिकतम 1 एकड़ (2 इकाई) तथा न्यूनतम 0.25 एकड़ जलक्षेत्र की मान्यता होगी।

कांवरियों की सेवा में जुटे नित्यानंद राय, बोले सेवा ही शिव की सच्ची साधना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। श्रावणी मेले के पावन अवसर पर कांवरिया पथ स्थित टोना पाथर, कटोरिया (बांका) में बोल बम सेवा समिति द्वारा लगाए गए सेवा शिविर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय पहुंचकर बाबा बैद्यनाथ के भक्तों की सेवा की। इस अवसर पर नित्यानंद राय ने शिविर में उपस्थित कांवरिया श्रद्धालुओं से मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना, श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया, सेवा कार्य में लगे समिति के कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया साथ हीं दर्जनों कांवरिया भक्तों की सेवा की। उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला केवल आस्था और भक्ति का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सहभागिता का भी पर्व है। कांवरिया भक्तों की सेवा में स्वयं जुटे नित्यानंद राय ने सेवा, समर्पण की मिसाल पेश करते हुए कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले लाखों शिवभक्तों की सेवा करना स्वयं में पुण्य का कार्य है। सेवा भगवान शिव की सच्ची साधना है। कांवरियों की सेवा में जिस प्रकार सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय लोग दिन-रात जुटे हैं, वह बिहार की सेवा भावना और सनातन संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बोल बम सेवा समिति के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा और सहायता में निरंतर लगे हुए हैं। गर्मी, बारिश और कठिन यात्रा के बावजूद कांवरियों की सेवा में समर्पित कार्यकर्ताओं का योगदान अत्यंत सराहनीय है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था के साथ उनकी सुविधा और सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों की सहभागिता से कांवरिया पथ पर सेवा का यह अभियान और अधिक प्रभावी बन रहा है।

सावन आयो रे में दिखी नारी शक्ति और संस्कृति की झलक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नृत्यांगन हॉबी सेंटर की ओर से रविवार को पाटलिपुत्रा कॉलोनी स्थित द औरम बैंक्वेट में 17वें 'सावन आयो रे-2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटनकर्ता अतिथि प्रदेश प्रवक्ता राष्ट्रीय सचिव रीमा सिंह, सेलिब्रिटी गेस्ट चर्चित लोक गायिका रेखा झा एवं नृत्यांगन हॉबी सेंटर की निदेशिका मौसम शर्मा के द्वारा किया गया। निर्णायक की भूमिका संपन्नता वरुण ने निभाया सावन की उमंग और उत्साह से सराबोर कार्यक्रम में नृत्यांगन हॉबी सेंटर से जुड़ी महिलाओं एवं बच्चियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ सावन क्वीन प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता सहित कई मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं ने हरे परिधानों और सावन की पारंपरिक साज-सज्जा के साथ उत्सव के माहौल को और खास बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक गायिका रेखा झा ने कहा कि सावन के गीतों और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हमारी लोक परंपराएं जीवंत रहती है। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बेहद जरूरी हैं क्योंकि ये नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और लोक संस्कृति से जोड़ने का काम करते हैं। रीमा सिंह ने सावन के महीने की महत्व को बताते हुए कहा कि सावन भक्ति और भगवान शिव की पूजा आराधना करने का सबसे पावन महीना है, नृत्यांगन हॉबी सेंटर की निदेशिका मौसम शर्मा ने कहा कि सावन आयो रे का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को एक ऐसा मंच देना है जहां वे अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को खुलकर प्रदर्शित कर सकें।

हर घर तिरंगा अभियान तिरंगे के रंग में रंगेगा पटना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार सरकार की ओर से 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' का व्यापक आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सोमवार को पटना में प्रात 10:00 बजे जे.पी. गोलंबर से प्रारंभ होकर कारगिल चौक तक भव्य 'तिरंगा यात्रा' निकाली जाएगी। कला एवं संस्कृति विभाग के अनुसार 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत राज्यभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राजधानी पटना में तिरंगा यात्रा, 'सेल्फी विद तिरंगा', तिरंगा थीम पर आधारित प्रकाश सज्जा, तिरंगा रंगोली तथा 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन सहित विभिन्न कार्यक्रम शामिल है। प्रत्येक जिले एवं प्रखंड स्तर पर यह अभियान प्रभावी रूप से मनाया जाएगा। हर प्रखंड को 4 हजार तिरंगे झंडे उपलब्ध कराए जाएंगे जिसकी आपूर्ति जीविका के माध्यम से की जाएगी। इसके तहत राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता एवं वितरण के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक संस्थानों में आम नागरिकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। भारत का तिरंगा करोड़ों भारतीयों के त्याग, बलिदान, संघर्ष और गौरव का प्रतीक है।

सावन के रंग में रंगा साहू समाज, महिलाओं ने की जमकर मस्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार तैलिक साहू सभा (महिला प्रकोष्ठ), पटना की ओर से रविवार को लंगर टोली चौराहा स्थित साहू समाज भवन में सावन महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष सह मोरवा विधायक रणविजय साहू एवं बिहार प्रदेश महिला अध्यक्ष सिम्मी प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महोत्सव के दौरान शिव वंदना, सावन गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मेहंदी प्रतियोगिता, सावन क्वीन, बेस्ट ग्रीन ड्रेस प्रतियोगिता, मनोरंजक खेल एवं लकी ड्रॉ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह मोरवा विधायक रणविजय साहू ने कहा कि सावन केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक भी है। उन्होंने महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सावन महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि समाज की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहीं बिहार प्रदेश महिला अध्यक्ष सिम्मी प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि सावन महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक साझा मंच प्रदान करना, सामाजिक एकता को मजबूत करना तथा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं एवं पारिवारिक मूल्यों को आगे बढ़ाना है।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, सोमवार 10 अगस्त 2026

संपादकीय

स्कूलों में बच्चों के भोजन से मनमानी, सामने आने पर ही क्यों जागता है निगरानी तंत्र?

सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। सरकार ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था इसलिए की थी कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उनकी सेहत का भी खयाल रखा जाए। मगर देखरेख और निगरानी के अभाव में कई विद्यालयों में यह व्यवस्था मात्र औपचारिकता बनकर रह गई है। कहीं भोजन की गुणवत्ता, तो कहीं उसे परोसने के तरीके पर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में ऐसे दो मामले सामने आए हैं।सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। इन दोनों घटनाओं में संबंधित प्रधानाध्यापिकाओं को निलंबित कर दिया गया है।मगर सवाल है कि विद्यालयों में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए विभागीय निगरानी तंत्र निष्क्रिय और लापरवाह क्यों बना रहता है? अगर बच्चों को सम्मानजनक तरीके से अच्छा भोजन नहीं मिल पा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?देश भर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत घटिया खाद्यान्न का इस्तेमाल, तय नियमावली का पालन न करने, साफ-सफाई की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी खबरें अक्सर आती रहती हैं। यह बात अब छिपी नहीं है कि शिक्षकों और रसोइए की मिलीभगत से बच्चों को पौष्टिक के बजाय बेहद कम मात्रा में और खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसा जाता है, मगर ऐसे मामले बहुत कम सामने आ पाते हैं।उत्तर प्रदेश की दोनों घटनाओं में भी कार्रवाई तब हुई, जब इनके वीडियो सार्वजनिक तौर पर सामने आए। इससे स्पष्ट है कि विभागीय स्तर पर मध्याह्न भोजन की निगरानी की व्यवस्था सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। हालांकि, बच्चों के लिए भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के क्रम में तमाम तरह के नियम बनाए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर उनका पालन कराने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि विद्यालय के जिन शिक्षकों और अधिकारियों पर मध्याह्न भोजन की निगरानी एवं निरीक्षण का जिम्मा है, उनकी सीधे तौर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती – जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना – डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ

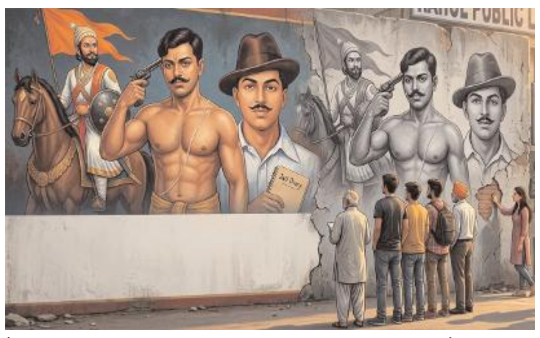

है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज़्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच – मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम – आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना – इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं।

पेशेंस और डिलेड ग्रैटिफिकेशन को कल्टिवेट करना – पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। स्कूल ऐसे असाइनमेंट डिज़ाइन कर सकते हैं जिनमें लंबे समय तक कमिटमेंट और लगन की ज़रूरत हो, जिससे स्टूडेंट्स को मेहनत की कीमत और लगातार काम करके लक्ष्य हासिल करने की संतुष्टि सिखाई जा सके।

भारत पहले, फिर दुनिया- क्या बदल रही है नेपाल की विदेश नीति की दिशा?

(यशोदा श्रीवास्तव)

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की विदेश यात्राओं की वरीयता को लेकर काठमांडो के राजनीतिक गलियारों में चल रही कयासबाजी पर विराम लग गया है, क्योंकि उनकी भारत यात्रा पर अब मुहर लग गई है। दरअसल, भारत ने बालेन शाह को यहां आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। नेपाल की राजनीति में भारत और खासकर बालेन शाह की विदेश नीति को लेकर इसे बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा रहे चीन और अमेरिका बालेन की प्रथम विदेश यात्रा पर टकटकी लगाए हुए थे। वे उनकी विदेश यात्रा में अपने-अपने देश को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद कर रहे थे। नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह की सरकार चलाने की कार्यशैली कुछ ऐसी थी कि उन्हें और उनकी विदेश नीति को समझ पाना मुश्किल था। अब जब भारत का उनका दौरा लगभग तय हो गया है, तो अमेरिका और चीन का चौकन्ना होना स्वाभाविक है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। मगर अब उन्होंने अपनी शुरुआती नीति में बदलाव करते हुए करीबी सलाहकारों के माध्यम से भारत और चीन से सीधे संपर्क स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने अपने करीबी सलाहकारों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, खासकर पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से चर्चा के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार कुमार व्यंजनकार की जुलाई के पहले सप्ताह में नई दिल्ली की यात्रा के बाद ही उनकी भारत यात्रा के कार्यक्रम में तेजी आई। यह सब इतना गोपनीय रखा गया कि इसकी भनक नेपाल के विदेश मंत्रालय तक को नहीं लगने दी गई। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक बालेन शाह की भारत यात्रा की रूपरेखा गोपनीय रखी गई, लेकिन इसकी जानकारी पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने को जरूर रही होगी, क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आमंत्रण पर भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। नेपाल में जब भी सत्ता परिवर्तन होता है, तो वहां के नए प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा की प्राथमिकता पर भारत, चीन और अब अमेरिका की नजर जरूर रहती है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में लगातार सक्रियता बढ़ा रहे ये तीनों देश बालेन शाह की अपने-अपने देश की यात्रा को लेकर सक्रिय थे। पिछले दिनों अमेरिका और चीन के राजनयिक तथा शीर्ष नौकरशाह काठमांडो पहुंचे थे, लेकिन बालेन शाह की मुलाकात किसी से नहीं हुई। उन्होंने नेपाल की आंतरिक और बाह्य समस्याओं के समाधान में व्यस्तता के बीच विदेशी प्रतिनिधियों से मिलना जरूरी नहीं समझा। बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि के बाद नेपाल की विदेश नीति में बदलाव को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारत दौरे के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है, वह यह कि भारतीय मीडिया में हाल के दिनों में उनकी सरकार को लेकर लगातार आलोचनात्मक खबरें आई हैं। कुछ रिपोर्टों में सरकार की लोकप्रियता घटने और उसके अधिक समय तक न टिक पाने के दावे किए गए, जिससे सरकार के भीतर नई कूटनीतिक पहल की आवश्यकता महसूस की गई। इसके अलावा नेपाल की मौजूदा सरकार पर घरेलू स्तर पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। भूमिहीनों के पुनर्वास, पासपोर्ट छपाई विवाद, गणेश नेपाली आत्मदाह प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बालेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाकर संतुलन बनाने की कोशिश में हैं, जिसकी शुरुआत के क्रम में भारत यात्रा भी शामिल है। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दो तरफा है। दोनों देशों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान बातचीत के जरिए ही संभव है। भारत और नेपाल के बीच संबंध चूंकि मैत्रीपूर्ण हैं, रोटी-बेटी का रिश्ता है, भौगोलिक दृष्टि से भी नेपाल भारत के बेहद करीब है। ऐसे में दोनों देश कभी नहीं चाहेंगे कि वे एक-दूसरे से दूरी बनाकर रहें।

उत्साह तभी सार्थक है जब उसके साथ जागरूक चेतना हो, तभी जीवन के निर्णय बनते हैं स्थायी

(शोभा जैन)

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है।

जीवन के निर्णय केवल उत्साह से नहीं, बल्कि परिष्कृत चेतना और जागरूकता से सार्थक बनते हैं। यह लेख बताता है कि कैसे चेतना, सांस्कृतिक मूल्य, संवाद और आत्मानुभव व्यक्ति के उत्साह, निर्णय क्षमता और जीवन की दिशा को प्रभावित करते हैं।

हमारी चेतना की जमीन हमारे जीवन को संचालित करने वाले निर्णयों से ही उपजती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति बनती है, जब हमारा मानस निर्णय तो लेता है, लेकिन उन निर्णयों में स्थायित्व नहीं रहता। वे भविष्य में टिक नहीं पाते। चेतना सबकी एक ही होती है। फर्क होता उन मूल्यों का, जो हमारी चेतना में मौजूद रहते हैं। इन मूल्यों के अनुसार ही हमारी चेतना किसी घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है। ये मूल्य ही इस बात का निर्धारण करते हैं कि वे कौन-से तत्त्व और कार्य होंगे, जो हमें अपराध-बोध से भरेंगे और हमें अपराध-बोध से मुक्त रखेंगे।

जीवन में कभी-कभी ऐसा पड़ाव भी आता है, जब हमारी चित्त अवस्था स्थिर नहीं होती। वैसे भी वह स्थिर नहीं, गतिशील है। वह ठहराव नहीं, निरंतर खोज है, लेकिन यहां अस्थिर होने का आशय विचलन से है। भीतर के प्रश्नों की यात्रा ठहरती नहीं। वह एक ऐसे प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां आंतरिक खोज अपने ही छायापथ पर चलती है। मगर अस्थिर मन में जब कोई हमारे अनुकूल काम होता दिखाई देता है, तब मन अपने आप ही किसी आंतरिक उत्साह से भर जाता है। वह छोटा-सा उत्साह कितने दायित्वों को निभाने की ऊर्जा दे देता है, हम इसकी पूर्व से कल्पना भी नहीं कर सकते। जैसे अवसाद और आत्महत्या के केंद्र में होता है सहनशीलता का अभाव, ठीक वैसे ही उत्साह और जागरूकता के केंद्र में प्रोत्साहन भी एक कड़ी है।

जीवन में ऐसे कई अवसर आते हैं जब हम उत्साहित होकर किसी लक्ष्य को साधते हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में उस लक्ष्य का अपेक्षित परिणाम नहीं पाते। ठीक इसके उलट, एक व्यक्ति के भीतर किसी काम या लक्ष्य को हासिल करने की क्षमता तो हो, लेकिन उसके भीतर उत्साह की कमी हो, तो उसके लिए आसान राह भी मुश्किल होगी। इसके अलावा, एक स्थिति यह भी होती है कि क्षमता और उत्साह से लैस व्यक्ति को भी अगर कोई निराशा में डुबो दे, उसका उत्साह भंग कर दे, तो किसी काम को आसानी से पूरा करने की उसकी क्षमता विपरीत दिशा में प्रभावित होती है।

कहने का आशय यह कि अगर हमारा चित्त किसी विषय में उत्साहित रहता है, तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखाते हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने एक जगह लिखा है- उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है। अगर फल दूर ही दिखाई पड़े, उसकी भावना के साथ उसका लेश मात्र भी कर्म या प्रयत्न के साथ-साथ लगाव न मालूम हो, तो हमारे हाथ-पांव कभी न उठें और उस फल के साथ हमारा संयोग ही न हो। इसमें कर्म-शृंखला की पहली कड़ी पकड़ते ही फल के आनंद की भी कुछ अनुभूति होने लगती है। अगर हमें यह निश्चय हो जाए कि अमुक स्थान पर जाने से हमें किसी प्रिय व्यक्ति का दर्शन होगा, तो उस निश्चय के प्रभाव से हमारी यात्रा भी अत्यंत प्रिय हो जाएगी। अगर हम किसी बात पर गुस्सा हुए बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह भी पूछता है, तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। यह सब मनोस्थिति द्वारा संचालित होता है और मनोस्थिति परिस्थितिजन्य होती है।

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है। इसलिए उत्साह में चिंतन की स्थिति बनी रहे, जिसे हम जागरूकता की परिपक्व अवस्था भी कह सकते हैं। बस उत्साह क्षणिक उद्वेगयुक्त होता है, इसलिए उसमें जागरूकता का होना पहली शर्त है।

हमारे उत्साह में हमारी चेतना की भूमिका सर्वोपरि है। चेतना के स्तर पर कभी कोई भेद भी नहीं होते, तो भेद हमेशा विचारों के स्तर पर होते हैं। ज्यादातर लोग अपनी चेतना को शुद्ध ही मानकर चलते हैं। तर्क-वितर्क से उसे न्यायसंगत ठहरा देते हैं। ऐसे में जीवन में घटित घटनाओं में अपनी निजी चेतना को शुद्धि की कसौटी पर स्वयं कसकर देखना चाहिए। हम दंग रह जा सकते हैं कि जो कुछ भी हमारे साथ हुआ, उसके केंद्र में हमारी चेतना है। शुद्ध चेतना जो हमारे कार्य को स्वयं निदेशित करे, किसी दूसरे की चेतना उसकी वैचारिकी का अनुगमन करना होगा। अपनी चेतना को परिष्कृत भी करना पड़ता है और इसमें सबका अपना अलग तरीका होता है, सबके अनुभव अलग। उत्साह और जागरूकता में चेतना की अहम भूमिका रहती है। चेतना में सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान उसकी परिधि में निहित है। जीवन दर्शन और परिवेश इसके रसायन हैं। चेतना निरंतर परिष्कृत होने की प्रक्रिया है, क्योंकि जो आज है, कल वह अनुभव भी रहे, यह जरूरी नहीं। राम और रावण दोनों में चेतना थी, लेकिन भिन्न स्तर की।अपने उत्साह को बढ़ाने की कुंजी यह है कि हम अपने स्वार्थ से परे किसी ऐसे उद्देश्य के प्रति समर्पित हो जाएं, जिसके प्रति हमारी गहरी लगन हो, जिसमें हमारी चेतना की परिष्कृत अवस्था हो। दूसरों से अर्जित नहीं, स्व-अनुभव से अर्जित। यह उद्देश्य हमें प्रतिबद्धता देगा।

मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना से दो महत्वपूर्ण सड़क विकास कार्यों का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास एवं आम नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत दो महत्वपूर्ण सड़क विकास कार्यों का उद्घाटन विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल ने किया । कार्यक्रम में मेयर श्रीमती ऊषा देवी अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत विधान पार्षद की अनुशंसा से नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-01 स्थित बंगाली कॉलोनी में विद्यालय से अमित साह के घर होते हुए विनोदनन्द ठाकुर के घर तक सड़क के उन्नतीकरण एवं पीसीसी ढलाई कार्य की स्वीकृति दी गई है। इस योजना की

प्राक्कलित राशि ₹13,83,300 है।वहीं वार्ड संख्या-02 स्थित मेरिया रहिका में पूर्व से निर्मित ईंट सोलिंग सड़क की मरम्मती एवं पी.सी.सी. ढलाई निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इस योजना की प्राक्कलित राशि ₹14,97,658 है।इस अवसर पर विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के माध्यम से कटिहार के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सड़क, नाली एवं अन्य जनोपयोगी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन कार्यों का उद्देश्य आम लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को गति देना है। मेयर श्रीमती ऊषा देवी अग्रवाल ने कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास नागरिकों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है। नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों एवं नगर निगम के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।कार्यक्रम में उप महापौर श्री मंजूर खान संबंधित वार्ड पार्षद, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर निगम के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कोढ़ा पहुंचे पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का नेताओं ने किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढा (कटिहार)। कोढ़ा प्रखंड क्षेत्र में रविवार को उस समय राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई, जब बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश कोढ़ा पहुंचे। मंत्री का आगमन मकदमपुर पंचायत के मरवा गांव स्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के प्रदेश सचिव संतोष मेहता के आवास पर हुआ, जहां उनका

भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान क्षेत्र के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और एनडीए के नेता मौजूद रहे। मंत्री दीपक प्रकाश के पहुंचते ही संतोष मेहता ने उन्हें बुके एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत के बाद आयोजित बैठक में पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ह्वगांवों के विकास के बिना राज्य का समग्र विकास संभव नहीं है। सरकार की प्राथमिकता है कि हर पंचायत तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।ह्व उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि विकास योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोढ़ा विधायक कविता पासवान ने मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधि मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य,शिक्षा और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री जी का यह दौरा विकास कार्यों को और गति देगा। जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा, ह्वहमारा लक्ष्य है कि हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचे और किसी भी जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। कार्यक्रम के आयोजक एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के प्रदेश सचिव संतोष मेहता ने मंत्री के आगमन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह कोढ़ा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

संक्षिप्त समाचार

उद्धारक का बाट जोहता मनिहारी रेल थाना

मनिहारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार - झारखंड की सीमा पर रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित मनिहारी जीआरपी थाना वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहा है। एक ओर प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए मनिहारी गंगातट पहुंचते हैं, वहीं दूसरी ओर सैकड़ों नौकरीपेशा एवं अन्य यात्री मनिहारी-बलुआघाट स्टेशन से कटिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों की ओर रेल यात्रा करते हैं। ऐसे में रेलवे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मनिहारी जीआरपी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। मनिहारी रेलवे क्षेत्र में रेलवे की बड़ी भू-संपदा और रेलवे कॉलोनी भी अवस्थित है। इसके अलावा मनिहारी बिहार का अंतिम छोर होने के

कारण झारखंड सीमा से जुड़ा हुआ है। पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार में झारखंड से शराब की अवैध आवाजाही पर अंकुश लगाने में भी रेल मार्ग और जीआरपी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सीमा क्षेत्र होने के कारण रेलवे मार्ग से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखना पुलिस के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मनिहारी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषकर सावन एवं अन्य धार्मिक अवसरों पर गंगा स्नान और जल भरने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल मार्ग से यहां पहुंचते हैं। ऐसे समय में स्टेशन और आसपास के रेलवे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता महसूस होती है। बावजूद इसके मनिहारी जीआरपी थाना लंबे समय से संसाधनों और सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। इस जीआरपी थाना में बैरक की अवस्था तो जर्जर है ही, यहां पदस्थापित पुलिस बल के जवान झोपडी मे रहने को विवश हैं। जवान का शस्त्र रखने का शस्त्रागार का भी घोर अभाव है एक छोटे से कमडे में दफ्तर जैसे तैसे चलता है। यहां पदस्थापित महिला पुलिस बल के लिए बुनियिदी सुविधाएं यथा स्नानागार व अन्य प्रसाधन सुविधाएं भी नदारद हैं।स्थानीय लोगों ने रेलवे के वरीय अधिकारियों एवं रेल पुलिस प्रशासन से मनिहारी जीआरपी थाना को पर्याप्त पुलिस बल, आवश्यक संसाधन और बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। ताकि यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर भी प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

गुरमेला के मौलानचक में नल-जल योजना बदहाल

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड की गुरमेला पंचायत के मौलानचक वार्ड संख्या 4 एवं 5 में नल-जल योजना बदहाल स्थिति में है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब पांच वर्ष पहले जलमीनार का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसके बाद से नियमित रूप

से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। कई घरों में कनेक्शन दिए जाने के बावजूद नलों से पानी नहीं पहुंच रहा है।ग्रामीणों के अनुसार जलमीनार की पानी टंकी में गंदगी जमा है और जगह-जगह पाइपलाइन व कनेक्शन टूटे पड़े हैं, जिनकी लंबे समय से मरम्मत नहीं कराई गई। इससे योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। वार्ड संख्या 5 स्थित जलमीनार परिसर के अंदर बकरी और मुर्गा पालने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने संबंधित संचालक व ठेकेदार से जलापूर्ति बहाल करने और टूटे कनेक्शनों की मरम्मत की मांग की है। उनका आरोप है कि शिकायत करने पर समस्या दूर करने के बजाय धमकी दी जाती है, जिससे लोगों में आक्रोश है।वाहिद आलम, मो. सकींम, मो. जैनुल, मो. वकील, मो. वसीम, मो. सरफराज, मो. खुशबूर, मो. शाहबाज, मो.कासिम, मो. गुफरान, मो. शाहनवाज, मो. साबिर, मो. खाबिर, मो. शदीकुल, मो. रोहिल, मो. तसाबुर, मो. मोतीउर रहमान व मो. कालू समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच कर जलमीनार की सफाई, पाइपलाइन मरम्मत और नियमित जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है।इधर कनीय अभियंता परवेज आलम ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत कराई जा रही है। संबंधित संचालकों को हिदायत दी गई है और जल्द ही लोगों को नियमित पानी मिलना शुरू हो जाएगा।

विहिप के नए जिला पदाधिकारियों का मनोनयन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विश्व हिंदू परिषद विहिप कटिहार जिला इकाई में संगठनात्मक बदलाव करते हुए नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है। बजरंग दल के पूर्व विभाग संयोजक पवन पोद्दार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि चंद्रकांत बारिक को विश्व हिंदू परिषद कटिहार जिला का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं प्रीतम प्रताप सिंह को जिला मंत्री तथा प्रणव भगत को जिला सह मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों के मनोनयन पर श्री पोद्दार सहित संगठन से जुड़े कार्यकताओं एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें

बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री पोद्दार ने कहा की तीनों पदाधिकारियों के नेतृत्व में हिंदू समाज और संगठन को नई ऊर्जा एवं नई दिशा मिलेगी ।विहिप कार्यकताओं ने कहा कि संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ने तथा सेवा कार्यों को गति देने की दिशा में नए पदाधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पदाधिकारियों के मनोनयन को लेकर कार्यकताओं में उत्साह है।विज्ञप्ति में संगठन के मूल संदेश ह्वसेवा ही संगठन, संगठन ही संकल्पह्व को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया है। संगठन से जुड़े लोगों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष,जिला मंत्री एवं जिला सह मंत्री के कार्यकाल की सफलता की कामना की।

हाथी ना घोड़ा ना कौनौ सवारी पैदल ही अइवो तोरे द्वार.......

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। शिवभक्तों की इस कातर पुकार ने भोले नाथ को कितना प्रभावित द्रवित किया है यह तो प्रभु भोले नाथ जाने ,लेकिन इस पुकार से जिलाप्रशासन पूरी तरह सजग संवेदनशील है।जिलापदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी सावन मास आरंभ होने से पूर्व से ही भोले भक्तों के लिए गंगातट पर की जा रही तैयारियों का मौके पर जायजा ले चुके हैं. साथ ही कई आवश्यक निर्देश भी अधिनस्थ अधिकारियों को दिये हैं. बीते दिनों मनिहारी गंगातट पर भोले भक्तों की ऊमडनेवाली सैलाव के मद्देनजर जिले के पुलिस कप्तान परिचय कुमार गंगातट पहुंचकर

सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली है। सावन मास में शिवभक्त श्रद्धालु कांवरियों की ऊमड़नेवाली जनसैलाब से मनिहारी शहर लघु बाबा नगरी के रुप में ऊभड़ जाती है। बड़ी संख्या में शिवभक्त श्रद्धालु सीमांचल सहित अन्य जिलों से मनिहारी गंगाघाट जल भरण को पहुंच रहें हैं।स्नान के पश्चात गंगाजल भरण कर अपने अपने क्षेत्रों की देवालयों, शिवालयों की ओर प्रस्थान करते हैं।कांवर मे जलभर कर जिले स्थित बाबा गोरखनाथ मंदिर में शिव जलाभिषेक को जानेवाले श्रद्धालु नर नारियों की संख्या अधिक देखी गयी है। मनिहारी से जल भर कर श्रद्धालु हसवर, ओलीपुर, महुअर, रोशना होकर सड़क मार्ग से पांव पैदल ही जाते हैं। गंगास्नान को आनेवाले श्रद्धालुओं की सुरक्षित स्नान को लेकर हर संभव कदम प्रशासन की ओर से उठाये गये हैं। नदी मे स्नान वाले घाट पर बैरिकैडिंग सहित प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गयी है। चिन्हित घाटों पर एसडीआरएफ सहित वोट की तैनाती की गयी है। वाच टावर से पूरे नदी किनारे नजर रखने की व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, यात्रियों की मदद के लिए नियंत्रणकक्ष, ध्वनि विस्तारक यंत्र, विशेष परिस्थिति में स्वास्थ्य की चिकित्सा, ऊपचार हेतु चिकित्सा कर्मियों की तैनाती की गयी है।

हमारा जीवन अन्य के लिए प्रेरक बनें : मुनी प्रशांत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मुनीश्री प्रशांत कुमारजी, मुनीश्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में तपाभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री प्रशांत कुमारजी ने कहा - चातुर्मास का समय धमाराधना का होता है। अपनी अपनी योग्यता के अनुसार व्यक्ति धार्मिक तत्व की आराधना करते जाएं। तप से संकल्प की सिद्धि होती है। धार्मिक चेतना से व्यक्ति का जीवन यथार्थ का चिंतन करता है। चातुर्मास में विविध प्रकार से साधना आराधना करते जाएं। हमारा जीवन अन्य के लिए प्रेरक बनें। आज दो तपस्वी उपस्थित हुए

है। अररिया कोर्ट से अनिता जी बेगवानी तपस्विनी श्राविका है। सुकन्या कृतिका दुगड़ ने छोटी सी उम्र में तप करके सबके लिए प्रेरणा का कार्य किया है। दोनों की धार्मिक भावना उत्तरोत्तर बढ़ती रहें मंगलकामना। मुनिश्री कुमुद कुमारजी ने कहा जिनशासन में अनेकों तपस्वी साधक हुए हैं।दीर्घ तपस्या करके अपनी आत्मा का कल्याण किया है।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत नगर अध्यक्ष मनोनीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत राजेश रंजन मिश्रा उर्फ रिंकू मिश्रा को पुनः नगर अध्यक्ष "ब" की जिम्मेदारी मिली. जबकि नगर अध्यक्ष "अ" की जिम्मेदारी राज आनंद सिंह को सौंपी गई। इनलोगों के मनोनयन से कटिहार कांग्रेस कमेटी मे काफी हर्ष व्याप्त है। इन नव मनोनीत अध्यक्षों ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा भागलपुर मे आयोजित 8 जिलों के प्रखंड अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मे भाग लिया एवं प्रशिक्षित हुए। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण प्रभारी रणजीत मिश्रा एवं कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी डॉ अमन कुमार यादव द्वारा

आठों जिलों से आए सभी प्रखंड अध्यक्षों को प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षितों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित भागलपुर प्रशिक्षण शिविर मे अव्वल स्थान एक मात्र कटिहार जिला के ही सभी प्रखंड एवं नगर अध्यक्ष शामिल हुए। कटिहार कांग्रेस नगर कमिटी के अध्यक्षद्वय राजेश रंजन मिश्रा एवं राज आनंद सिंह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया। साथ ही पार्टी एवं संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मजबूती के साथ अपना पूर्ण योगदान देने का भरोसा का संकल्प लिया। कटिहार नगर अध्यक्ष के पद पर, मनोनयन पर सांसद प्रतिनिधि सुनील यादव, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सऊद आलम, कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रेम राय, संजय सिंह, दिलीप विश्वास, जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला, शंकर सिंह अधिवक्ता, बिमल सिंह बेगानी, प्रो विनोद यादव, शाहनवाज खान, मशरूर आलम, सौरभ कुमार, भुवन अग्रवाल, फिरोज अहमद कुरैशी, डॉ बिपिन सिंह, अल्तमश दीवान, आम्रपाली यादव, मीनाक्षी श्वेता, पुतुल सिंह, माधव पाण्डेय, पंकज यादव, राकेश यादव, दामोदर चौबे, पप्पू कश्यप, अरुण प्यासा, जटा शंकर झा, मो रियाज, मन्नी पासवान, मो इश्तियाक, विक्रम पासवान, अवधेश मंडल, मो आदिल, राजीव चाकी, नितिन सिंहा, विश्वनाथ साह, नवीन खंडेलिया, मुकेश साह, मिथिलेश सिंह,योगेंद्र यादव, बेचन पाण्डेय, निखिल सिंह, मसूद रजा खान, अमर तिवारी, मनीष यादव, प्रीतम चक्रबती, मो मुश्ताक, मो मोहर्रम खान आदि नेताओं ने संगठन सृजन अभियान के तहत कटिहार नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत होने पर राजेश रंजन मिश्रा एवं राज आनंद सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विधान पार्षद और महापौर ने 15 टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का किया वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कटिहार के विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल एवं उषा अग्रवाल महापौर के द्वारा 15 टीबी रोगियों को गोद लेते हुए उनके को फूड बास्केट का वितरण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य टीबी मरीजों को इलाज के दौरान बेहतर पोषण प्रदान करना और उन्हें इस बीमारी से जल्द स्वस्थ होने में मदद करना है। कार्यक्रम के दौरान एमएलसी अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि टीबी एक इलाज योग्य बीमारी है, लेकिन दवाइयों के साथ-साथ सही

खान-पान और पौष्टिक आहार मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के लिए बेहद जरूरी है। समाज के हर सक्षम वर्ग को आगे आकर इन मरीजों की मदद करनी चाहिए ताकि देश को टीबी मुक्त बनाने का सपना पूरा हो सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और प्रमुख समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कटिहार के सीडीओ डॉ. अशरफ रिजवी, वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर्स के कमलेश कुमार साहु, एसटीएस कुमारी अनुराधा सिन्हा के साथ-साथ मनोज कुमार, भोला साह, मनीष कुमार, नीतीश पोद्दार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी और गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों ने टीबी के लक्षणों और इसके नियमित इलाज के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

नदी में डूबने से पशुपालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (कटिहार)। हसनगंज थाना क्षेत्र के जगरनाथपुर पंचायत अंतर्गत टुबकिया गांव के वार्ड संख्या-5 निवासी रमेश महतो (55) की चांपी-भसना नदी की तेज धार में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद लगभग 16 घंटा बाद दोपहर नदी से उनका शव बरामद किया गया। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि समर महतो एवं स्थानीय ग्रामीण अनिल कुमार महतो ने बताया कि रमेश महतो प्रतिदिन अपनी भैंस को चारा खिलाने के लिए नदी पार ले जाते थे। देर शाम भी वे भैंस को चारा खिलाकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान भैंस का बच्चा नदी के कीचड़ में फंस गया। उसे निकालने के प्रयास में रमेश महतो गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूब गए।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण नदी में उनकी तलाश में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद रविवार दोपहर उनका शव नदी से बाहर निकाला जा सका।ग्रामीणों के अनुसार रमेश महतो पशुपालन एवं मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी आकस्मिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

रेल नीर नहीं मिला तो यात्री खरीद सकेंगे अन्य ब्रांड का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। यात्रियों को स्टेशनों पर पैक्ड पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने अहम फैसला लिया है। अब ह्वरेल नीरह्व पानी की बोतल उपलब्ध नहीं होने पर या कमी होने पर स्टैटिक कैटरिंग यूनिटों से अन्य स्वीकृत कंपनियों के पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर की बिक्री की जा सकेगी। इसके लिए 12 से अधिक ब्रांडों को दो वर्ष की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। वही रेलवे ने पानी की अधिकतम बिक्री दर भी निर्धारित कर दी है। इसके तहत एक लीटर बोतल ₹14 और 500 एमएल बोतल ₹9 में ही यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएगी। यह व्यवस्था कटिहार समेत अलीपुरद्वार, रंगिया, लामडिंग और तिनसुकिया रेल मंडलों में लागू होगी। रेलवे प्रशासन ने ह्वड्रॉप्सह्व ब्रांड और बिसलेरी के पैक्ड पानी की बिक्री

पर प्रतिबंध लगा दिया है। रेलवे का यह कदम यात्रियों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने और ह्वरेल नीरह्व की कमी के दौरान पानी की समस्या दूर करने की दिशा में उठाया गया। इस संबंध में कटिहार रेलमंडल के पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि यदि स्टेशन पर अथवा रेल क्षेत्र में कोई व्यक्ति निर्धारित दर से अधिक कीमत लेते पाया जाएगा तो उसके विरुद्ध रेल प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

230 पंचायतों में आयोजित हुआ संध्या चौपाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । जिले के सभी 230 पंचायतों में संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से बताया गया है कि जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार चौपालों में जनसंवाद के साथ सरकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी, मार्गदर्शन तथा संचालन को लेकर आमजनों की राय ली गई। इस अभियान का उद्देश्य पंचायत स्तर पर नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी, सुविधा एवं लाभ की पहुंच सुनिश्चित करना है।सभी पंचायतों में एक साथ संध्या आयोजित चौपाल में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल रह कर आम नागरिकों से संवाद किया।इस दौरान सरकारी योजनाओं की जानकारी, पात्र लाभुकों की पहचान तथा योजनाओं का लाभ

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर चर्चा की गई।तो वहीं पंचायतों की आवश्यकता एवं समस्याओं को समझ कर उनके समाधान का सुझाव भी प्राप्त किया गया।चौपाल में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष फोकस रहा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पंचायत स्तर पर व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई। स्थानीय सीएचओ,एएनएम और आशा दीदियो की सहभागिता से विभिन्न पंचायतों में स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन हुआ।जिसमें लगभग 25,000 लोगों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। चौपाल में गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच एवं आवश्यक परामर्श तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान कर उचित स्वास्थ्य सलाह दी गई।जबकि कुपोषित बच्चों एवं युवाओं के लिए पोषण संबंधी परामर्श दिया गया और नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की नियमित स्वास्थ्य जांच भी की गई। मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप रोग के लिए स्क्रीनिंग किया गया।इस दौरान चिकित्सकीय सलाह एवं उपलब्धता के अनुसार निःशुल्क दवा भी उपलब्ध कराई गयी। डीएचएस के अनुसार चौपालों में टीबी मुक्त अभियान को भी प्रमुखता से शामिल किया गया।जिसमें जिले में 36 निक्षय मित्रों ने बढकर टीबी मरीजों को गोद लिया और उन्हें फूड बास्केट प्रदान किया । महापौर उषा देवी अग्रवाल ने भी टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर टीबी मुक्त अभियान में सहयोग एवं सामाजिक भागीदारी का संदेश दिया। जिला स्वास्थ्य समिति अवारा बताया गया है कि प्रारंभिक समीक्षा में सामने आया है कि संध्या चौपाल सेवा प्रदाताओं और लाभुकों के बीच संवाद एवं समन्वय का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है।

झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का शुभारंभ

मांदर की थाप और लोकनृत्य से गूंजा गिरीडीह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। नगर भवन गिरिडीह में रविवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ पारंपरिक लोटा पानी से अतिथियों का स्वागत करने के बाद भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया गया इसके बाद जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि जनजातीय संस्कृति परंपरा भाषा लोककला और गौरवशाली इतिहास झारखंड की पहचान और गौरव है। महोत्सव का उद्देश्य इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ आदिवासी समाज की प्रतिभाओं को मंच देना है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सिद्धो कान्हो चांद भैरव नीलांबर पीतांबर फूलो झानो तिलका मांझी और अन्य महानायकों का संघर्ष समाज को साहस स्वाभिमान एकता और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है जिला प्रशासन जनजातीय विरासत के संरक्षण के साथ शिक्षा स्वास्थ्य आजीविका कौशल विकास महिला सशक्तीकरण और रोजगार को भी मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उद्घाटन समारोह में एकलव्य विद्यालय पालगंज अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय पीरटांड़ शिक्षा विभाग और जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य-संगीत की शानदार प्रस्तुति दी। मांदर और नगाड़े की थाप पर कलाकारों के लोकनृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नुक्कड़ नाटक के जरिए जल जंगल जमीन और आदिवासी पहचान का संदेश भी दिया गया। प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया महोत्सव के दौरान कल्याण विभाग की ओर से पात्र छात्र छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। महोत्सव परिसर में स्थानीय हस्तशिल्प हस्तकरघा पारंपरिक उत्पाद, शिक्षा महिला सशक्तीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए हैं प्रशासन के अनुसार महोत्सव के माध्यम से स्थानीय कलाकारों शिल्पकारों स्वयं सहायता समूहों और जनजातीय प्रतिभाओं को पहचान के साथ बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

विश्व आदिवासी दिवस पर गिरिडीह में निकला जुलूस

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को गिरिडीह शहर में आदिवासी समाज की ओर से भव्य जुलूस निकाला गया पारंपरिक वेशभूषा सांस्कृतिक झांकियों और लोकनृत्य के साथ निकले जुलूस में बड़ी संख्या में युवक युवतियों समेत समाज के लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान शहर में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक देखने को मिली इसके बाद नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त रामनिवास यादव एसपी डॉ. विमल कुमार महापौर प्रमिला मेहरा डीडीसी स्मिता कुमारी डिप्टी मेयर सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव जेएमएम जिलाध्यक्ष संजय सिंह सहित कई अधिकारी जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे मौके पर उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि आदिवासी समुदाय को सामाजिक न्याय और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने फूलो झानो तथा चांद भैरव जैसे महापुरुषों के संघर्ष और उनके जागरूकता संदेश को याद करते हुए कहा कि समाज को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। महोत्सव के दौरान आदिवासी संस्कृति की शानदार झलक देखने को मिली कलाकारों ने संथाली नृत्य और विभिन्न पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया वहीं युवाओं ने उत्साह के साथ झूमर प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग भर दिया पूरा नगर भवन आदिवासी संस्कृति परंपरा और उत्साह से सराबोर नजर आया।

बाइक व ट्रक के बीच हुई टक्कर में होम्योपैथिक डॉक्टर समेत दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया चौक के पास शनिवार मध्य रात्रि ट्रक और बाइक के बीच हुई सीधी टक्कर में होम्योपैथिक चिकित्सा व एक लैब टेक्नीशियन की दर्दनाक मौत हो गई जबकि इस घटना में एक अन्य व्यक्ति भी जख्मी है जिसका उपचार चल रहा है। मृतक की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एकडारा गांव निवासी होम्योपैथिक डॉक्टर गौतम कुमार के रूप में की गई है। जबकि दूसरा इसी थाना क्षेत्र के चचाही भरपुर गांव के देवनारायण सिंह के पुत्र कुणाल कुमार 22 वर्ष लैब टेक्नीशियन के रूप में की गई है। जबकि घटना में एक अन्य व्यक्ति भी जख्मी है जिसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में मृतक लैब टेक्नीशियन के भाई प्रदीप कुमार ने बतलाया कि उनके भाई का लैब दलसिंहसराय के प्रखंड कार्यालय रोड में है। रात वह अपना लैब बंद करने के बाद विभूतिपुर के ही होम्योपैथिक डॉक्टर गौतम कुमार एवं एक अन्य व्यक्ति के साथ एक ही मोटरसाइकिल से वापस विभूतिपुर आ रहे थे। इसी दौरान सिंघिया के पास एक ट्रक ने तीनों को कुचल डाला। इस घटना में होम्योपैथिक डॉक्टर गौतम कुमार जो विभूतिपुर के ही पंचवटी चौक पर होम्योपैथिक क्लिनिक चलाते थे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गौतम को उपचार के लिए ले जाने के दौरान मौत हुई वहीं तीसरे का उपचार अभी समस्तीपुर शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उधर घटना की सूचना के बाद पारिवारिक सदस्यों के बीच को हराम बच गया लोगों ने घटना की जानकारी विभूतिपुर थाने की पुलिस को दी है। मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए रविवार सुबह सदर अस्पताल भेजा है। ग्रामीणों ने बतलाया कि गौतम कुमार विभूतिपुर के पंचवटी चौक पर पिछले करीब 20 सालों से होम्योपैथिक दवा की क्लीनिक चलाते थे उनके क्लीनिक में लोगों का अच्छा खासा आना-जाना था। इस घटना के बाद लोगों के बीच मातम का माहौल व्याप्त है। विभूतिपुर थाना अध्यक्ष सुनील कुमार झा ने बताया कि ट्रक और बाइक के बीच हुई टक्कर में दो लोगों की मौत हुई है तीसरे का उपचार चल रहा है दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया गया है दोनों शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। घटना को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

25 हाथियों के झुंड ने टटगांवा में मचाया उत्पात, फसल रौंदा

ग्रामीणों ने खदेड़कर किया बाहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

टाटीझरिया/ दारू (हजारीबाग)। दारू प्रखंड के टटगांवा क्षेत्र में शनिवार की रात करीब 25 हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने किसानों के खेतों में लगी फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया। इस घटना में करीब एक एकड़ भूमि में लगी फसल को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। किसान सुरेश शर्मा, पिता वासुदेव ठाकुर ने बताया कि शनिवार रात हाथियों का झुंड उनके खेत में पहुंच गया। खेत में भिंडी, गोभी, खीरा, धान, मडुआ समेत कई फसलें लगी थीं। हाथियों ने खेत में घुसकर पूरी फसल को रौंद दिया। रविवार सुबह जब वे खेत पहुंचे तो फसल की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। खेत में रोपा गया धान भी पूरी तरह तहस-नहस हो चुका था। सुरेश शर्मा ने बताया कि वे गरीब किसान हैं और खेती पर ही निर्भर हैं। खेती के लिए बैंक से कर्ज लेकर पूंजी लगाई थी। फसल बर्बाद होने से उनके सामने कर्ज चुकाने और परिवार चलाने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से उचित मुआवजा एवं सहयोग की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने आसपास के कुछ अन्य किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और हाथियों के झुंड को खदेड़कर क्षेत्र से बाहर किया। हाथियों का झुंड फसलों को नुकसान पहुंचाते हुए टाटीझरिया की ओर चला गया। ग्रामीणों ने पश्चिमी वन प्रमंडल के अधिकारियों और कर्मियों द्वारा रात में गश्त कर हाथियों को खदेड़ने के प्रयास की सराहना की है। किसानों ने अंचल अधिकारी एवं वन विभाग से फसल क्षति का आकलन कर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में हर वर्ष हाथियों का उत्पात देखने को मिलता है। एक-दो दिन पूर्व खैरा, शिझुआ सहित आसपास के गांवों में भी हाथियों द्वारा फसल नुकसान किए जाने की घटना सामने आई थी। हाथियों के आतंक से किसान भयभीत हैं और उन्हें जान-माल की चिंता बनी रहती है। ग्रामीणों ने हाथियों से स्थायी सुरक्षा के लिए वन विभाग से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

15 अगस्त तक मुख्य आरओबी हो चालू : इस्लाम शाहीन

समस्तीपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पूर्व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि शहर के मुख्य पुल के बंद रहने से समस्तीपुर जिले के लाखों लोगों को आवागमन में भारी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग किया कि पुल मरम्मत की समय सीमा 15 अगस्त तय है, इसलिए निर्धारित तिथि तक कार्य पूरा कर आरओबी को आम जनता के लिए अविलंब चालू किया जाए। शाहीन ने कहा कि बूढी गंडक नदी के तट पर मगरदही घाट और मथुरापुर के बीच स्थित पुराने लोहे वाले पुल को तोड़कर उसके स्थान पर समानांतर नया पुल बनाने की घोषणा बिहार सरकार के द्वारा की गई थी। लेकिन खेद है कि पुल तोड़ने का काम आधा करके छोड़ दिया गया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि समस्तीपुर में बढ़ती यातायात समस्या को ध्यान में रखते हुए मगरदही घाट स्थित पुराने लोहे के पुल को अविलंब पूरी तरह तोड़कर उसी स्थान पर नए पुल का निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

तेजस्वी यादव के आरोपों का एलआइबी ने किया खंडन

ठोस प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन 'लेट्स इंस्पायर बिहार' (एलआईबी) ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा संगठन और इसके मुख्य संरक्षक विकास वैभव, आईपीएस को लेकर लगाए गए आरोपों का तथ्यात्मक खंडन किया है। कंटी में आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के मुजफ्फरपुर जिला मुख्य समन्वयक प्रोफ़ेसर डॉ. कौशल किशोर कौशिक ने कहा कि एलआईबी पूर्णतः गैर-राजनीतिक सामाजिक अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना तथा शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक चेतना के माध्यम से बिहार के विकास में योगदान देना है। अभियान से चार लाख से अधिक युवा जुड़े हैं। डॉ. कौशिक ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों में विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और समाजसेवियों की उपस्थिति सामान्य है। किसी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि की उपस्थिति या तस्वीर को आर्थिक सहयोग अथवा व्यक्तिगत संरक्षण का प्रमाण मानना तथ्यहीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलआईबी का संचालन किसी राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि या बाहरी प्रायोजक के आर्थिक सहयोग से नहीं होता।

डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या मामले पर वक्ताओं ने कहा कि बिहार पुलिस जांच कर रही है और अंतिम निष्कर्ष अनुसंधान पूरा होने के बाद ही सामने आएगा। जिला प्रवक्ता राज रौशन ने कहा कि जांच के दौरान बिना ठोस साक्ष्य किसी अधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठाना अनुचित है। महिला विंग की सरिता सोनी ने कहा कि विकास वैभव ने सेवाकाल में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे एलआईबी में कोई आधिकारिक या प्रशासनिक पद नहीं रखते, बल्कि प्रेरणास्रोत एवं मुख्य संरक्षक के रूप में जुड़े हैं। प्रेस वार्ता में विंग कमांडर यूएन त्रिपाठी, सुभम सौरभ, मुकुल कुमार, प्रणव, सुधाकर मिश्र, रौशन कुमार, सुशांत मिश्रा, पुष्कर कुमार हिमांशु, मुकुंद सिंह और शिवम कुमार, नवनीत सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। एलआईबी ने तेजस्वी यादव से आरोपों के समर्थन में बैंकिंग लेन-देन, दस्तावेज अथवा अन्य ठोस साक्ष्य सार्वजनिक करने तथा यह बताने की मांग की कि प्राथमिकी में नाम नहीं होने और जांच जारी रहने के बावजूद ऐसे बयान देने का आधार क्या है।

डीएम ने हर घर तिरंगा साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर रविवार को शहर में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साइकिल रैली को डीएम रोशन कुशवाहा ने कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरा हो रहा है। इसी गीत के गौरवशाली थीम पर यह कार्यक्रम मनाया जा रहा है। डीएम ने कहा जिसका उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्र गौरव की भावना को और अधिक प्रबल बनाना है। उन्होंने कहा किया अभियान 9 अगस्त से शुरू होकर 17 अगस्त तक चलेगा। जिसमें विशेष उत्साह के साथ कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि लगातार तिरंगा रैली, बाइक साइकिल यात्राएं स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम तथा तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करना आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि इस बार केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर इसे जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। जिसमें छात्र युवा और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग भी भाग ले रहे हैं। उधर तिरंग साइकिल रैली कलेक्ट्रेट से निकलकर शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान वंदे मातरम गीत सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। रैली में शामिल लोग लोगों से अपने घर पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। तिरंगा साइकिल रैली के दौरान स्कूल के बच्चों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। रैली के दौरान लोग भारत माता की जयकारा लगा रहे थे। इस दौरान लोग अपने अपने हाथों में तिरंगा लहरा रहे थे। वहीं एसडीएम राकेश कुमार के नेतृत्व मे हर घर तिरंगा साइकिल रैली शहर के विभिन्न मार्गो का भर्मण कर लोगों के बीच देश भक्ति की भावना से प्रेरित किया, इस कार्यक्रम के अवसर पर उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, अपर समहरत्ता बृजेश कुमार, एनडीसी सह जनसम्पर्क पदाधिकारी रजनीश कुमार राय, विशेष कार्य पदाधिकारी मो अली एकराम, उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह,अनुष्का श्रीवास्तव, आदि पदाधिकारी उपस्थिति थे।

नियमित व्यायाम व सही दिनचर्या से हो सकता है मधुमेह पर कंट्रोल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। साउथ इस्ट एशिया डाइबटीज फाउण्डेशन बिहार शाखा का प्रथम कान्फ्रेंस होटल मौर्य में आयोजित हुआ। जिसमें देशभर के लगभग 200 मधुमेह से जुड़े चिकित्सकों ने भाग लेकर अपना राय व्यक्त किया। इस संबंध में आयोजक कंसल्टेंट फिजिशियन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ अभिजीत कुमार ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में मधुमेह से जुड़ी बीमारी जैसे किडनी, हर्ट, आंख, दांत, चर्म रोग से जुड़े चिकित्सकों ने इन बीमारियों से कैसे बचाव हो उसपर चर्चा की। मौके पर मुख्य अतिथि उड़ान के अमित शर्मा ने मधुमेह से जुड़ी बीमारियों से हो रहे नुकसन पर चर्चा की। इस मौके डॉ अभिजीत ने बताया कि मधुमेह का इलाज है मगर इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने का अभी कोई शोध नहीं हो पाया है। कई मरीज आयुर्वेद से लौटकर भी एलोपैथ की शरण में आ रहे हैं। मतलब मधुमेह के मरीज को निरंतर परहेज से रहना चाहिए। मौके पर मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ अतुल कुमार ने कहा कि नियमित जीवन शैली में आठ घंटे निंद, आठ घंटे ऑफिस वर्क और आठ घंटे पारिवारिक जीवन में रहकर भी इस बीमारी पर नियंत्रण रखा जा सकता है। साथ में आठ ग्लास पानी पीना और 30 मिनट का ब्रिस्क वाक के साथ व्यायाम करने से भी मधुमेह, हर्ट, किडनी जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही मधुमेह से ग्रस्त होने पर तुरंत डाक्टर से इलाज कराएं। मौके पर डॉ अजय कुमार, डॉ शैवाल गुप्ता,डॉ सुभाष कुमार, डॉ कुणाल कुंदन, डॉ पुष्पराज , डॉ सुकृति कुमारी, डॉ राहुल कुमार शर्मा सहित कई चिकित्सकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

एक एएनएम के भरोसे पहसारा स्वास्थ्य केंद्र

पांच डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति अन्य जगहों पर होने से चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

लोगों को इलाज कराने में हो रही परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखंड के पहसारा स्थित अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों स्वास्थ्यकर्मियों की कमी से जूझ रहा है। पांच चिकित्सकों समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के पदस्थापन के बावजूद केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था फिलहाल महज एक एएनएम के भरोसे चल रही है। इससे क्षेत्र के हजारों लोगों को सामान्य इलाज के लिए भी दूसरे स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि रामनाथ सिंह उर्फ विडुल सिंह के अनुसार, 28 जुलाई से केंद्र पर नियमित रूप से केवल एएनएम श्वेता कुमारी ही स्वास्थ्य सेवा दे रही हैं। विभागीय स्तर पर केंद्र में पांच चिकित्सक, दो जीएनएम, एक डाटा ऑपरेटर और एक एएनएम के पदस्थापन की जानकारी है। हालांकि, चिकित्सकों और अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति तथा अनुपस्थिति के कारण ओपीडी समेत अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब 30 वर्ष पुराने इस अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र के लिए स्थानीय लोगों ने नौ कट्ठा जमीन दान में दी थी। इसके बावजूद अब तक नए भवन का निर्माण नहीं हो सका है। जर्जर भवन में संचालित केंद्र में पर्याप्त स्वास्थ्यकर्मी नहीं होने से मरीजों को इलाज के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रखंड प्रमुख अनीता देवी ने बताया कि केंद्र पर पदस्थापित कई चिकित्सकों और कर्मियों को दूसरे स्वास्थ्य संस्थानों में प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। आयुष चिकित्सक डॉ. राजेश रंजन को अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र समसा और डॉ. नितिन कुमार को पीएचसी नावकोठी में प्रतिनियुक्त किया गया है। जीएनएम रविशंकर कुमार और डाटा ऑपरेटर कुणाल कुमार भी पीएचसी नावकोठी में प्रतिनियुक्त हैं। डॉ. रीमा राज डंडारी स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिनियुक्त हैं, जबकि डॉ. सोनी कुमारी के संबंध में स्थानीय स्तर पर स्पष्ट जानकारी नहीं है। आयुष चिकित्सक डॉ. पूजा कुमारी 28 जुलाई से शिक्षा अवकाश पर हैं। ऐसे में केंद्र की पूरी जिम्मेदारी एएनएम श्वेता कुमारी पर है। उन्हें बुधवार और शुक्रवार को नियमित टीकाकरण की ड्यूटी भी करनी पड़ती है। इससे इन दोनों दिनों में केंद्र की सामान्य स्वास्थ्य सेवा और ओपीडी भी प्रभावित रहती है। इस समस्या को लेकर पांच अगस्त को हुई पंचायत समिति की बैठक में प्रखंड प्रमुख अनीता देवी ने प्रस्ताव रखा। इसमें प्रतिनियुक्त चिकित्सकों और कर्मियों को वापस बुलाकर नियमित पदस्थापना सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की मांग की गई। पीएचसी प्रभारी से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन दूरभाष पर संपर्क नहीं हो सका। स्वास्थ्य प्रबंधक आनंद ईश्वर ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

नई श्रम नीति व निजीकरण के खिलाफ बुलंद हुई आवाज

रेलवे कर्मचारियों का जन कन्वेंशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेल के मान्यता प्राप्त संगठन ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन के बैनर तले रविवार को समस्तीपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के समक्ष रेलवे कर्मचारियों का विशाल जन कन्वेंशन आयोजित किया गया। कन्वेंशन में नई श्रम संहिताओं, रेलवे के निजीकरण-निगमीकरण, एनपीएस/यूपीएस, बोनस पर सीलिंग तथा विभिन्न विभागों में आठ घंटे की ड्यूटी व्यवस्था लागू नहीं किए जाने के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश पासवान ने तथा संचालन मंडल सचिव संजीव मिश्रा ने किया। कन्वेंशन में बड़ी संख्या में रेलकर्मियों ने भाग लिया और केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। मुख्य वक्ता यूनियन के केंद्रीय संयुक्त महासचिव सह इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय सह महासचिव रत्नेश वर्मा ने कहा कि नई श्रम नीति, निजीकरण, निगमीकरण, एनपीएस/यूपीएस तथा बोनस सीलिंग जैसे मुद्दों पर सरकार का रवैया कर्मचारी हितों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि रेलवे को टुकड़ों में बांटकर निजी हाथों में सौंपने की कोशिश की जा रही है, जिसका कर्मचारी संगठित रूप से विरोध करेंगे। सभा को संबोधित करते हुए मंडल सचिव संजीव मिश्रा ने कहा कि पेंशन, वेतन, भत्ता, बोनस, प्रमोशन, अनुकंपा नियुक्ति, ड्यूटी रोस्टर और विश्राम जैसी सुविधाएं कर्मचारियों का अधिकार हैं, जिन्हें रेलवे प्रशासन को स्वतः लागू करना चाहिए। मंडल कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश पासवान ने लेबर कोड की वापसी, पुरानी पेंशन बहाली तथा निजीकरण-निगमीकरण पर रोक लगाने के लिए निर्णायक आंदोलन चलाने का आह्वान किया। केंद्रीय संगठन सचिव चंदन यादव ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों पर जबरन निजीकरण और निगमीकरण थोपा जा रहा है तथा 55/30 सर्विस रिव्यू जैसी नीतियों से कर्मचारियों में असुरक्षा बढ़ी है। उन्होंने देशभर में सभी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने की मांग की। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए एआईसीसीटीयू नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि देश के मजदूरों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। ठेका मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल रही है और चार लेबर कोड के माध्यम से श्रमिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। वक्ताओं ने रेलवे में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति, आउटसोर्सिंग समाप्त करने, समान काम के लिए समान वेतन, सभी विभागों में आठ घंटे का ड्यूटी रोस्टर लागू करने, रन-ओवर दुर्घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच, रेलकर्मियों को जीवन रक्षक यंत्र उपलब्ध कराने, रेलवे अस्पतालों एवं आवासीय सुविधाओं का विस्तार, ट्रांसफर नीति में पारदर्शिता तथा विभिन्न भत्तों के समय पर भुगतान की मांग उठाई। सभा को राजकुमार, प्रेम कुमार ठाकुर, संतोष मिश्रा, प्रमोद कुमार राय, सोनू कुमार, वीरेंद्र कुमार, दीलीप कुमार, रत्न मिश्र, राजीव कुमार, अविनाश कुमार, चंदन कुमार, संतोष मिश्र, कैलाश कुमार, संगम कुमार, राज कुमार, ऐक्टू के ललन कुमार, रेल विकास मंच के राम विनोद पासवान, विश्वनाथ सिंह हजारी, सुशील कुमार, रामलाल राम, पूर्व पार्षद अर्जुन कुमार, दीनबंधु प्रसाद, शाहीद हुसैन, दीपक यदुवंशी सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कन्वेंशन के अंत में कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

बिछड़े मासूम को पुलिस ने मां को सौंपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बच्चे के लापता होने की खबर से पहले ही परिवार अनजान था, वहीं बाजार में अकेले रोते मिले मासूम को देखकर एक युवती ने उसे संभाला और करीब एक घंटे तक उसके स्वजन की तलाश करती रही।

सूचना मिलने पर पुटकी थाना की पुलिस भी सक्रिय हुई और महज आधे घंटे की मशक्कत में बच्चे के परिवार तक पहुंच गई। मां ने जैसे ही अपने जिगर के टुकड़े को सामने देखा, उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े और उसने मासूम को सीने से लगा लिया।

धनबाद जिले के पुटकी स्थित मछली बाजार के समीप करीब तीन साल का एक मासूम बच्चा शनिवार की शाम को अकेले रोते हुए घूमता मिला। बच्चे को रोता देख एक युवती उसे अपने साथ करीब एक घंटे तक रखते हुए उसके स्वजन का पता लगाने का प्रयास किया। जब स्वजन का पता नहीं चला तो पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन को इसकी सूचना दी। पुटकी थाना के एएसआइ अभय कुमार, बसंत कुमार यादव बाजार पहुंचे। लोगों से पूछताछ कर बच्चे के स्वजन की तलाश शुरू की गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस बच्चे के स्वजन तक पहुंच गई और उसे सकुशल उसकी मां को सौंप दिया।

बच्चे को देखते ही मां की आंखों से आंसू छलक पड़े। मां ने मासूम को सीने से लगा लिया। कुछ देर पहले तक जिस बच्चे के लापता होने की जानकारी परिवार को नहीं थी, उसे सकुशल सामने पाकर मां भावुक हो गई। उसकी मां ने बताया कि उसका बेटा फेजन दोपहर को अपने मामा के साथ घर से बाजार गया था। उसे बच्चे के अलग होने की जानकारी नहीं थी। बच्चा पुटकी बाउरी बस्ती के समीप स्थित बीसीसीएल क्वार्टर में अपने मामा के यहां आया हुआ था।

बच्चे के लापता होने के बाद उसके मामा अपने घर में इसकी जानकारी नहीं दे खुद खोजबीन में जुट गया था। पुलिस ने पूछताछ और पहचान की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चे को उसकी मां के सौंप दिया।

विश्व आदिवासी दिवस पर पारंपरिक वेशभूषा और मांदर की थाप पर थिरका शहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर जिला परिषद मैदान में सोनोत संताल समाज द्वारा एक भव्य शोभायात्रा सह पारंपरिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में धनबाद जिले के तमाम आदिवासी संगठन समूहों ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक वाद्ययंत्रों (मांदर, ढाक, नगाड़ा और बांसुरी) के साथ पूरे उत्साह से शिरकत किया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिषद कार्यालय परिसर से हुई, जहाँ से एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई रणधीर वर्मा चौक पहुँची।

इस दौरान पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे आदिवासी समुदाय के महिलाओं एवं पुरुषों ने अपनी समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए ऐसा मनमोहक पारंपरिक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया कि पूरा धनबाद शहर थिरकने पर मजबूर हो गया। रणधीर वर्मा चौक पर अपनी प्रस्तुतियों के पश्चात शोभायात्रा पुनः जिला परिषद मैदान पहुँची, जहाँ मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान सोनोत संताल समाज के केंद्रीय कोषाध्यक्ष रतिलाल टुडू और संरक्षक रमेश टुडू खुद को रोक न सके और मांदर की थाप पर जमकर थिरके। उनके इस उत्साह को देख मैदान में मौजूद पूरा जनसमूह झूम उठा और पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज को अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज, भाषा एवं पारंपरिक जीवन-पद्धति को संरक्षित रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वक्ताओं ने आगे कहा, ‖आदिवासी बचेगा, तभी मानव जाति बचेगी‖ आदिवासी समुदाय का प्रकृति, जंगल और पर्यावरण के साथ सदियों पुराना गहरा संबंध रहा है।

9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का उद्देश्य दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले आदिवासी समुदायों की पहचान, अधिकारों, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आदिवासी समुदायों के अधिकारों के संरक्षण और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगातार प्रयास किए गए हैं।

अंत में समाज के वक्ताओं ने आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, और अपनी समृद्ध भाषा-संस्कृति व धरोहर को अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया। इस भव्य आयोजन के अवसर पर सोनोत संताल समाज के मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिनमें:रमेश टुडू (संरक्षक,)सनातन सोरेन (केंद्रीय अध्यक्ष) अनिल टुडू (केंद्रीय सचिव) रतिलाल टुडू (केंद्रीय कोषाध्यक्ष) लक्ष्मी मुर्मू गोपीन टुडू संजय सोरेन लखिंदर हांसदा मनमोहन टुडू लखनलाल टुडू हराधन मरांडी हेमंत सोरेन नरेश टुडू महावीर हांसदा गुरुचरण बास्की दिव्या भास्कर हिरामणी देवी राम कुमार सोरेन,सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी समुदाय के लोग मौजूद थे।

आज विस घेरेंगे आंदोलनकारी छात्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सीजीएल परीक्षा रद करने तथा सीबीआइ जांच पर तैयार नहीं हुई सरकार। मंत्री सुदिव्य के अनुसार, 98 प्रतिशत मांगों पर सहमति बनी है। दो प्रतिशत मांगों को नहीं मानने के पीछे छात्रों को कारण बताया गया है। चूंकि सीजीएल की परीक्षा झारखंड उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर हुई है, इसलिए सरकार इसे रद करने में सक्षम नहीं है।

मंत्रियों की कमेटी ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को अपने नेताओं से बात कर जवाब देने के लिए दिया समय। छात्रों ने कहा कि सोमवार को विधानसभा का घेराव शांतिपूर्ण होगा। छात्रों ने साफ तौर पर कहा ऐसे में हड़ताल जारी रहेगी। 10 को विधानसभा का घेराव होगा।

झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में अनियमितता के विरोध में आंदोलनरत छात्रों के साथ मंत्रियों की कमेटी की वार्ता राजकीय अतिथिशाला में हुई। तीसरे दौर में अबतक दो गुटों जेपीएससी-जेएसएससी रिफार्म्स मंच के अलावा देवेंद्रनाथ महतो गुट के साथ वार्ता हो चुकी है, जबकि आइसा के साथ वार्ता जा रही है। चारों मंत्री सुदिव्य कुमार, दीपिका पांडेय सिंह, संजय प्रसाद यादव तथा चमरा लिंडा ने छात्रों के साथ वार्ता की। दो गुटों के साथ हुई वार्ता में सरकार ने अपनी बातों को रख दिया है। साथ ही छात्रों को उसपर सोचने का समय दिया है। हालांकि छात्र सभी मांगों पर लिखित आश्वासन चाह रहे हैं।

वार्ता में मंत्रियों ने जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, सिविल सेवा बैकलाग परीक्षा-2023 तथा सिविल सेवा बैकलाग परीक्षा-2025 को रद करने पर सहमति जताई है। साथ ही एजेंसी टीडीपीएल से जुड़ी सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं की जांच कराने पर सहमति जताई है। यह भी भरोसा दिलाया है कि वर्तमान में चल रही सीआइडी जांच 90 दिनों के भीतर होगी तथा दोषी पदाधिकारियों एवं लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। छात्रों ने वार्ता के दौरान जेपीएससी में बड़े पैमाने पर वित्तीय लेनदेन की जांच ईडी से कराने की बात कही।

इसपर मंत्रियों ने कहा कि ऐसा मामला सामने आने पर ईडी से जांच कराने की अनुशंसा की जा सकती है। मंत्रियों के समूह ने यह भी कहा कि छात्रों की मांग पर परीक्षा में सुधार के लिए आईआईटी-आईएसएम, एक्सएलआरआई आदि संस्थाओं से भी परामर्श लिया जाएगा।

अंतिम किस्त के लिए भटक रहे लाभुक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। प्रखंड क्षेत्र में अबुआ आवास योजना के तहत स्वीकृत सैकड़ों लाभुकों को अंतिम किस्त का भुगतान नहीं मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के 101 तथा 2024-25 के 346, कुल 447 अबुआ आवास अंतिम भुगतान के अभाव में लंबित हैं। लाभुकों का कहना है कि कई माह पहले निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। संबंधित अधिकारियों द्वारा निरीक्षण भी किया जा चुका है, इसके बावजूद अंतिम किस्त की राशि उनके खाते में नहीं पहुंची है।

पंचायतवार आंकड़ों पर नजर डालें तो बारिसाखी में 74, बारियातू में 59, द्वारी में 123, गिद्धौर में 56, मंझगांवा में 65 तथा पहरा पंचायत में 70 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन अंतिम भुगतान लंबित है। भुगतान नहीं होने से लाभुकों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

लाभुकों ने जिला प्रशासन से शीघ्र अंतिम किस्त जारी कराने की मांग की है, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके और सरकारी अभिलेखों में भी उनके आवास पूर्ण दर्ज हो सकें।

हरियाणा से ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया आरोपित

सुलझेगी प्रभात मेहरा अपहरण के बाद हत्या की गुत्थी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में पाटन थाना पुलिस ने चर्चित प्रभात कुमार मेहता अपहरण एवं हत्या कांड में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर अनुसंधान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी को हरियाणा से ट्रांजिट रिमांड पर पलामू लाया गया, जहां न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पाटन सर्किल के पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश कुमार मंडल ने गुरुवार को पाटन थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में इस संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 25 जुलाई 2026 को पाटन थाना क्षेत्र के सहदेवा गांव निवासी ठाकुर दयाल मेहता ने अपने पुत्र प्रभात कुमार मेहता के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

उन्होंने आरोप लगाया था कि कुड़वा गांव निवासी राहुल राम मोटरसाइकिल से उनके पुत्र का अपहरण कर ले गया है। आवेदन के आधार पर पाटन थाना कांड संख्या-120/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(1), 140(2) एवं 140 (3) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि अनुसंधान के दौरान 26 जुलाई को पाण्डेयपुरा करोरिया स्थित देवेन्द्र भुईया के अर्द्धनिर्मित मकान से प्रभात कुमार मेहता का शव बरामद किया गया था।

इसके बाद मामले में हत्या की धाराएं जोड़ते हुए जांच आगे बढ़ाई गई। इस मामले के मुख्य नामजद आरोपी राहुल कुमार उर्फ राहुल राम उर्फ राहुल चन्द्रवंशी को 29 जुलाई को बेंगलुरु के राजनकुंटे क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था।

उसे 1 अगस्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच के दौरान पाटन थाना क्षेत्र के खरौंधा गांव निवासी धर्मेन्द्र कुमार (23 वर्ष) की संलिप्तता के साक्ष्य मिले।

सत्यापन के बाद उसे 4 अगस्त को हरियाणा के यमुनानगर जिले के भरथल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक रेडमी नोट-10 प्रो मोबाइल फोन एवं एक सिम कार्ड बरामद किया गया है।

पूछताछ में धर्मेंद्र कुमार ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए हत्या का कारण आपसी दुश्मनी एवं पुरानी रंजिश बताया है। उसे तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर पलामू लाया गया, जिसके बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी पाटन थाना कांड संख्या-39/2024 के तहत आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है।

मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। प्रेसवार्ता के दौरान पाटन थाना प्रभारी अनिल विद्यार्थी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी

विकास को लगेंगे पंख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। बहुप्रतीक्षित बुड़ामारा-चाकुलिया विशेष रेल लाइन परियोजना के निर्माण की सबसे बड़ी बाधा आखिरकार दूर हो गई है। रेल मंत्रालय के अधीन दक्षिण-पूर्व रेलवे (निर्माण संगठन) ने पूर्वी सिंहभूम जिले में पड़ने वाली भूमि के अधिग्रहण की अंतिम गजट अधिसूचना जारी कर दी है।

इसके साथ ही इस क्षेत्र की चिह्नित जमीन अब पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधीन हो गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, इस अधिग्रहित भूमि पर अब किसी भी प्रकार का दावा या अतिक्रमण मान्य नहीं होगा।

कुल 59.96 किलोमीटर लंबी इस अंतरराज्यीय ब्राडगेज रेल परियोजना का 39.70 किलोमीटर का बड़ा हिस्सा झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले से होकर गुजरेगा।

भारत के राजपत्र (गजट) के अनुसार, पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा अंचल के अंतर्गत आने वाले बोरोल, सियालबिंदा, जाड़ापाल और सिरबई गांव (मौजा) की जमीन का अधिग्रहण प्रक्रियाबद्ध तरीके से पूरा कर लिया गया है। किसानों और रैयतों की आपत्तियों पर सुनवाई पूरी होने के बाद सक्षम प्राधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने यह अंतिम फैसला लिया है।

लगभग 1,639 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास स्वयं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। यह परियोजना राष्ट्रपति का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती है।

मयूरभंज (ओडिशा) को पूर्वी सिंहभूम (झारखंड) से सीधे जोड़ने वाली यह नई रेल लाइन आदिवासी बहुल इलाके में न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास के नए द्वार खोलेगी। इस नई रेल लाइन के शुरू होने से झारखंड और ओडिशा के बीच माल ढुलाई व यात्री यातायात बेहद सुगम हो जाएगा। साथ ही, यह परियोजना टाटानगर और खड़गपुर से ओडिशा जाने के लिए एक छोटा और सीधा मार्ग प्रदान करेगी।

मिथिला महिला समिति ने मनाया सावन महोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाताा

बोकारो। सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की इकाई मिथिला महिला समिति द्वारा शनिवार की शाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में सावन महोत्सव भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा की धर्मपत्नी डॉ प्रतिमा झा, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ प्रतिमा झा ने सभी को सावन महोत्सव की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यूं तो भारतीय संस्कृति में सावन का महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता ही है, लेकिन मिथिलांचल में सावन मास का खास महत्व है। भगवान शिव की आराधना, प्रकृति के उत्सव के साथ ही नवविवाहित स्त्रीगण बहुत ही श्रद्धा व उल्लास के साथ मधुश्रावणी त्यौहार मनाती हैं। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संगीत-नृत्य के साथ ही विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। सावन मिलन कार्यक्रम में आयोजित सिया सुंदरी प्रतियोगिता में पूनम झा (शैव्या) ने प्रथम, बीना झा ने द्वितीय व विनीता राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डाला सजाओ प्रतियोगिता में ऋतु मिश्रा को प्रथम, बीनू चौधरी को द्वितीय व सीमा झा को तृतीय स्थान मिला। बेस्ट डांसर का पुरस्कार प्रीति प्रिया को मिला जबकि बेस्ट पर्सनेलिटी का पुरस्कार मीरा रॉय को मिला। प्रतियोगिताओं की जज के रूप में पूनम झा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मंच संचालन बबिता झा ने किया। इस अवसर पर शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, नमिता झा, रुबी ठाकुर, आशा झा, इंदिरा झा, जयंती पाठक, चंदा झा, लीला झा, आशा पाठक, डॉ मंजु झा, ऋतु मिश्रा, अर्पणा झा, प्रेरणा ओझा, रंजना भगत, अलका झा, राज कुमारी झा, सविता मिश्रा, किरण झा आदि उपस्थित थीं।

सारण के 11 सीएचसी में बनेगा ब्लड स्टोरेज यूनिट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सारण जिले में एक और महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री सात निश्चय-3 के तहत जिले के 11 सीएचसी में ब्लड स्टोरेज यूनिट यानी रक्त संग्रह केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे प्रसव के दौरान रक्त की जरूरत पड़ने वाली महिलाओं, गंभीर एनीमिया से पीड़ित मरीजों और अन्य आपात स्थिति वाले रोगियों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

अभी रक्त की जरूरत पड़ने पर ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों और उनके परिजनों को कई बार जिला अस्पताल या बड़े स्वास्थ्य संस्थानों का रुख करना पड़ता है।

नए ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू होने के बाद स्थानीय स्तर पर ही रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत होगी। इससे खासकर सिजेरियन प्रसव और गंभीर एनीमिया के मामलों में समय पर उपचार मिल सकेगा और मरीजों को अनावश्यक रूप से इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।विभाग ने जिले के 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना के लिए चिन्हित किया है। इनमें दिघवारा, मांझी, परसा, अमनौर, एकमा, गड़खा, इसुआपुर, जलालपुर, मशरक, नगरा और रिविलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों पर रक्त संग्रह और जरूरत के समय उसके उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मरीजों को आपात स्थिति में काफी राहत मिलने की उम्मीद है। सारण जिले में कुछ स्वास्थ्य संस्थानों में पहले से ही रक्त संग्रह केंद्र संचालित हैं।

मढ़ौरा और सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल के अलावा दरियापुर और बनियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध है। इन स्वास्थ्य संस्थानों में सिजेरियन प्रसव की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसे में प्रसव के दौरान रक्त की आवश्यकता होने पर स्थानीय स्तर पर इसकी उपलब्धता मरीजों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है।

छात्र-छात्राओं ने लिया नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय और भारत सरकार के ओ.एम.यू. के तत्वावधान में 2 अगस्त से 20 अगस्त तक पूरे भारत में चल रहे नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान‟ के तहत डेफोडिल्स एकेडमी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवाओं और बच्चों को नशामुक्त, सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करने हेतु चलाया जा रहा है। यह ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के सेवा और राष्ट्र निर्माण के आदर्शों को समर्पित है। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्रह्माकुमारीज की अनु दीदी ने किया। कार्यक्रम में नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर डेफोडिल्स एकेडमी, के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त भारत, नशा मुक्त धनबाद‟ बनाने के लिए संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य तापस बनर्जी को संस्था द्वारा बुके देकर सम्मानित किया गया एवं सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप-प्राचार्य देवाशीष बनर्जी शिक्षकगण जयंत घटक, अनिल सिंह, चंदन पासवान, सुमन सिंह, झुमा दत्ता, चेरी, डोली, मिताली चटर्जी, सलोनी मधेसिया, शश्वत रंजन का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन मनोरंजन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन माधव झा ने किया। ब्रह्माकुमारी आश्रम से आए संजय माहतो, भागीरथ प्रसाद, पूजा दीदी, अशोक , मीरा बहन सहित अन्य भाई-बहनों ने अपने विचार रखे और सभी को नशामुक्त समाज बनाने का आह्वान किया।

अब प्राइवेट कंपनी संभालेगी पटना शहर की सफाई व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नगर निगम अब डोर-टू-डोर कचरा उठाव के लिए गाड़ियां खरीदने के बजाय निजी एजेंसी की मदद लेगा। राजधानी में एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत एक एजेंसी को चार साल के लिए कचरा उठाव से लेकर सड़क की सफाई तक की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से टेंडर जारी किया है। जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है।

नई व्यवस्था के तहत शहर के सभी 75 वार्डों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से गीला, सूखा समेत चार तरह का कचरा अलग-अलग संग्रहित करना होगा।एजेंसी इस कचरे को घरों और दुकानों से उठाकर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन तक पहुंचाएगी। इसके बाद कचरे को प्रसंस्करण स्थल तक ले जाने की जिम्मेदारी भी एजेंसी की होगी।

संग्रहीत कचरे को पृथक्करण के बाद रामचक बैरिया स्थित डंपिंग यार्ड पहुंचाया जाएगा, जहां वेस्ट टू एनर्जी संयंत्र का निर्माण होना है। नई व्यवस्था में सिर्फ कचरा उठाव ही नहीं, बल्कि शहर की सड़क सफाई भी एजेंसी के जिम्मे होगी।

रात में सड़कों की मैनुअल स्वीपिंग, ई-रिक्शा, हाथठेला, ट्रैक्टर समेत कचरा उठाव और सफाई में इस्तेमाल होने वाले अन्य संसाधनों की व्यवस्था भी एजेंसी को करनी होगी। नगर निगम ने शहर को छह अंचलों में बांटा है। सभी अंचलों में मैनुअल रोड स्वीपिंग की व्यवस्था होगी। शहर की सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए नगर निगम ने 725 नए वाहनों की खरीद को मंजूरी दी थी। विभाग के स्तर पर एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू करने का आदेश मिलने के बाद वाहनों की खरीद रोक दी गई। जर्जर और खराब वाहनों के कारण 40 प्रतिशत क्षेत्रों में निगम की कचरा उठाव व्यवस्था प्रभावित है। शहर के 75 वार्डों को पांच-पांच सेक्टरों में बांटकर प्रत्येक सेक्टर में अलग वाहन और टीम लगाई गई है। लगभग हर वार्ड के पांच में से दो सेक्टर प्रभावित हैं। निगम का कहना है कि वाहन खराब होने की सूचना मिलते ही संबंधित सेक्टर में वाहन भेज कचरा उठाव कराया जा रहा है।

विशेष ट्रेनों के परिचालन से श्रद्धालुओं को हो रही सहूलियत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया है। विशेष ट्रेनों के संचालन से कांवरियों, श्रद्धालुओं सहित अन्य यात्रियों को काफी सहूलियात मिल रही है। जारी सूची के अनुसार, मेले के दौरान देवघर और जसीडीह की ओर से सभी गाड़ियों को चलाने की अनुमति दी गई है।

रेलवे की सूचना के अनुसार, 03001 अप गाड़ी हावड़ा नटेश्वरम श्रावणी मेला स्पेशल प्रत्येक रविवार, मंगलवार और शुक्रवार को जसीडीह स्टेशन से सुबह 5:20 बजे चल रही है।

वहीं, 03002 डाउन गाड़ी प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को जसीडीह स्टेशन से सुबह 8:35 बजे चलेगी। यह गाड़ी बंडल वर्धमान होते हुए चलती है।

03511 आसनसोल पटना श्रावणी मेला स्पेशल प्रतिदिन शाम 7:25 बजे जसीडीह से चलेगी, जबकि 03512 पटना आसनसोल मेला स्पेशल प्रतिदिन सुबह 10:20 बजे जसीडीह स्टेशन से रवाना हो रही है। 03527 अप आसनसोल गोरखपुर श्रावणी मेला स्पेशल प्रतिदिन रात 11:35 बजे जसीडीह से चलेगी। 03528 डाउन गोरखपुर आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल प्रतिदिन सुबह 4:42 बजे जसीडीह स्टेशन से रवाना होगी। इसके अलावा, 03501 जसीडीह बैद्यनाथधाम श्रावणी मेला मेमू स्पेशल प्रतिदिन सुबह 4:25 बजे चल रही है।

बैद्यनाथधाम से जसीडीह के लिए 03502 मेमू स्पेशल प्रतिदिन सुबह 4:45 बजे और 03503 जसीडीह बैद्यनाथधाम मेमू स्पेशल प्रतिदिन दोपहर 1:40 बजे चलती है।

03505 जसीडीह बैद्यनाथधाम मेमू स्पेशल प्रतिदिन रात 9:25 बजे जसीडीह से रवाना होगी। 03506 बैद्यनाथधाम जसीडीह मेमू स्पेशल प्रतिदिन रात 10:05 बजे चलती है। देवघर से 03507 मेमू स्पेशल प्रतिदिन सुबह 8:40 बजे और जसीडीह से 03508 मेमू स्पेशल प्रतिदिन रात 10:40 बजे चलती है। जसीडीह बासुकीनाथ मेल मेमू स्पेशलः 03509 जसीडीह बासुकीनाथ मेल मेमू स्पेशल प्रतिदिन सुबह 9:20 बजे जसीडीह से रवाना होगी। 03510 बासुकीनाथ जसीडीह मेमू स्पेशल प्रतिदिन सुबह 11:10 बजे बासुकीनाथ से चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

महिला एशिया कप 28 अगस्त से यूएई में

- फाइनल 13 सितंबर को
- 5 सितंबर को भारत और पाकिस्तान होंगे आमने-सामने

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है. टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को यूएई में होगी। फाइनल मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा। टी-20 फॉर्मेट में अब तक खेले गए पांच टूर्नामेंट्स में से भारत ने तीन बार खिताब जीता है। यह छठा मौका होगा जब यह टूर्नामेंट खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में खेला जाएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच की पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी. ये दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं. जिसमें भारत को पाकिस्तान, थाईलैंड और हांगकांग के साथ ग्रुप ए में रखा गया है. जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया को रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ मैच से करेगा. सभी मैच दुबई में स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होंगे।

भारत का शुरुआती शेड्यूल

30 अगस्त: भारत बनाम थाईलैंड
3 सितंबर: भारत बनाम हांगकांग
5 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान

सबसे सफल टीम

महिला एशिया कप में भारत सबसे सफल टीम है. उसने कुल 7 बार यह खिताब अपने नाम किया है. हालांकि 2024 के संस्करण में श्रीलंका ने भारत को हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया था और वो वर्तमान चैंपियन है।

भारत बनाम पाकिस्तान

भारत की नजरें अपना आठवां महिला एशिया कप खिताब जीतने पर होंगी. वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान अब तक यह ट्रॉफी नहीं जीत पाया है. 2012 तथा 2016 के टूर्नामेंट्स के फाइनल में उसे भारत से हार का सामना करना पड़ा है. दोनों टीमों के बीच हालिया मुकाबले में, भारत ने महिला टू20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज मैच में पाकिस्तान को 64 रनों से बुरी तरह हराया था।

महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल

28 अगस्त: थाईलैंड बनाम हांगकांग
29 अगस्त: श्रीलंका बनाम यूएई
30 अगस्त: भारत बनाम थाईलैंड
31 अगस्त: बांग्लादेश बनाम इंडोनेशिया
1 सितंबर: पाकिस्तान बनाम थाईलैंड
2 सितंबर: श्रीलंका बनाम इंडोनेशिया
3 सितंबर: भारत बनाम हांगकांग
4 सितंबर: यूएई बनाम इंडोनेशिया
5 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान
6 सितंबर: श्रीलंका बनाम बांग्लादेश
7 सितंबर: पाकिस्तान बनाम हांगकांग
8 सितंबर: बांग्लादेश बनाम यूएई
10 सितंबर: सेमीफाइनल
11 सितंबर: सेमीफाइनल
13 सितंबर: फाइनल

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

13 साल की उम्र में मेसी को बार्सिलोना ले गए, दो दशक तक उनके एजेंट रहे

अर्जेंटीना (एजेंसी)। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था।मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया।

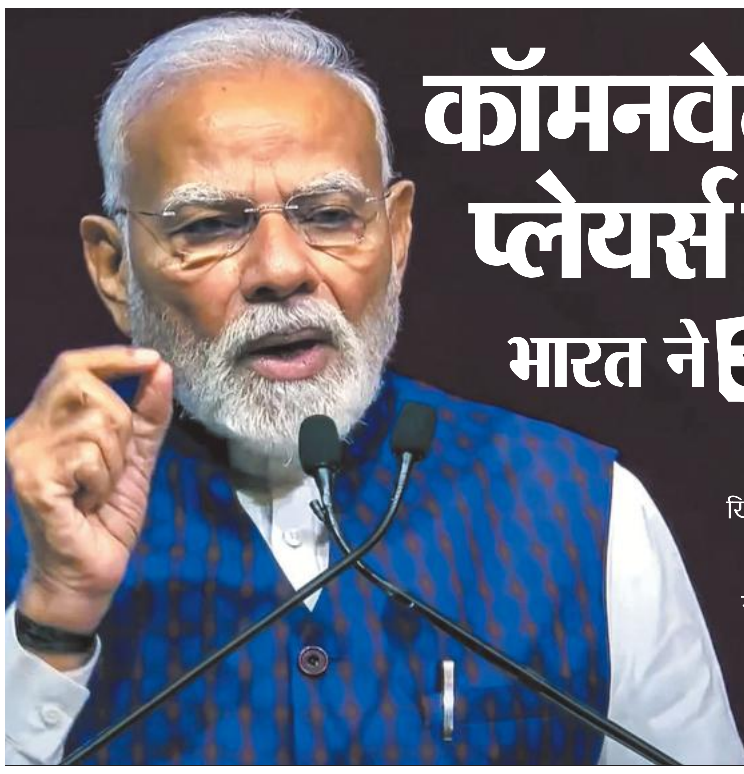

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट प्लेयर्स पीएम आवास पहुँचे

भारत ने 39 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी मिलने पहुँचे। प्लेयर्स प्रधानमंत्री आवास पहुंचकर पीएम मोदी से मिले। इस अवसर मुक्केबाज लवलीना बोरगेहन और वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कहा- हम प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक्साइटेड थे। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा।

मुक्केबाज भारत का सबसे बड़ा मेडल बैंक

भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते।

यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

जम्मू कश्मीर के दिव्यांग क्रिकेटर के बुलंद हौसले की दमदार कहानी

दोनों हाथ गंवाने के बाद भी नहीं टूटा आमिर का क्रिकेट खेलने का सपना, सचिन तेंदुलकर भी हुए मुरीद

जयपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के दिव्यांग क्रिकेटर आमिर हुसैन लोन ने अपने संघर्ष और जज्बे से यह साबित कर दिया है कि परिस्थितियां

कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, मजबूत हौसले और लगातार मेहनत के दम पर सपनों को हासिल किया जा सकता है. जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान आमिर हुसैन लोन ने ईटीवी भारत से खास बातचीत में अपने क्रिकेट के सफर, संघर्ष, चुनौतियों और कामयाबी से जुड़े अनुभव साझा किए।

आमिर हुसैन लोन जब महज 8 साल के थे, तभी एक हादसे में उनके दोनों हाथ चले गए. इस हादसे के बाद उनके परिवार और करीबी रिश्तेदारों को उनके भविष्य की चिंता सताने लगी थी. कई लोगों ने उनके सामने आने वाली मुश्किलों को लेकर सवाल खड़े किए, लेकिन ऐसे कठिन दौर में उनकी दादी ने उन्हें हिम्मत दी. दादी के प्रोत्साहन ने आमिर के भीतर ऐसा हौसला पैदा किया, जिसने आगे चलकर उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

हादसे के बाद भी क्रिकेटर बनने का सपना नहीं छोड़ा: आमिर हुसैन लोन ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना क्रिकेटर बनने का था. हादसे के बाद उनके इस सपने पर भी सवाल उठने लगे थे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी. उनका सपना सिर्फ क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं था, बल्कि वह एक दिन भारत के लिए खेलना चाहते थे. दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद आमिर ने क्रिकेट खेलने का अपना अलग तरीका विकसित किया. उन्होंने गर्दन और कंधे के बीच बल्ला पकड़कर बल्लेबाजी करने का अभ्यास शुरू किया. शुरुआत में यह बेहद मुश्किल था, लेकिन लगातार अभ्यास और मेहनत के बाद उन्होंने इस तकनीक पर नियंत्रण हासिल कर लिया ।

अशिमता चालिहा ने जीता कोरिया मास्टर्स का खिताब

फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अशिमता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को मात दी।

पहला गेम हारने के बाद, विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज अशिमता ने शानदार वापसी की और विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले गेम में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया.

असम की रहने वाली 26 वर्षीय इस खिलाड़ी का ये पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है. उनका फाइनल तक का सफर शानदार रहा. उन्होंने पहले क्वालिफायर रिरीना हिरामोतो और फिर किम मिन जी को सीधे गेम में हराया, और क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से मात दी।

इस साल अशिमता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

इस जीत के साथ अशिमता इस साल सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग और तन्वी शर्मा के बाद तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं. कुल मिलाकर, कोरिया मास्टर्स फाइनल में जीत के साथ वह इस साल सिंगल्स बीड्ब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला बन गई हैं. उनसे पहले तन्वी ने ताइपे ओपन, पीवी सिंधु ने जापान ओपन और देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स में खिताब जीता था।

टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन!

9 खिलाड़ी चोटिल

हैदराबाद (एजेंसी)। टीम इंडिया का अगला असाइनमेंट श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना है, लेकिन चोट के कारण कई खिलाड़ी इस सीरीज में नजर नहीं आएंगे। हाल ही में बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन के बारे में ये खबर सामने आई है कि वो भी चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए है।

इसके साथ सुदर्शन, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के साथ उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जो चोटों के कारण श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

सुदर्शन को पैर के अंगूठे में चोट लगी है. ये चोट उनको पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर आई इंडिया 'ए' टीम के दौरान लगी. उन्होंने दोनों 'ए' टेस्ट मैचों में दो शतक बनाए थे. तब से वह बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिछले महीने कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी तक उबर नहीं सके हैं. जिसकी वजह से उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के 29 वर्षीय तेज गेंदबाज आकिब नबी को श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

नीतीश कुमार रेड्डी बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं, जिसके चलते वे भारत के हालिया आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं खेल पाए. उन्हें यह चोट जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में गेंदबाजी करते समय लगी थी।

वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि आकाश दीप पीठ में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हैं. कप्तान शुभमन गिल को भी उंगली में चोट लगी है, लेकिन उन्हें सीरीज से बाहर नहीं किया गया. इसी वजह से वो श्रीलंका के खिलाफ अभ्यास मैच भी नहीं खेल रहे हैं. उम्मीद है कि वो 15 अगस्त से शुरू होने वाले सीरीज के पहले टेस्ट मैच से पहले फिट हो जाएंगे. इसके अलावा हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती भी चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी।

चोटिल खिलाड़ी

हर्षित राणा - हैमस्ट्रिंग
हार्दिक पांड्या - जांघ में खिंचाव
जसप्रीत बुमराह - घुटने में सूजन
नीतीश रेड्डी - हैमस्ट्रिंग
वॉशिंगटन सुंदर - जांघ में खिंचाव
आकाश दीप - पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर
साई सुदर्शन - पैर के अंगुठे में चोट
शुभमन गिल - दाहिने हाथ की उंगली में चोट
वरुण चक्रवर्ती - जांघ में खिंचाव

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट: 15-19 अगस्त, गाले
दूसरा टेस्ट: 23-27 अगस्त, कोलंबो

खिलाड़ी मशीन नहीं, फिट होने में समय लगता है

लक्ष्मण बोले- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को दोषी मानने से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि 'क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे।' लक्ष्मण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सीओई और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं - लक्ष्मण ने कहा- 'सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटरों को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।

गिल वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे, स्कोर-52/0

- श्रीलंका-इलेवन की दूसरी पारी 200/6 पर घोषित, भारत को 207 रन का टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के कप्तान शुभमन गिल उंगली की चोट के तीन दिन के बाद पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे। कोलंबो में खेले जा रहे भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन वॉर्मअप मैच का आज तीसरा दिन है। टी-ब्रेक के बाद खबर लिखे जाने तक इंडिया ने दूसरी पारी में 52 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल नाबाद हैं।भारत ने दिन के खेल की शुरुआत में ही अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। इसके जवाब में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की और भारत के सामने 207 रन का टारगेट रखा। इससे पहले श्रीलंका-इलेवन ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

नेट्स में बल्लेबाजी करते दिखे गिल - वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा था, गुरुवार को भारत के प्रैक्टिस सेशन के दौरान कप्तान शुभमन गिल की दाहिनी हाथ की उंगली में चोट लगी।

अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बसंत का कमाल

- **हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय**

यूजीन (एजेंसी)। अमेरिका के यूजीन शहर में खेले जा रहे अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने पुरुषों की हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतकर चैंपियनशिप में भारत को दूसरा मेडल दिलाया. इससे पहले आशीष यादव ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता था।

बसंत कुमार मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार करके सिल्वर मेडल अपने नाम किया. इसके साथ ही बसंत वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

टॉप थ्री खिलाड़ियों के अंक बराबर - खास बात ये है कि मुकाबले में टॉप के तीनों खिलाड़ियों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की. इसलिए मेडल जीतने वाले इन तीनों खिलाड़ियों के बीच फैसला उनके प्रयासों के रिकॉर्ड के आधार पर किया गया. अल्जीरिया के यूनिस अयाची को गोल्ड मेडल दिया गया क्योंकि उन्होंने ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में कर लिया, जबकि बसंत को दो प्रयास लगे. वहीं ओटिस पूल ने तीन प्रयास में 2.21 की ऊंचाई पार की। मेडल तक पहुंचने के सफर में बसंत ने पहले प्रयास में 2.06 मीटर, दूसरे प्रयास में 2.12 मीटर और पहले प्रयास में 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की, जबकि 2.21 मीटर की ऊंचाई उन्होंने दूसरे प्रयास में पार की. इसके साथ बसंत ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की भी बराबरी कर ली. बसंत का यह प्रदर्शन वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में भारत के लिए एक यादगार उपलब्धि है।

लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल - वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता. यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला वर्ल्ड-लेवल मेडल है. शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाए रखा. इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) को सिल्वर मेडल मिला। इसके साथ ही, भारत ने 2021 की 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है।

आशीष यादव ने जैवलिन थ्रो में किया कमाल

इससे पहले आशीष यादव ने चैम्पियनशिप में भालाफेंक मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था. यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का थ्रो फेंककर पदक हासिल किया. इसके साथ 19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए. चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था. यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। नीरज चोपड़ा ने भी इस युवा खिलाड़ी की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते और जीतते देखना हमेशा शानदार अहसास होता है. एक भाला फेंक खिलाड़ी के तौर पर यह उपलब्धि मेरे लिए कुछ ज्यादा खास है. अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने पर आशीष मुझे तुम पर बेहद गर्व है ।

पेड़ लगाएं पेड़ बचाएं जमालपुर को हरा-भरा बनाएं

●2,500 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश ● 61 हजार पौधों के संकल्प की ओर बढ़ा अभियान

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पर्यावरण संरक्षण और जमालपुर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के मुंगेर जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार तांती के नेतृत्व में रविवार को काली पहाड़ी क्षेत्र में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया गया। काली पहाड़ी जाने वाले मार्ग और छठ घाट के आसपास करीब 2,500 पौधे लगाए गए। अभियान में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई परिवारों ने बच्चों के हाथों पौधे लगवाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।पौधारोपण अभियान को नरेंद्र कुमार तांती के जमालपुर में 61 हजार पौधे लगाने के संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। कार्यक्रम को राजनीतिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी का रूप दिया गया। बड़ी संख्या में बच्चों और युवाओं की भागीदारी से लोगों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। नरेंद्र कुमार तांती ने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे पेड़ बनने तक संरक्षित करना जरूरी है। डिजिटल दौर में मोबाइल और सोशल मीडिया के कारण बच्चों और युवाओं का प्रकृति से जुड़ाव कम हो रहा है। ऐसे में उन्हें पर्यावरण से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए ऑक्सीजन, छाया, वर्षा और जीवन का आधार है। उन्होंने लोगों से 61 हजार पौधों के लक्ष्य को पूरे जमालपुर का अभियान बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ह्यएक परिवार-एक पेड़ह्न, ह्यएक बच्चा-एक पेड़ह्न और ह्यएक पौधा-एक जिम्मेदारीह्न का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा का सामूहिक संकल्प लिया। मौके पर दिव्यांशी, जानकी देवी, आकांक्षा कुमारी, सुलोचना देवी, शोभा देवी, मालती देवी, संगीता देवी, प्रेमलता देवी, सुहानी, पूनम, प्रीति कुमारी, सोनी कुमारी, नंदनी, प्रियांशी, आयुष, परी, कोमल कुमारी, रेणु देवी, मंजू प्रसाद, शीला देवी, कुसुम देवी, मीना देवी, सुशीला देवी, तेजस्वी, राजेंद्र तांती, जनार्दन तांती, महेश तांती, उमेश कुमार तांती, सुबोध कुमार, साहिल कुमार, अर्जुन तांती, संजीव कुमार, रौनक कुमार, पंचानंद गुप्ता, कायार्नंद प्रसाद, तारिणी तांती, संतोष कुमार व संदीप कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

साहित्यिक समारोह में श्रोताओं को प्रेम पीड़ा, सामाजिक विषमता व हाशिये के मनुष्य के सवालों से कराया रूबरू

छपरा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वरिष्ठ कवि एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के निवर्तमान आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुशवाह की कविताओं ने रविवार को छपरा में आयोजित साहित्यिक समारोह में श्रोताओं को प्रेम, पीड़ा, सामाजिक विषमता और हाशिये के मनुष्य के सवालों से रूबरू कराया। रामजयपाल कॉलेज स्थित लक्ष्मीनारायण यादव अध्ययन केंद्र में आयोजित 'सम्मान समारोह सह काव्य पाठ' में उनके काव्य पाठ ने पूरे वातावरण को संवेदनशील और विचारोत्तेजक बना दिया। प्रो. दिनेश कुशवाह ने अपनी चर्चित कविताओं 'इसी काया में मोक्ष', 'डा. विश्वनाथ त्रिपाठी का खाना', 'अच्छे दिनों का डर' और 'राजा तुम मंदिर बनवाओ' का पाठ किया। इन रचनाओं के माध्यम से उन्होंने सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन जीवन की विडंबनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी कविताओं में इतिहास के पन्नों से बाहर कर दिए गए।

फुटबॉल का रोमांच, जमुई ने मुंगेर को दी शिकस्त

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सफियाबाद स्थित हवाई अड्डा मैदान रविवार को फुटबॉल के रोमांचक मुकाबले का गवाह बना। आयोजित फुटबॉल टूनार्मेंट में गिधौर फुटबॉल एसोसिएशन, जमुई और बिंदवारा लपटोलिया युवा फुटबॉल क्लब,मुंगेर की टीमें आमने-सामने हुईं।कांटे की टक्कर में जमुई की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मुंगेर को दो गोल के अंतर से पराजित कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। गेंद पर कब्जे और गोल करने के प्रयास को लेकर मैदान पर लगातार संघर्ष देखने को मिला। जमुई की टीम ने बेहतर तालमेल, तेज पासिंग और आक्रामक रणनीति के जरिए शुरूआती दौर से ही मुंगेर पर दबाव बनाए रखा। हालांकि मुंगेर के खिलाड़ियों ने भी कई बार पलटवार किया,लेकिन जमुई की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उनके प्रयास सफल नहीं हो सके।जमुई के खिलाड़ियों ने मिले मौकों का बेहतर फायदा उठाते हुए दो गोल दागे और मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। निर्धारित समय तक मुंगेर की टीम वापसी नहीं कर सकी। अंततः जमुई ने दो गोल के अंतर से जीत दर्ज की। मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और स्थानीय दर्शक मैदान में मौजूद रहे। तालियों और उत्साहपूर्ण नारों से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया गया। इससे मैदान का माहौल पूरी तरह खेलमय बना रहा। मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी पप्पू कुमार उर्फ पप्पी यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का बेहतर माध्यम है। स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

बारिश में बढ़ा आई फ्लू का खतरा

आंखों की सुरक्षा को लेकर बरतें विशेष सावधानी

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बारिश के मौसम में आई फ्लू के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। आंखों में लालपन, पानी आना, खुजली, जलन और पलकों में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देने पर सावधानी बरतना जरूरी है। जमालपुर नेत्रालय के नेत्र विशेषज्ञ डा. अमन कुमार ने बताया कि आई फ्लू संक्रमण तेजी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। ऐसे में साफ-सफाई के साथ संक्रमित व्यक्ति से जरूरी दूरी बनाए रखना चाहिए।

डा. अमन कुमार ने कहा कि आंखों में लालपन या जलन होने पर बार-बार आंखों को रगड़ने और छूने से बचें। आंखों को साफ रखें और समस्या होने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई दवा या आई ड्रॉप का इस्तेमाल नहीं करें। संक्रमित व्यक्ति का तौलिया, रूमाल, तकिया, आई मेकअप और आई ड्रॉप दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।नेत्र विशेषज्ञ डा. अमन बताया कि आंखों को छूने से पहले और बाद में साबुन से हाथ धोना संक्रमण से बचाव का सबसे आसान उपाय है। बाहर से घर आने के बाद हाथ और चेहरा साफ करना भी जरूरी है। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को आंखों में लालपन, पानी या जलन होने पर लेंस का इस्तेमाल बंद कर चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आंखों से लगातार पानी आना, चिपचिपा स्राव, खुजली, जलन, लालपन और पलकों में सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

नजर धुंधली होने या लक्षण बढ़ने पर तत्काल नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। विशेषज्ञ की सलाह और समय पर उपचार से आंखों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आज गिरिडीह में प्रतिवाद

झंडा मैदान में जुटेंगे लोग

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। केंद्र सरकार की कथित मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ संयुक्त ट्रेड यूनियन एवं किसान संगठनों के आह्वान पर सोमवार को देशव्यापी आंदोलन के तहत गिरिडीह शहर में प्रतिवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहर के झंडा मैदान में सुबह 10 बजे लोग एकत्रित होकर विरोध-प्रदर्शन में शामिल होंगे कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पूर्व जिप सदस्य सह ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किसान-मजदूर संगठनों के संयुक्त राष्ट्रीय कन्वेंशन में देशव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया गया था इसी के तहत गिरिडीह में भी प्रतिवाद किया जा रहा है राजेश यादव ने केंद्र सरकार पर मजदूरों और किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि श्रमिक कानूनों को समाप्त कर चार लेबर कोड लागू किए गए हैं उन्होंने मनरेगा के बजट और रोजगार की गारंटी को लेकर भी सवाल उठाए। साथ ही पेपर लीक और रोजगार के अवसरों की कमी को लेकर छात्र युवाओं की समस्याओं का मुद्दा उठाया उन्होंने कहा कि जिस तरह किसानों ने आंदोलन के जरिए तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए सरकार को मजबूर किया था उसी तरह मजदूर किसान और मेहनतकश वर्ग को भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने की जरूरत है इधर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रविवार को बेंगाबाद प्रखंड के सोनबाद तथा गिरिडीह प्रखंड के नावाडीह कोल्हरिया में स्थानीय लोगों के साथ बैठक की गई। बैठक में अधिक से अधिक लोगों से सोमवार के प्रतिवाद कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई बैठक में मनोज यादव मनोज कोल शफीक अंसारी शंभू तुरी अशोक तुरी दुखी तुरी बासदेव तुरी लक्ष्मी देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आदिवासी दर्शन में प्रकृति, जल, जंगल एवं जमीन के संरक्षण को बताया गया जीवन का आधार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 में आदिवासी दर्शन, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व तथा जल, जंगल एवं जमीन के संरक्षण विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा का संचालन अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे ने किया। परिचर्चा में प्रो. रामचंद्र उरांव, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रांची ने कहा कि आदिवासी समाज का जीवन सदियों से प्रकृति पर आधारित रहा है। आदिवासी समुदाय की रहन-सहन, संस्कृति, परंपराएं एवं जीवनशैली जल, जंगल और जमीन से गहराई से जुड़ी हुई हैं। प्रकृति का संरक्षण आदिवासी जीवन-दर्शन का अभिन्न हिस्सा रहा है। सेवानिवृत्त आईएएस एवं लेखक रणेंद्र कुमार ने आदिवासी दर्शन एवं प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की दृष्टि पर चर्चा करते हुए कहा कि आदिवासी जीवन-दर्शन प्रकृति के साथ संतुलित एवं सह-अस्तित्वपूर्ण जीवन की अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा के जीवन एवं सामाजिक योगदान का उल्लेख करते हुए आदिवासी समाज के उत्थान एवं अधिकारों के लिए किए गए उनके कार्यों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी आदिवासी समाज के पारंपरिक ज्ञान एवं प्रकृति संरक्षण की अवधारणा अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग से इस पारंपरिक ज्ञान एवं जीवन-दर्शन को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। वहीं, प्रो. संतोष किरो, पत्रकारिता विभाग, संट जेवियर्स कॉलेज, रांची ने आदिवासी समाज की परंपराओं, प्रकृति के साथ उसके संबंध तथा जल, जंगल एवं जमीन के संरक्षण के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी दर्शन केवल एक जीवनशैली नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित एवं सह-अस्तित्वपूर्ण जीवन जीने की व्यापक अवधारणा है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की बढ़ती चुनौतियों के बीच आदिवासी समाज की पारंपरिक सोच, ज्ञान एवं जीवन-पद्धति से सीख लेने की आवश्यकता है।

विधायक ने सुनीं जनसमस्याएं और किया सड़क का उद्घाटन

मांझी (सारण), नवबिहार टाइम्स संवाददाता । मांझी प्रखंड के मदनसाठ स्थित नारायणी विवाह भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित समारोह में मांझी विधायक रणधीर सिंह और जदयू के जिलाध्यक्ष वैद्यनाथ प्रसाद सिंह 'विकल' ने पार्टी के नवनियुक्त जिला एवं प्रखंड कार्यकारिणी तथा पंचायत अध्यक्षों को फूल-माला, अंगवस्त्र और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में पार्टी के समर्पित कार्यकताओं को विजयी बनाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत किया जाए।

आदिवासी संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण का संकल्प

जमालपुर (मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ऑल इंडिया एससी एवं एसटी रेलवे एम्पलॉइज एसोसिएशन, जमालपुर वर्कशॉप के तत्वावधान में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया।अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष मुनेश्वर टुडू ने की। समारोह का उद्देश्य आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं, अधिकारों और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करना रहा।मुख्य अतिथि एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तूड़ा मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति संरक्षण, सामुदायिक जीवन, श्रम की गरिमा और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। वर्तमान समय में आदिवासी समाज के जीवन मूल्यों से सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता की महत्वपूर्ण सीख मिलती है।कार्यकारी अध्यक्ष राम रतन सिंह मुंडा ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू सहित अन्य आदिवासी वीरों और जननायकों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और संस्कृति के बीच संतुलन स्थापित करना भी है। एसोसिएशन के सचिव सतीश भारती ने संविधान प्रदत्त अधिकारों, शिक्षा, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण और वैश्वीकरण के दौर में आदिवासी भाषा, संस्कृति एवं रीति-रिवाजों का संरक्षण बड़ी चुनौती है। इसके लिए सभी को निरंतर प्रयास करना होगा।समारोह में एसोसिएशन की युवा टीम के गठन की घोषणा की गई। बैजनाथ टुडू को अध्यक्ष और गौतम दास को सचिव बनाया गया। मौके पर शिवलाल रजक, शिवसागर सोरेन, बृधन पासवान, सुमन कुमार, शिशिलिया टुडू, पूनम खेस, रूप रानी बेसरा, रत्नेश्वर पासवान, राजेंद्र उरांव, रामप्रवेश रजक, अरुण कुमार, अमित कुमार, पुतुल खालको सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार पद्मभूषण शिवपूजन सहाय की 133वीं जयंती मनाई

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्वी भारत साहित्य परिषद के तत्वावधान में हिंदी के महान कथाकार, साहित्यकार, पत्रकार और संपादक शिवपूजन सहाय की 133वीं जयंती भगतसिंह चौक पर साहित्यप्रेमियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई।

उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए पूर्वी भारत साहित्य परिषद के संस्थापक डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि शिवपूजन सहाय जी का जन्म 9अगस्त 1893में बिहार के भोजपुर जिले के उनवांस गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा आरा में की।वे कुछ दिन हिन्दी शिक्षक का कार्य किया। कथा, साहित्य, उपन्यास लेखन, पत्रकारिता के साथ साथ कोलकाता में मतवाला, मारवाड़ी सुधार में संपादक का भी कार्य किया। देश सेवा में समर्पित रहे ,असहयोग आंदोलन में भाग लिया। इन्हें 1960में भारत सरकार ने पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया।

मुरहू के साहित्य प्रेमी, समाजसेवी सह चिकित्सक डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि पद्मभूषण शिवपूजन सहाय का जीवन संघर्षों से भरा रहा। गुलामी काल में देशभक्ति रचनाएं लिखकर स्वंतत्रता की अलख ज्योति जगाते रहे। इन्होंने मुंशी प्रेमचंद जी के साथ माधुरी का संपादन किया। विश्व राष्ट्रभाषा परिषद का निर्देशन कार्य किया। इनकी प्रमुख रचनाओं में उपन्यास 'देहाती दुनिया' , कहानी में 'कहानी का प्लाट' और संस्मरण वे दिन वे लोग शामिल हैं। साथ ही विभुति,मुंडमाल, बिम्ब-प्रतिबिम्ब, मेरा जीवन, स्मृतिशेष, हिंदी भाषा और साहित्य आदि हैं। अखिल भारतीय सांस्कृतिक महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने शिवपूजन सहाय को श्रेष्ठ रचनाकार और देशभक्ति से ओतप्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इनका साहित्य समाज में आज भी प्रासंगिक हैं और लोग बड़े चाव से पढ़ते हैं। कार्यक्रम में ध्रुवेन्द्र भास्कर, जितेन्द्र पांडे,अनुप कुमार राय, तुलसी प्रजापति,टुनेश्वर मुंडा, कृष्णा भगत, राधेश्याम भगत, विष्णु चौधरी, रामहरि साव सहित अन्य ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक

छपरा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सारण जिला प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक शुक्रवार को लक्ष्मी नारायण लाइब्रेरी में जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं तथा आगामी प्रमंडलीय समीक्षा बैठक की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के प्रधान सचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से आयोजित होने वाली प्रमंडलीय समीक्षा बैठक की तैयारी पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान संघ की पूर्व में आयोजित बैठकों एवं लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सारण जिले के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए संगठन हमेशा प्रयासरत रहा है। हालांकि अभी भी शिक्षकों के समक्ष कई समस्याएं हैं, जिनके समाधान के लिए सभी प्रखंड अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने प्रखंडों में शिक्षकों की समस्याओं को संग्रहित कर जिला कमिटी को उपलब्ध कराएं, ताकि समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया जा सके। बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने संगठन के प्रयासों से शिक्षकों को मिली उपलब्धियों पर भी चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि संघ के अथक प्रयास के बाद शिक्षकों को नगर आवास भत्ता का लाभ मिला है। वहीं, मातृत्व अवकाश के दौरान वेतन बंद नहीं किए जाने तथा शनिवार को विद्यालय में हाफ डे किए जाने जैसे निर्णयों पर संघ के पदाधिकारियों को बधाई दी गई। बैठक के दौरान संघ के विभिन्न पदाधिकारियों एवं प्रखंड प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार रखे। बैठक में जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव, प्रधान सचिव सुरेंद्र सिंह, उप प्रधान सचिव मंजीत कुमार तिवारी, वरीय उपाध्यक्ष संजय कुमार राय, उपाध्यक्ष अजीत सिंह एवं आमोद यादव, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फौज़िया नाहिद, संयुक्त सचिव मनीष कुमार, सचिव नीरज कुमार एवं भीष्म प्रसाद यादव, कोषाध्यक्ष सुमन प्रसाद, कार्यालय सचिव विनय कुमार तिवारी, सदर सचिव संजीव कुमार, अध्यक्ष मुकेश यादव आदि थे।

सरदार हजारा सिंह चावला के निधन से पेटरवार में शोक की लहर

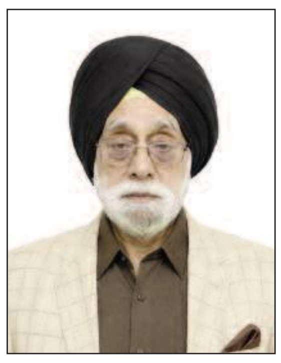

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार के जाने-माने व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सरदार हजारा सिंह चावला का (87 वर्ष) शनिवार को छत्तीसगढ़ के भिलाई में इलाज के दौरान निधन हो गया।

उनके निधन की खबर मिलते ही पेटरवार क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने मिलनसार स्वभाव, सामाजिक सहभागिता और सहज व्यक्तित्व के लिए लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। बक्शी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार हजारा सिंह चावला पेटरवार में व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते थे। वे सभी से बड़े भाई की तरह स्नेह रखते थे और जरूरत पड़ने पर लोगों का मार्गदर्शन करते थे। उनके निधन से पेटरवार ने एक मिलनसार और सामाजिक व्यक्ति को खो दिया है।उन्होंने कहा कि होली, दीपावली और दशहरा जैसे पर्व-त्योहारों में श्री चावला की सक्रिय भागीदारी रहती थी। पेटरवार से उनके जाने के बाद पर्व-त्योहारों की रौनक फीकी महसूस लगता था। वे नव युवक क्लब, मठ टोला में आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रमों में मंच संचालन करने के साथ-साथ नाटकों में भी विभिन्न भूमिकाएं निभाते थे। वहीं होली के कार्यक्रमों में भी वे अपने मित्रों के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। खेलकूद के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरदार हजारा सिंह चावला का सरल, हंसमुख और सहयोगी व्यक्तित्व हमेशा लोगों के बीच याद किया जाएगा। उनके निधन से पेटरवार ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस होती रहेगी। पेटरवार के सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में उनके योगदान को लोग कभी भुला नहीं पाएंगे।उनके निधन पर मुरारी प्रसाद बक्शी, शांतिलाल जैन, असित बनर्जी, सुधीर कुमार सिन्हा, ब्रजेश मिश्रा, प्रहलाद महतो, उमेश प्रेमी, ब्रजेश भारती, नीरज कुमार सिन्हा, हरेंद्र प्रसाद, पंकज कुमार सिन्हा, सोमेश प्रसाद, स्वरूप सहाय, सत्यम प्रसाद, रितेश कुमार सिन्हा, गणेश प्रसाद, राजू सहाय, विवेक प्रसाद, महेंद्र प्रसाद सहित पेटरवार के अनेक लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ग्रामीण चिकित्सक संघ की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

15 अगस्त को संघ की ओर से होगा झंडारोहण

जमालपुर(मुंगेर), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ प्रखंड शाखा जमालपुर की बैठक रविवार को प्रखंड कार्यालय आदमपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रखंड अध्यक्ष पंकज कुमार ने की। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सुबह 9:30 बजे झंडारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में संघ से जुड़े सभी सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी।बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सदस्यों ने संगठन के विस्तार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत चिकित्सकों को संघ से जोड़ने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित करने को लेकर अपने विचार रखे।संघ के जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह रंजन ने सभी सदस्यों से संगठन के प्रति अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती सामूहिक प्रयास और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। सभी सदस्यों को आपसी समन्वय के साथ संगठन के हित में कार्य करने की आवश्यकता है।बैठक में प्रखंड सचिव निलख हुसैन, कोषाध्यक्ष, अनिल कुमार, सुनील कुमार,प्रकाशन प्रभारी दिनेश कुमार,आशीष कुमार, कुमार एवं मुन्दुमा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक के अंत में प्रखंड सचिव ने उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आगामी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का लें संकल्प : योगेंद्र प्रसाद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आदिवासी महोत्सव के अवसर पर मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव का संदेश देती है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका सदियों से महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों, पहचान, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के प्रति संकल्प लेने का दिन है। आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने हमेशा प्रकृति को सम्मान दिया है। आज पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे समय में आदिवासी समाज की पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आदिवासी महोत्सव जैसे आयोजन हमारी समृद्ध विरासत को जानने, समझने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मंत्री ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी मिलकर जल, जंगल, संस्कृति और पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लें तथा झारखंड की समृद्ध आदिवासी विरासत को और मजबूत बनाएं।

आदिवासियों को कुछ दिखाना नहीं, उनसे सीखना और उनकी संस्कृति को समझना है : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो आदिवासी महोत्सव के अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जब हम आदिवासी समाज की बात करते हैं, तो सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आदिवासी कौन हैं, आदिवासी अस्मिता क्या है और उनकी पहचान क्या है। इसे जानना और समझना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समाज के विकास एवं कल्याण के लिए योजनाएं बनाई जाती रही हैं। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि आदिवासी समाज अपने विकास को किस दृष्टिकोण से देखता है, उसकी अपनी इच्छाएं और अपेक्षाएं क्या हैं। इसलिए जरूरी है कि हम आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को जानें, समझें तथा उनकी सोच एवं गरिमा का सम्मान करते हुए विकास की दिशा तय करें। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को कुछ दिखाने या उन्हें कुछ सिखाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि हमें उनसे सीखने और उनकी जीवनशैली को समझने की आवश्यकता है। जिस विकास की धारा को हम आदिवासी समाज के लिए सही मानते हैं, जरूरी नहीं कि वही उनकी दृष्टि में भी सही हो। उनकी परंपराओं और जीवन मूल्यों को समझना होगा। उपायुक्त ने कहा कि आज परिप्रेक्ष्य बदल रहा है और लोगों की सोच में भी बदलाव आ रहा है। अब वह दिन दूर नहीं, जब आदिवासी होना स्वयं में गौरव का विषय होगा और प्रत्येक आदिवासी अपनी पहचान एवं विरासत पर गर्व महसूस करेगा। उन्होंने आदिवासी महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की पूरी टीम ने अपेक्षा से कहीं बेहतर कार्य किया है। अधिकारियों एवं कर्मियों ने पूरी मेहनत एवं समर्पण के साथ आयोजन को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन यह संदेश देते हैं कि बोकारो जिला प्रशासन जिले के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी के विकास के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज जिला प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मी आदिवासी परिधान में कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। यह केवल परिधान धारण करना नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के प्रति एकजुटता, सम्मान और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने इसके लिए सभी पदाधिकारियों एवं आयोजन में शामिल लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महोत्सव में विभिन्न प्रकार की पेंटिंग एवं हस्तशिल्प को प्रदर्शित किया गया है। हजारीबाग सहित विभिन्न क्षेत्रों से कलाकार यहां पहुंचे हैं। बोकारो में भी इस प्रकार की कला एवं हस्तशिल्प की गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। चंदनकियारी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हस्तशिल्प की संभावनाओं को विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

आदिवासी संस्कृति की आत्मा को समझने के लिए अपनी चेतना और संवेदना को जागृत करना जरूरी : श्वेता सिंह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो आदिवासी महोत्सव के अवसर पर मा. विधायक बोकारो श्वेता सिंह ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस का यह मंच केवल मनोरंजन का मंच नहीं है, बल्कि आदिवासी संस्कृति की गरिमा, उसके अर्थ और उसकी आत्मा को समझने का अवसर है। जिला प्रशासन एवं पूरी टीम ने इस आयोजन को जीवंत रूप देने का सराहनीय प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी शब्द का अर्थ ही आदि से वास करने वाला है। मानव सभ्यता की उत्पत्ति से ही प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की परंपरा रही है और इसमें आदिवासी संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमें आदिवासी जीवन-पद्धति और संस्कृति के मूल भाव को समझने तथा उसे अपने जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी अपनी परंपराओं में भी प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना दिखाई देती है। श्रावण मास में नदियों, वृक्षों और प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों के प्रति हमारी आस्था एवं श्रद्धा इसी भाव को दशार्ती है। पीपल, बरगद और केले जैसे वृक्षों के प्रति हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्था प्रकृति संरक्षण का संदेश देती है। विधायक ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आदिवासी परिवेश को केवल देखें नहीं, बल्कि उसके भाव और आत्मा को महसूस करने का प्रयास करें। आदिवासी संस्कृति क्या है, उसका जीवन-दर्शन क्या है और प्रकृति के साथ उसका रिश्ता कैसा है, इसे समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अपने भीतर की चेतना और संवेदना को जागृत करने की आवश्यकता है। आज जीवन की दौड़ में आगे निकलने, अधिक से अधिक धन अर्जित करने और भौतिक सुख-सुविधाओं को पाने की कोशिश में हम कहीं न कहीं अपनी जड़ों, संस्कृति और मिट्टी से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे समय में हमें अपनी मूल चेतना और प्रकृति से जुड़ाव को फिर से पहचानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता, संवेदना और अपनी मिट्टी से जुड़ाव की आदिवासी आत्मा आज भी हमारे भीतर मौजूद है। जरूरत केवल उसे पहचानने और जागृत करने की है। अंत में मा. विधायक श्वेता सिंह ने जिला प्रशासन एवं पूरी आयोजन टीम को इस सार्थक एवं गरिमापूर्ण आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने तथा उन्हें समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

बोकारो आदिवासी महोत्सव में वन अधिकार और संरक्षण को मिला नया आयाम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत के उत्सव के साथ वन अधिकार एवं वन संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

कार्यक्रम में मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार योगेन्द्र प्रसाद, माननीय विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं विधायक बोकारो श्वेता सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। महोत्सव के दौरान मंत्री एवं माननीय विधायकगण द्वारा गोमिया एवं पेटरवार प्रखंड के 6 गांवों को कुल 4,300 एकड़ रिकॉर्ड वन क्षेत्र का सामुदायिक वन अधिकार पट्टा प्रदान किया गया। वहीं, वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बोकारो वन प्रमंडल के वन रक्षकों को नए गश्ती वाहन भी सौंपे गए।

'जल - जंगल और जमीन' पर सामुदायिक अधिकार को मिला कानूनी आधार

वन अधिकार अधिनियम के तहत चोरगावां गांव के ग्रामीणों को 2,800 एकड़ तथा गांगपुर गांव के ग्रामीणों को 900 एकड़ भूमि का सामुदायिक वन अधिकार पट्टा प्रदान किया गया। शेष संबंधित गांवों को मिलाकर कुल 6 गांवों को 4,300 एकड़ रिकॉर्ड वन क्षेत्र का सामुदायिक वन अधिकार मिला। इससे ग्राम सभाओं को वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग में महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे।

वन सुरक्षा के लिए 5 नए गश्ती वाहनों का वितरण

कार्यक्रम के दौरान बोकारो वन प्रमंडल के वन रक्षकों को 5 नए गश्ती वाहन उपलब्ध कराए गए। इससे वन क्षेत्रों में निगरानी एवं गश्ती अभियान को गति मिलेगी तथा अवैध कटाई, वन्यजीव अपराध और अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य समापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। महोत्सव के समापन पर आयोजित आदिवासी फैशन शो, पारंपरिक एवं रंगारंग नृत्य-संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने आदिवासी संस्कृति एवं विरासत की विविधता को फैशन शो के माध्यम से प्रदर्शित किया। वहीं, कलाकारों/छात्रों ने विभिन्न पारंपरिक नृत्य एवं लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शक भी उत्साहपूर्वक झूमते और तालियां बजाते नजर आए। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा, उनकी धर्मपत्नी डॉ प्रतीमा झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी दिनभर उपस्थित रहकर महोत्सव की व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों का जायजा लेते रहे। महोत्सव के दौरान आदिवासी कला, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, खेल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जिले की समृद्ध आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। संस्कृति, परंपरा और प्रकृति संरक्षण के संदेश के साथ बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य समापन हुआ।

विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से दिया जल स्त्रोतों की स्वच्छता का संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव के दौरान नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-02 सी के छात्र-छात्राओं ने नाटक का मंचन कर नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने को नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने जल स्त्रोतों में कचरा नहीं डालने, स्वच्छता बनाए रखने तथा जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया।

सोहराय एवं जादू पाटिया चित्रकला को कागज पर उकेरा

महोत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं ने झारखंड की समृद्ध आदिवासी कला एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए सोहराय पेंटिंग एवं जादू पाटिया चित्रकला को कागज पर उकेरा। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से पारंपरिक लोक कला को जीवंत रूप प्रदान किया।

निबंध प्रतियोगिता के सफल छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को मा. विधायक बोकारो श्वेता सिंह व अन्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सफल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की गई।

विभिन्न स्टॉलों का मंत्री, विधायकगण, डीसी एवं एसपी ने किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित बोकारो आदिवासी महोत्सव-2026 में मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार श्री योगेन्द्र प्रसाद, विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक, विधायक बोकारो श्वेता सिंह, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिथियों ने आदिवासी कला, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, पेंटिंग एवं अन्य प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

पिकअप वैन ने दो महिलाओं को मारी टक्कर, एक की मौके पर मौत

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर लालबंगला मोड़ के समीप रविवार की अहले सुबह तेज रफ्तार पिकअप वैन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में एक मारुति ओमनी और टोटो वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल महिला को अस्पताल भेजवाया तथा पिकअप वैन को चालक समेत पकड़कर महुदा पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि एक पिकअप वैन में दर्जनों श्रद्धालु बाबाधाम से लौटकर लोहरदगा जा रहे थे। लालबंगला मोड़ के समीप सड़क किनारे दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान धनबाद की ओर से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप वैन अनियंत्रित हो गई और पहले एक मारुति ओमनी तथा टोटो वाहन को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। इसके बाद सड़क किनारे खड़ी दोनों महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रोहुप अंसारी की पत्नी हाजरा खातून (66) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं गोपाल महतो की पत्नी फुनगी देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घायल महिला को तत्काल अस्पताल भेजा। सूचना मिलते ही महुदा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में लेकर थाना ले आई। पुलिस ने पिकअप वैन और चालक को भी हिरासत में ले लिया। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के परिवार में पति सहित चार पुत्र व दो पुत्री है। सभी पुत्र पुत्रीयों का विवाह हो चुका है। घटना के समय पति रोहुप अंसारी एक पुत्री से मिलने कोलकात्ता गया हुआ था। घटना की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो मृतका के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।

कोडरमा के प्रसिद्ध 'केसरिया कलाकंद' को मिला जीआइ टैग का दर्जा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को बैंक मोड़ स्थित डीएमसी मॉल में आयोजित 'शिल्पोत्सव' में 'कोडरमा केसरिया कलाकंद कल्याण स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड' ने कोडरमा के मशहूर पारंपरिक मिष्ठान 'केसरिया कलाकंद' का स्टॉल लगाया था। समिति ने बताया कि जब उपायुक्त आदित्य रंजन, कोडरमा जिले के उपायुक्त के रूप में कार्यरत रहे थे, तब उन्होंने शिक्षा, साक्षरता, सामुदायिक भागीदारी सहित अनेक क्षेत्र में कई बेहतरीन कार्य किए थे। उनके प्रयास से स्थानीय अर्थव्यवस्था और कारीगरों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कोडरमा के डेयरी उद्योग और पारंपरिक मिठाई व्यवसाय, स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया। उन्हीं के प्रयास से कोडरमा के मशहूर पारंपरिक मिष्ठान 'केसरिया कलाकंद' को आधिकारिक तौर पर जीआइ टैग (भौगोलिक उपदर्शन) प्रदान किया गया। फलस्वरूप कोडरमा के इस पारंपरिक स्वाद को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिली। समिति ने बताया कि उपायुक्त के मार्गदर्शन और सार्थक प्रयास से मिले जीआइ टैग ने उनके उत्पाद को नई पहचान दिलाई। उत्पाद की विशिष्ट पहचान सुरक्षित बनी। इसके अनधिकृत बिक्री या नकल पर रोक लगी। केसरिया कलाकंद को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। स्थानीय कारीगरों, हलवाइयों और उद्यमियों के लिए नए रोजगार तथा आय के बेहतर अवसर सृजित हुए। कोडरमा की पारंपरिक कला, स्वाद और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा व संरक्षण मिला। उन्होंने बताया कि आज भी कोडरमा के डेयरी उद्योग और पारंपरिक मिठाई व्यवसाय से जुड़े लोगों में अपार उत्साह है और धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन की सराहना करते हैं। स्टॉल भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने समिति से करीब 5 मिनट तक बातचीत की। शुद्ध केसर से बनी केसरिया कलाकंद के अद्भुत स्वाद और खुशबू की प्रशंसा की।

बीआइटी सिंदरी में पाटलिपुत्र अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पाटलीपुत्र अस्पताल, जोड़ा फाटक रोड, धनबाद के सौजन्य से बीआईटी सिंदरी, परिसर में छात्रों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में पाटलीपुत्र अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। इसमें डॉ. कुणाल किशोर डॉ. मणि कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. शुभांगी मोरे एवं डॉ. एस.डी. चौधरी शामिल थे। शिविर के दौरान निःशुल्क बीपी, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, पल्स एवं डेंटल स्क्रीनिंग की गई। कुल 209 छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श किया गया। जांच में कुछ छात्रों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षण पाए गए, जिन्हें आवश्यक जांच एवं उपचार के लिए पाटलीपुत्र अस्पताल आने की सलाह दी गई। इस अवसर पर घोषणा की गई कि बीआईटी सिंदरी के सभी छात्रों को पाटलीपुत्र अस्पताल, जोड़ा फाटक रोड में रियायती दरों पर इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर किशोरियों के बीच विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज सहयोगिनी द्वारा कसमार के कूरको तथा धधकिया गांव में किशोरियों के बीच विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की उत्प्रेरक विनीता देवी एवं रेखा देवी ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर हमें यह याद रखना है कि आदिवासीयत के कारण ही हमारा जल, जंगल, जमीन सुरक्षित है। बाल विवाह बाल तस्करी, बाल यौन हिंसा जैसे मुद्दे को समाप्त करने के लिए हमें सब के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है उन्होंने बताया कि सहयोगिनी संस्था द्वारा प्रखंड के 30 गांव में बच्चों के अधिकार को लेकर आदिवासी समुदाय के बीच में विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि किशोरियों के नेतृत्व विकास का कार्यक्रम विगत 5 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से पेटरवार बाजार टांड़ के बुण्डू पंचायत भवन में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंगेल विडियो विजय कुमार मार्डी तथा संचालन सेंगेल सरना धर्म मांडवा प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार मुर्मू ने किया। विश्व आदिवासी दिवस के इस अवसर पर सेंगेल कार्यकताओं ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक छः सूत्री मांग पत्र जारी किया, जिसे प्रखंड विकास पदाधिकारी पेटरवार के मार्फत प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। सभा को सम्बोधित करते हुए सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू ने कहा कि आज संयुक्त राष्ट्र के घोषणा अनुसार विश्व के लगभग 90 देशों में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य विश्व के आदिवासियों की भाषा, संस्कृति, धर्म, शैक्षिक, समाजिक एवं आर्थिक स्थिति का आकलन कर,संबंधित देशों को निर्देश जारी करना है। लेकिन 1995 से लगातार 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने के बावजूद आज भी आदिवासियों की स्थिति में अनुपातिक विकास नहीं हुआ है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विलुप्त होती आदिवासी भाषाओं को बचाने और इसे समृद्ध करने हेतु ई. 2022 से 2032 तक को आदिवासी भाषा दशक के रूप में घोषित किया है। उसी के तर्ज.पर हमलोगों ने आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग किया है कि राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सबसे बड़ी आदिवासी भाषा संताली को आदिवासी बहुल प्रदेश झारखंड में प्रथम राजभाषा का दर्जा देकर पठन-पाठन, सरकारी कार्य, रोजगार आदि में उपयोग कर समृद्ध किया जाए। प्रकृति पूजक हैं उन्हें स्वतंत्र धार्मिक मान्यता अर्थात सरना धर्म कोड दिया जाए।असम और अण्डमान में बसे झारखंडी आदिवासियों को अविलंब एसटी का दर्जा दिया जाए।सीएनटी एसपीटी कानून को सख्ती से लागू किया जाए। आदिवासी स्वशासन व्यवस्था में परंपरा के नाम पर चालू वंशवादी स्वशासन व्यवस्था में सुधार कर संविधान कानून और जनतंत्र को लागू किया जाए। झारखण्ड में झारखण्डी स्थानीय नीति/प्रखंडवार नियोजन नीति लागू किया जाए।इन सभी मुद्दों को लेकर आदिवासी समाज लगातार आन्दोलन भी कर रहे हैं।सभा को मांझी परगना मांडवा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मोहन मार्डी, हजारीबाग जोनल हेड विजय टुडू, बोकारो जिला मांझी परगना मांडवा अध्यक्ष हरिश्चंद्र मुर्मू, आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष संतोष मुर्मू, कसमार प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष रामप्रसाद सोरेन,चन्द्रो किस्कू,मंगल मुर्मू, सोनाराम मुर्मू,संजय टुडू, बिरसा मुर्मू, दशमी हांसदा,बुधन हांसदा सहित अन्य महिला पुरुष उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK